• सेवा • सहयोग • संवेदना •

भारतीय रेडक्रॉस सोसायटी

जिला शाखा - सिंगरौली

"मानव संवेदना"

वार्षिक रेडक्रॉस पत्रिका 2025-26

मानवता की सेवा ही हमारा धर्म, समाज के लिए समर्पण हमारा कर्म

रक्तदान महादान
जीवन बचाएं, उम्मीद जगाएं

आपदा राहत
मानवता की ढाल
हर परिस्थिति में साथ

स्वास्थ्य सेवा
स्वस्थ समाज
हमारी प्राथमिकता

दिव्यांग सहायता
सशक्त समाज
समान अवसर, समान अधिकार

शिक्षा सहायता
उज्ज्वल भविष्य
हर बच्चे का अधिकार

मानवता • एकता • निष्पक्षता • तटस्थता • स्वैच्छिक सेवा •

महिला सशक्तिकरण
सशक्त नारी
सशक्त समाज

पर्यावरण संरक्षण
हरित भविष्य
प्रकृति के साथ, सुरक्षित कल के साथ

:: कार्यालय पता ::
भारतीय रेडक्रॉस सोसायटी, केंद्रीय कार्यालय, डीडीआरसी भवन,
ट्रामा सेंटर के पास, बिलौंजी, बैढ़न, जिला-सिंगरौली, म.प्र.-486886
07805-359697 / 07805-352516 ircs.singrauli@gmail.com
वेबसाइट : indianredcrosssingrauli.org

ESTD. SERVING HUMANITY SINCE 1920

भारतीय रेडक्रॉस सोसायटी
राष्ट्रीय अध्यक्ष

महामहिम राष्ट्रपति महोदय
श्रीमती द्रौपदी मुर्मू

भारतीय रेडक्रॉस सोसायटी
प्रदेश - अध्यक्ष, म.प्र.

माननीय राज्यपाल महोदय
श्री मांगू भाई पटेल

श्री गौरव बैनल
कलेक्टर सह प्रेसिडेंट

श्री मनोज प्रताप सिंह
वाईस प्रेसिडेंट

श्री एस.डी. सिंह
चेयरमैन

श्री गोविन्द प्रसाद पांडेय
वाईस चेयरमैन

डॉ. ओ.पी. राय
सचिव

श्री ओ.पी.एन. सिन्हा
कोषाध्यक्ष

भारतीय रेडक्रॉस सोसायटी

जिला शाखा-सिंगरौली (म.प्र.)

"मानव संवेदना"

वार्षिक रेडक्रॉस पत्रिका 2025-26

:: कार्यालय पता ::

भारतीय रेडक्रॉस सोसायटी, केन्द्रीय कार्यालय, डीडीआरसी भवन,
ट्रामा सेंटर के पास, बिलौंजी, बैढ़न, सिंगरौली, म.प्र. - 486886
दूरभाषा : 07805-359697 / 07805-352516 | ईमेल : ircs.singrauli@gmail.com
वेबसाइट: indianredcrosssingrauli.org

संपादकीय...

मानव संवेदना
एक दीप, अनगिनत जीवन

सेवा कोई संकल्प नहीं होती — वह एक स्वभाव है। जो हृदय में एक बार जग जाए, तो फिर बुझता नहीं। भारतीय रेडक्रॉस सोसायटी, जिला शाखा सिंगरौली की यह वार्षिक पत्रिका "मानव संवेदना" का द्वितीय संस्करण उसी अखंड ज्योति का साक्ष्य है, जो वर्ष 2014 से इस धरती पर प्रज्वलित है और आज भी हर आँधी में अविचल जलती चली आ रही है।

जब हम "मानव संवेदना" शीर्षक को देखते हैं, तो यह केवल एक पत्रिका का नाम नहीं लगता — यह उस आत्मबोध की अभिव्यक्ति है जो कहता है कि दूसरे का दर्द अपना दर्द है, दूसरे की आँख का आँसू अपनी आँख का आँसू है। यही संवेदना रेडक्रॉस की आत्मा है, यही उसका धर्म है, यही उसकी पहचान है।

बीते एक वर्ष में जो हुआ, वह संख्याओं में तो समाता है — किन्तु उसका वास्तविक आयाम संख्याओं से परे है। 44,561 यूनिट रक्त संग्रह, 6,676 दिव्यांगजनों को पुनर्वास सेवाएँ, 294 बालिकाओं को समाज की मुख्यधारा से जोड़ना, 2,691 नागरिकों को प्राथमिक उपचार का प्रशिक्षण, 109 परिवारों को तत्काल आर्थिक सहायता — ये आँकड़े नहीं, ये जीवन हैं। ये उन चेहरों की कहानियाँ हैं जो कभी निराशा के अँधेरे में थे और आज आशा की रोशनी में साँस ले रहे हैं।

इस पत्रिका के पन्नों में जो यात्रा अंकित है, वह किसी एक व्यक्ति की नहीं — यह एक सामूहिक चेतना की यात्रा है। ब्लड सेंटर में रात के अंधेरे में जागकर किसी अनजान के लिए रक्त जाँचते तकनीशियन से लेकर, बालिका खुला आश्रय गृह में उस नन्हीं बच्चियों को अक्षर सिखाती शिक्षिकाओ तक — हर हाथ, हर हृदय इस सेवा-यज्ञ की समिधा है।

25 अगस्त 2025 को ब्लड कम्पोनेंट सेपरेशन यूनिट का शुभारम्भ एक तकनीकी उपलब्धि अवश्य है, किन्तु उसका अर्थ इससे कहीं गहरा है — एक रक्तदाता की एक बूँद अब तीन जीवनों में बँट जाती है। यह रेडक्रॉस की उस दृष्टि का प्रतीक है जो सदैव "अधिकतम से अधिकतम" की साधना करती है।

यह पत्रिका हमारे उन सभी दानदाताओं, स्वयंसेवकों, सहयोगी औद्योगिक प्रतिष्ठानों, जनप्रतिनिधियों और जिला प्रशासन के प्रति कृतज्ञता का सार्वजनिक अभिलेख भी है, जिनके बिना यह सेवा-यज्ञ सम्भव नही हो सकता। चेयरमैन श्री एस.डी. सिंह जी के नेतृत्व में, और समस्त प्रबंध समिति के अथक परिश्रम से यह संस्था जो ऊँचाइयाँ छू रही है, वे आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा का स्थायी स्रोत बनेंगी।

हम जानते हैं कि पत्रिका के पन्ने सीमित हैं, पर सेवा की परिधि असीमित है। जो कहानियाँ यहाँ नहीं समा सकीं, वे भी उतनी ही सच्ची हैं — वे हृदयों में जीती हैं। यह "मानव संवेदना" उन सबके लिए है — जिन्होंने दिया और जिन्होंने पाया, क्योंकि सेवा के इस चक्र में देने वाला और लेने वाला — दोनों समृद्ध होते हैं।

आइए, हम सब मिलकर यह संकल्प करें — कि जब तक एक भी आँख में आँसू है, एक भी हाथ सहारे को तरस रहा है, एक भी हृदय अँधेरे में भटक रहा है — हम चैन से नही बैठेंगे। सेवा ही सिद्धांत है, सेवा ही समर्पण है, सेवा ही हमारा परिचय है।

संपादक

डॉ. ओ. पी. राय
सचिव
इंडियन रेडक्रॉस सोसाइटी, सिंगरौली, म.प्र.

शुभकामना संदेश...

सम्पतिया उइके

मंत्री, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग एवं प्रभारी मंत्री
जिला सिंगरौली (मध्य प्रदेश)
मंत्रालय : कक्ष क्र. E-115, VB-III
वल्लभ भवन, भोपाल (म.प्र.)
दूरभाष : 0755-2708577 (मंत्रालय)
निवास : बी-7, 74 बंगला, भोपाल (म.प्र.)
दूरभाष : 0755-2441593, 2441060
ई-मेल : phe.minister@gmail.com

इंडियन रेडक्रॉस सोसाइटी, सिंगरौली एक प्रतिष्ठित एवं सेवाभावी संस्था है, जो समाज के वंचित, पीड़ित एवं जरूरतमंद वर्गों के कल्याण हेतु निरंतर समर्पित भाव से कार्यरत है।

संस्था द्वारा संचालित ब्लड बैंक, बालिका गृह आश्रय केंद्र, जिला दिव्यांग पुनर्वास केंद्र, प्राथमिक चिकित्सा प्रशिक्षण कार्यक्रम एवं जन औषधि केंद्र के माध्यम से सिंगरौली तथा आसपास के क्षेत्रों के नागरिकों को महत्वपूर्ण एवं आवश्यक सेवाएँ प्रदान की जा रही हैं। रेडक्रॉस का मूल उद्देश्य मानवता की सेवा करना है, और इस उद्देश्य की पूर्ति हेतु संस्था सामाजिक, चिकित्सीय तथा आपदा प्रबंधन के विविध आयामों में उल्लेखनीय योगदान दे रही है। विशेष रूप से दिव्यांगजनों, सामाजिक रूप से वंचित वर्गों, पीड़ित महिलाओं एवं बालिकाओं तथा निराश्रित व्यक्तियों के पुनर्वास एवं सशक्तिकरण के क्षेत्र में संस्था के कार्य अत्यंत सराहनीय हैं।

संस्था के ये सतत प्रयास न केवल मानव सेवा की उत्कृष्ट मिसाल प्रस्तुत करते हैं, बल्कि समाज में सकारात्मक परिवर्तन की दिशा में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। इंडियन रेडक्रॉस सोसाइटी, सिंगरौली द्वारा प्रकाशित वार्षिक पत्रिका "मानव संवेदना" के द्वितीय संस्करण के प्रकाशन के अवसर पर मैं अपनी ओर से हार्दिक शुभकामनाएँ एवं बधाई प्रेषित करती हूँ।

मुझे पूर्ण विश्वास है कि यह पत्रिका भविष्य में भी संस्था के सेवा-कार्य, उपलब्धियों एवं मानवीय मूल्यों को व्यापक रूप से जन-जन तक पहुँचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती रहेगी तथा संस्था निरंतर इसी समर्पण, निष्ठा एवं उत्कृष्टता के साथ मानव सेवा के अपने उद्देश्यों की पूर्ति करती रहेगी।

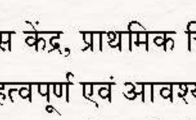

(संपतिया उइके)
मंत्री, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग
एवं प्रभारी मंत्री
जिला- सिंगरोली (म.प्र.)

शुभकामना संदेश...

राधा सिंह

राज्यमंत्री

पंचायत एवं ग्रामीण विकास

मध्यप्रदेश शासन

निवास : बी-22, चार इमली, भोपाल पिन-462016

दूरभाष : 0755-2441042, 2441006

ईमेल:-radhasinghchitrangi@gmail.com

मानव-कल्याण की सर्वोच्च भावना एवं सेवा-समर्पण के आदर्शों को मूर्त रूप प्रदान करने वाली इंडियन रेडक्रॉस सोसाइटी, जिला सिंगरौली द्वारा प्रकाशित यह वार्षिक पत्रिका जनसेवा के विविध आयामों का एक सुसंगठित एवं प्रेरक आलेख है। इस महत्त्वपूर्ण अवसर पर मैं हार्दिक शुभकामनाएं प्रेषित करती हूँ।

रेडक्रॉस सोसाइटी द्वारा समाज के अंतिम छोर तक पहुँचकर स्वास्थ्य संरक्षण, रक्तदान संवर्धन, आपदा प्रबंधन एवं राहत कार्य, प्राथमिक उपचार प्रशिक्षण, दिव्यांगजन सशक्तिकरण तथा वंचित वर्गों के पुनर्वास जैसे बहुआयामी क्षेत्रों में जो सतत एवं प्रतिबद्ध प्रयास किए जा रहे हैं, वे न केवल प्रशंसनीय हैं, अपितु समावेशी विकास की अवधारणा को सुदृढ़ करने में भी अत्यंत सहायक सिद्ध हो रहे हैं।

ग्रामीण एवं नगरीय समुदायों के मध्य समन्वय स्थापित करते हुए यह संस्था सेवा, संवेदना एवं सहभागिता के मूल्यों को जन-जन तक प्रसारित कर रही है। प्रस्तुत पत्रिका इन प्रयासों की सार्थक अभिव्यक्ति है, जो सामाजिक उत्तरदायित्व एवं मानवीय कर्तव्यबोध के प्रति जागरूकता को और अधिक सशक्त बनाएगी।

मुझे पूर्ण विश्वास है कि रेडक्रॉस सोसाइटी भविष्य में भी इसी निष्ठा, पारदर्शिता एवं उत्तरदायित्व के साथ अपने सेवा-कार्य को विस्तारित करते हुए जनसामान्य के जीवन स्तर में गुणात्मक सुधार लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी तथा निरंतर प्रगति के पथ पर अग्रसर रहेगी।

मैं संस्था के समस्त पदाधिकारियों, स्वयंसेवकों एवं सहयोगीजनों को उनके समर्पित प्रयासों हेतु साधुवाद देती हूँ तथा उनके उज्ज्वल, सुदीर्घ एवं सफल भविष्य की मंगलकामना करती हूँ।

(राधा सिंह)

राज्यमंत्री, पंचायत एवं ग्रामीण विकास

मध्यप्रदेश शासन

शुभकामना संदेश...

डॉ. राजेश मिश्र

संसद सदस्य, (लोक सभा)
सीधी, मध्य प्रदेश
सिंगरौली कार्यालय: ट्रैफिक चौराहा वैढ़न, (म. प्र.) - 486 886,
मोबाईल : 9425177888,
ईमेल : drrajeshmishramnh@gmail.com

मानवता की निष्कलुष सेवा और करुणा के दिव्य आदर्शों का सजीव प्रतिरूप इंडियन रेडक्रॉस सोसाइटी, जिला सिंगरौली द्वारा प्रकाशित वार्षिक पत्रिका का यह अंक समाजोपयोगी प्रयासों का एक सार्थक दर्पण है। इस पुण्य अवसर पर मैं अपनी हार्दिक शुभकामनाएँ प्रेषित करता हूँ।

रेडक्रॉस सोसाइटी द्वारा जनहित के विविध आयामों—रक्तदान प्रोत्साहन, आपदा प्रबंधन एवं राहत कार्य, स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार, प्राथमिक उपचार प्रशिक्षण, दिव्यांगजन सशक्तिकरण तथा वंचित वर्गों के पुनर्वास—में जो निष्ठापूर्ण एवं समर्पित योगदान दिया जा रहा है, वह न केवल अनुकरणीय है, अपितु मानवीय मूल्यों के संरक्षण एवं संवर्धन का प्रेरक आधार भी है।

यह संस्था अपने सेवा-व्रत के माध्यम से समाज में सहयोग, सह-अस्तित्व एवं संवेदनशीलता की भावना को सुदृढ़ कर रही है। प्रस्तुत पत्रिका इन लोकहितकारी प्रयासों का सुस्पष्ट दस्तावेज है, जो निःस्वार्थ सेवा की उत्कृष्ट परंपरा को जन-जन तक पहुँचाने का माध्यम बनेगी।

मेरी पूर्ण आस्था है कि रेडक्रॉस सोसाइटी आगामी समय में भी इसी प्रकार सेवा-पथ पर अग्रसर रहकर समाज के प्रत्येक वर्ग के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन का आलोक फैलाएगी तथा अपने यशस्वी एवं उज्ज्वल भविष्य की ओर निरंतर अग्रसर होगी।

मैं संस्था के समस्त पदाधिकारियों, कर्मठ स्वयंसेवकों एवं सहयोगियों को इस महान सेवा-साधना हेतु साधुवाद देता हूँ और उनके सतत उन्नति-पथ की मंगलकामना करता हूँ।

(डॉ. राजेश मिश्र)
संसद सदस्य
(लोक सभा)
सीधी, मध्य प्रदेश

शुभकामना संदेश...

रामनिवास शाह

विधायक
विधानसभा - 80, सिंगरौली
आवास :
वार्ड क्र. 29, मेन रोड कम्पनी मैदान
जिला - सिंगरौली (म.प्र.)
मो.: 9754152600, 7974703485
ईमेल : rnshahwdn@gmail.com

मैं, रामनिवास शाह, विधायक सिंगरौली विधानसभा क्षेत्र, रेडक्रॉस सोसायटी सिंगरौली द्वारा संपादित इस पत्रिका के प्रकाशन पर अपनी हार्दिक प्रसन्नता व्यक्त करता हूँ। समाज सेवा एवं मानव कल्याण के प्रति आपका समर्पण अत्यंत प्रेरणादायक है, जो वास्तव में मानवता के उच्च आदर्शों का सशक्त उदाहरण प्रस्तुत करता है।

रेडक्रॉस सोसायटी द्वारा समाज के वंचित एवं जरूरतमंद वर्गों के उत्थान हेतु किए जा रहे कार्य, विशेष रूप से दिव्यांगजनों के सहयोगार्थ उपकरण एवं कृत्रिम अंगों का वितरण, अत्यंत सराहनीय एवं अनुकरणीय हैं। इसके साथ ही प्राकृतिक आपदाओं एवं स्वास्थ्य संबंधी आपात स्थितियों में आपकी सक्रिय एवं संवेदनशील भूमिका समाज के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण सिद्ध हो रही है।

आपके द्वारा किया जा रहा यह सेवाभावी प्रयास न केवल असहाय एवं पीड़ित जनों के जीवन में आशा का संचार करता है, अपितु समूचे समाज में सकारात्मक परिवर्तन की प्रेरणा भी प्रदान करता है। यह कार्य मानवता, सेवा एवं करुणा के उत्कृष्ट मूल्यों को जन-जन तक पहुँचाने का माध्यम बन रहा है।

विश्व रेडक्रॉस दिवस के इस पावन अवसर पर, मैं रेडक्रॉस सिंगरौली की संपूर्ण टीम को हार्दिक शुभकामनाएँ प्रेषित करता हूँ। मेरी हार्दिक कामना है कि आपका यह सेवाभावी अभियान भविष्य में भी निरंतर प्रगति करता रहे एवं समाज में मानवता एवं सेवा के आदर्शों को नई ऊँचाइयों तक पहुँचाता रहे।

आपके समस्त प्रयासों के प्रति मैं अपना आत्मीय सम्मान एवं शुभकामनाएँ अर्पित करता हूँ।

शुभेच्छु

(रामनिवास शाह)
विधायक

शुभकामना संदेश...

राजेंद्र मेश्राम

विधायक, विधान सभा क्षेत्र 81 - देवसर
जिला - सिंगरौली (म.प्र.)
विधायक विश्राम गृह
खण्ड 01, कमरा नं. 67, 68
निवास : बी-19, एन.एस.सी. कॉलोनी,
जयंत (एन.सी. सल.), जिला सिंगरौली (म.प्र.)
मो. नं. 9425331898

इंडियन रेडक्रॉस सोसाइटी, जिला सिंगरौली द्वारा प्रकाशित वार्षिक पत्रिका के प्रकाशन के अवसर पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं।

सेवा, संवेदना और मानवता के मूल सिद्धांतों पर आधारित यह संस्था सिंगरौली जिले में वर्षों से जनकल्याण के विविध क्षेत्रों—जैसे रक्तदान सेवा, दिव्यांगजन पुनर्वास, औषधि वितरण, आपदा राहत एवं प्राथमिक चिकित्सा प्रशिक्षण—में सराहनीय एवं अनुकरणीय कार्य कर रही है।

यह अत्यंत हर्ष का विषय है कि रेडक्रॉस सोसाइटी प्रशासन एवं समाज के सहयोग से जनसेवा के अपने संकल्प को सतत साकार कर रही है। यह पत्रिका संस्था की समर्पण भावना, पारदर्शिता तथा सेवाभाव का सशक्त दर्पण है।

मैं संस्था के समस्त पदाधिकारियों, सदस्यों एवं स्वयंसेवकों को इस पुनीत कार्य हेतु हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं प्रेषित करता हूँ।

शुभेच्छु

(राजेंद्र मेश्राम)
विधायक

शुभकामना संदेश...

गौरव बैनल

कलेक्टर सह अध्यक्ष रेडक्रॉस सोसाइटी
जिला सिंगरौली (म. प्र.)
Tel: (कार्यालय) 07805-234541, (निवास) 244110,
E-mail: dmsingrauli@mp.gov.in

विश्व रेडक्रॉस दिवस के पावन अवसर पर, भारतीय रेडक्रॉस सोसाइटी, जिला सिंगरौली के समस्त पदाधिकारियों, स्वयंसेवकों तथा सहयोगियों को हार्दिक शुभकामनाएँ एवं अभिनंदन।

मानव सेवा, करुणा एवं निष्काम समर्पण के उच्च आदर्शों को आत्मसात करते हुए रेडक्रॉस सोसाइटी सदैव समाज के वंचित, पीड़ित एवं आपदा-ग्रस्त वर्गों के लिए संबल का कार्य कर रहा है। संकट की प्रत्येक घड़ी में आपकी तत्परता, सेवा-भाव और संवेदनशीलता न केवल मानवीय मूल्यों को सुदृढ़ करती है, अपितु समाज में विश्वास एवं सह-अस्तित्व की भावना को भी सुदृढ़ बनाती है।

स्वास्थ्य संरक्षण, राहत कार्यों एवं सामाजिक जागरूकता के क्षेत्र में आपके द्वारा किए जा रहे सतत प्रयास निःसंदेह प्रेरणास्पद हैं। यह कार्य न केवल समाज के अंतिम व्यक्ति तक सहायता पहुँचाने का माध्यम है, बल्कि एक सशक्त, संवेदनशील एवं समरस समाज के निर्माण में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

मुझे पूर्ण विश्वास है कि भारतीय रेडक्रॉस सोसाइटी, सिंगरौली भविष्य में भी इसी प्रकार मानवता की सेवा के पथ पर अग्रसर रहकर उत्कृष्ट कार्य करती रहेगी तथा समाज में सेवा, त्याग एवं परोपकार की भावना को निरंतर प्रोत्साहित करेगी।

इस महत्वपूर्ण अवसर पर, आप सभी के उत्तम स्वास्थ्य, उज्ज्वल भविष्य एवं निरंतर प्रगति की कामना करता हूँ।

शुभेच्छु

(गौरव बैनल)
कलेक्टर सह अध्यक्ष रेडक्रॉस सोसाइटी
जिला सिंगरौली (म. प्र.)

शुभकामना संदेश...

एस. डी. सिंह

चेयरमैन

इंडियन रेडक्रॉस सोसाइटी, जिला सिंगरौली (म.प्र.)

विश्व रेडक्रॉस दिवस के इस परम पुण्य, पावन एवं प्रेरणामय अवसर पर "मानव संवेदना" पत्रिका के प्रकाशनार्थ मैं, इंडियन रेडक्रॉस सोसाइटी का चेयरमैन होने के नाते, समस्त सेवाभावी कार्यकर्ताओं, समर्पित स्वयंसेवकों, उदार दानदाताओं तथा जनसामान्य को अन्तःकरण की गहनतम भावनाओं से अभिनंदन एवं हार्दिक मंगलकामनाएँ अर्पित करता हूँ। रेडक्रॉस वस्तुतः केवल एक संस्था न होकर, करुणा, दया, परोपकार एवं निःस्वार्थ सेवा का साकार एवं सजीव स्वरूप है। यह वही दिव्य भावना है, जिसमें "वसुधैव कुटुम्बकम्" का सार्वभौम सिद्धान्त प्रतिध्वनित होता है, जहाँ पीड़ित, शोषित एवं वंचित मानवता की सेवा ही परम धर्म के रूप में प्रतिष्ठित है। आपदाओं, विपत्तियों एवं विषम परिस्थितियों में रेडक्रॉस के सेवाव्रती स्वयंसेवकों द्वारा प्रदर्शित त्याग, तपस्या एवं समर्पण न केवल प्रेरणास्पद है, अपितु मानवीय संवेदनाओं का सर्वोच्च उत्कर्ष भी है। इस पुण्ययात्रा के पावन पथ पर यह निवेदन करते हुए मुझे आत्मसंतोष एवं गौरव का अनुभव होता है कि हमारी सोसाइटी ने सतत परिश्रम, पारदर्शिता, उत्तरदायित्व एवं अटूट निष्ठा के माध्यम से रेडक्रॉस को नवीन आयाम प्रदान करने का विनम्र प्रयास किया है। यह उपलब्धि किसी एक व्यक्तित्व की नहीं, अपितु उन असंख्य सेवाभावी आत्माओं की सामूहिक साधना का सुफल है, जिन्होंने मानव सेवा को ही अपने जीवन का परम व्रत एवं कर्तव्य माना।

मैं इस शुभ अवसर पर जिला प्रशासन, समस्त विभागों, सामाजिक एवं स्वयंसेवी संस्थाओं, सहयोगी संगठनों तथा प्रत्येक समर्पित स्वयंसेवक के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित करता हूँ, जिनके अटूट सहयोग, विश्वास एवं सक्रिय सहभागिता ने इस सेवा-यज्ञ को निरंतर प्राणवंत, गतिशील एवं प्रभावी बनाए रखा है।

"मानव संवेदना" पत्रिका केवल एक प्रकाशन नहीं, अपितु मानवीय करुणा, संवेदनशीलता एवं सामाजिक उत्तरदायित्व का सशक्त प्रतिबिम्ब है, जो समाज में सहानुभूति, जागरूकता एवं सेवा-भाव की नवचेतना का संचार करेगी। यह पत्रिका प्रत्येक हृदय में मानवीय मूल्यों की ज्योति प्रज्वलित कर, सेवा के पथ पर अग्रसर होने की प्रेरणा प्रदान करेगी—यही मेरी हार्दिक अभिलाषा है।

आइए, हम सभी यह दृढ़ संकल्प धारण करें कि पीड़ित मानवता की सेवा, वंचितों के उत्थान एवं समाज के समग्र कल्याण हेतु अपने कर्तव्यों का निष्ठापूर्वक पालन करते हुए रेडक्रॉस के उज्ज्वल, सुदृढ़ एवं करुणामय भविष्य के निर्माण में सक्रिय सहभागिता निभाएँगे।

ईश्वर से प्रार्थना है कि हमें सदैव सेवा, सहानुभूति, परोपकार एवं समर्पण के इस पुण्य पथ पर अविचलित भाव से अग्रसर रहने की शक्ति एवं सद्बुद्धि प्रदान करें।

शुभेच्छु

(एस. डी. सिंह)

चेयरमैन

इंडियन रेडक्रॉस सोसाइटी, जिला सिंगरौली (म.प्र.)

भारतीय रेडक्रॉस सोसाइटी

जिला शाखा सिंगरौली

"मानव संवेदना"

रेडक्रॉस सोसाइटी (Red Cross Society) एक विश्वव्यापी, स्वैच्छिक और मानवतावादी संस्था है, जिसका मुख्य उद्देश्य युद्ध, प्राकृतिक आपदाओं (बाढ़, भूकंप) और आपातकालीन स्थितियों में बिना किसी भेदभाव के मानवीय पीड़ा को कम करना और जीवन बचाना है। इसकी स्थापना 1863 में हेनरी ड्यूनेंट ने जिनेवा में की थी, यह स्वास्थ्य, रक्तदान और प्राथमिक चिकित्सा के क्षेत्र में कार्य करती है।

भारतीय रेडक्रॉस सोसाइटी के कार्य सात मूलभूत सिद्धांतों (Fundamental Principles) पर आधारित हैं, जो मानवीय सहायता के दौरान तटस्थता और निष्पक्षता सुनिश्चित करते हैं। ये सिद्धांत हैं: मानवता, निष्पक्षता, तटस्थता, स्वतंत्रता, स्वैच्छिक सेवा, एकता और सार्वभौमिकता। 1920 में स्थापित यह संस्था इन सिद्धांतों के माध्यम से आपदा प्रबंधन, प्राथमिक उपचार, और स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में कार्य करती है।

रेडक्रॉस के सात मूलभूत सिद्धांत

1. **मानवता (Humanity):** युद्धक्षेत्र या आपदा में बिना भेदभाव के जीवन और स्वास्थ्य की रक्षा करना और मानवीय पीड़ा को कम करना।
2. **निष्पक्षता (Impartiality):** राष्ट्रीयता, नस्ल, धर्म या राजनीतिक विचारों के आधार पर बिना कोई भेदभाव किए मदद करना।
3. **तटस्थता (Neutrality):** सभी का विश्वास बनाए रखने के लिए, किसी भी विवाद या राजनीतिक/धार्मिक संघर्ष में पक्ष नहीं लेता।
4. **स्वतंत्रता (Independence):** सरकार की मानवीय सेवाओं में सहायक होने के बावजूद, रेडक्रॉस स्वतंत्र है और अपने सिद्धांतों के अनुसार कार्य करता है।
5. **स्वैच्छिक सेवा (Voluntary Service):** यह लाभ की कामना के बिना, स्वेच्छा से राहत प्रदान करने वाला आंदोलन है।
6. **एकता (Unity):** किसी भी देश में केवल एक ही रेडक्रॉस या रेड क्रिसेंट सोसायटी हो सकती है, जो सभी के लिए खुली हो।
7. **सार्वभौमिकता (Universality):** यह एक विश्वव्यापी आंदोलन है जहाँ सभी सोसायटियों को समान दर्जा प्राप्त है और वे एक-दूसरे की मदद करती हैं |

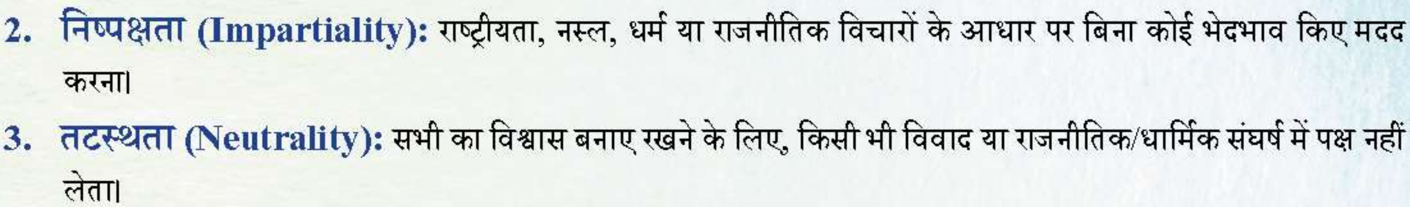

Humanity	Impartiality	Neutrality	Independence	Voluntary Service	Unity	Universality

रेडक्रॉस संस्था के प्रमुख (Mission) उद्देश्य निम्नलिखित हैं:

- युद्ध में सहायता: युद्ध या सशस्त्र संघर्ष के दौरान घायल सैनिकों, युद्ध बंदियों और नागरिकों की चिकित्सा सहायता और सुरक्षा करना।
- आपदा राहत: भूकंप, बाढ़, अकाल और अन्य प्राकृतिक आपदाओं के समय पीड़ितों को तत्काल राहत सामग्री, भोजन और चिकित्सा सहायता पहुंचाना।
- मानवीय स्वास्थ्य सेवा: सामान्य समय में भी स्वास्थ्य और देखभाल, प्राथमिक चिकित्सा (First Aid), रक्तदान शिविरों का आयोजन और मातृ-शिशु कल्याण जैसे कार्यक्रम चलाना।
- स्वैच्छिक सेवा: समाज के कल्याण के लिए स्वयंसेवकों को प्रशिक्षित करना और उन्हें सामुदायिक सेवाओं से जोड़ना।
- शांति को बढ़ावा: मानवता के लिए कार्य करते हुए दुनिया भर में शांतिपूर्ण वातावरण बनाए रखने में योगदान देना।
- अंतरराष्ट्रीय मानवीय कानून: युद्ध के नियमों का पालन सुनिश्चित करना और घायलों के सम्मानजनक उपचार को बढ़ावा देना।

VISION (दर्शन)

भारतीय रेडक्रॉस सोसाइटी के विज़न के प्रमुख पहलू: - मानवता की शक्ति को लामबंद करके भारत और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कमजोर लोगों के जीवन में सुधार करना

- मानवीय सेवा: मानवतावादी गतिविधियों को प्रेरित करना और बढ़ावा देना।
- पीड़ा कम करना: आपदा या आपातकाल के समय कमजोर समुदायों की सहायता करना।
- स्वास्थ्य सुधार: स्वास्थ्य देखभाल और देखभाल सेवाओं को बढ़ावा देना।
- निष्पक्षता: राष्ट्रीयता, जाति, लिंग, धार्मिक विश्वास या राजनीतिक विचारों के बिना सेवा करना।
- शांति और एकता: सभी लोगों के बीच आपसी समझ, मित्रता, सहयोग और स्थायी शांति को बढ़ावा देना।

इंडियन रेडक्रॉस सोसायटी, जिला शाखा सिंगरौली
मानवता की सतत साधना का जीवंत प्रतिरूप

भारतीय रेडक्रॉस सोसाइटी (आईआरसीएस) एक जीवंत, स्वैच्छिक मानवीय संगठन है जिसका पूरे देश में 1200 से अधिक शाखाओं का नेटवर्क है। आईआरसीएस का मिशन आपदाओं और आपात स्थितियों के दौरान राहत पहुंचाना और सबसे कमजोर व्यक्तियों और समुदायों के स्वास्थ्य और देखभाल को बढ़ावा देना है।

इंडियन रेडक्रॉस सोसायटी, जिला शाखा सिंगरौली की स्थापना 23 मई 2014 को भारतीय संसद द्वारा पारित अधिनियम (वर्ष 1920) के अंतर्गत विधिवत संपन्न हुई। यह संस्था रेडक्रॉस के सात मूलभूत सिद्धांतों— मानवता, निष्पक्षता, तटस्थता, स्वतंत्रता, स्वैच्छिक सेवा, एकता तथा सार्वभौमिकता—को आत्मा में धारण करते हुए, अपने आरंभ से ही समाज के वंचित, पीड़ित एवं असहाय वर्गों के जीवन में संवेदना और संबल का संचार करती आ रही है।

राष्ट्रीय स्तर पर भारत के माननीय राष्ट्रपति महोदय सोसायटी के अध्यक्ष के रूप में प्रतिष्ठित होते हैं तथा माननीय केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री चेयरमैन (सभापति) के दायित्व का निर्वहन करते हैं। प्रदेश स्तर पर माननीय राज्यपाल अध्यक्ष पद को अलंकृत करते हैं, वहीं जिला स्तर पर कलेक्टर महोदय अध्यक्ष के रूप में प्रबंधन कार्यकारिणी समिति के साथ मिलकर समस्त सेवा गतिविधियों का सशक्त एवं सुव्यवस्थित संचालन सुनिश्चित करते हैं।

सेवा यात्रा के प्रमुख आयाम

ब्लड सेंटर की स्थापना (31 अक्टूबर 2014)

जिले के समस्त चिकित्सालयों एवं आपातकालीन परिस्थितियों में जीवनरक्षक रक्त की निर्बाध एवं सुलभ उपलब्धता सुनिश्चित करने के पवित्र उद्देश्य से ब्लड सेंटर की स्थापना की गई। यह केंद्र आज भी निस्वार्थ सेवा भाव के साथ अनवरत रूप से संचालित हो रहा है, जो असंख्य जीवनों के संरक्षण का आधार बना हुआ है।

बालिका खुला आश्रय गृह (11 जुलाई 2016)

समाज की उपेक्षित एवं संकटग्रस्त बालिकाओं को संरक्षण, सुरक्षा एवं आत्मनिर्भरता की दिशा प्रदान करने हेतु एक सुरक्षित आश्रय स्थल का सृजन किया गया। यह पहल उन्हें सामाजिक मुख्यधारा से पुनः जोड़ने की दिशा में एक सशक्त और संवेदनशील प्रयास के रूप में स्थापित हुई है।

जिला दिव्यांग पुनर्वास केंद्र (DDRC) (7 जनवरी 2021)

दिव्यांगजनों के सर्वांगीण पुनर्वास एवं आवश्यक सुविधाओं की समुचित व्यवस्था हेतु, जिला प्रशासन के सहयोग से एक समर्पित केंद्र की स्थापना की गई। वैश्विक महामारी कोविड-19 के कारण प्रारंभ में कुछ विलंब अवश्य हुआ, तथापि 7 जनवरी 2021 से यह केंद्र पूर्ण दक्षता एवं संवेदनशीलता के साथ सतत क्रियाशील है।

प्राथमिक उपचार प्रशिक्षण (8 मई 2019)

आपातकालीन स्वास्थ्य सेवाओं को अधिक सुदृढ़ एवं प्रभावी बनाने के उद्देश्य से सामुदायिक स्तर पर प्राथमिक उपचार प्रशिक्षण का शुभारंभ किया गया। यह प्रशिक्षण जनसामान्य को संकट की घड़ी में त्वरित एवं सक्षम सहायता प्रदान करने के लिए समर्थ बनाता है।

प्रधानमंत्री जन औषधि केंद्र (17 सितम्बर 2024)

सर्वसुलभ एवं गुणवत्तापूर्ण औषधियों की उपलब्धता सुनिश्चित करने के उदात्त उद्देश्य से इस केंद्र की स्थापना की गई, जिससे समाज के प्रत्येक वर्ग तक स्वास्थ्य सेवाओं की पहुँच को और अधिक विस्तृत एवं सुदृढ़ किया जा सके।

भारतीय रेडक्रॉस सोसाइटी के सदस्यता ग्रहण किये जाने का शुल्क विवरण

इंडियन रेडक्रॉस सोसाइटी (IRCS) की सदस्यता के माध्यम से आप आपदा राहत, रक्तदान और स्वास्थ्य सेवाओं जैसी मानवीय गतिविधियों में योगदान दे सकते हैं। सदस्यता जिला या राज्य शाखाओं के माध्यम से ली जा सकती है | सोसाइटी द्वारा विभिन्न श्रेणियों में सदस्यता प्रदान करती है, जिसके लिए सदस्यता शुल्क (Membership Fee) निर्धारित है जिसका विवरण निम्नानुसार है:-

क्र.	सदस्यता का विवरण	शुल्क
1	संरक्षक (Patron)	रू. 25,000 (एकमुश्त)
2	वाइस संरक्षक (Vice Patron)	रू.12,000 (एकमुश्त)
3	आजीवन सदस्य (Life Member)	रू.1,000 (एकमुश्त)
4	जीवन साथी (Life Associate)	रू.250 (एकमुश्त)
5	वार्षिक सदस्य (Annual Member)	रू.100 प्रति वर्ष
6	वार्षिक सहयोगी (Annual Associate)	रू.50 प्रति वर्ष
7	संस्थागत सदस्य (Institutional Member):	रू.5,000 प्रति वर्ष

1. सदस्यता

इंडियन रेडक्रॉस सोसाइटी, जिला सिंगरौली की सदस्यता संरचना के अंतर्गत वर्तमान में कुल 719 सदस्य पंजीकृत हैं, जिनमें 703 आजीवन सदस्य एवं 16 पैट्रन सदस्य शामिल हैं, जो सोसाइटी की गतिविधियों में सक्रिय सहभागिता प्रदान कर रहे हैं।

क्र.	सदस्यता का प्रकार	सदस्य संख्या
1.	पैट्रन /संरक्षक सदस्य	16
2.	आजीवन सदस्य	703
	कुल सदस्य संख्या (स्थापना दिनांक से लेकर माह मार्च 2026 तक)	719

रेडक्रॉस सोसाइटी के पैट्रन मेम्बेर्स के सूची

क्र.	सदस्यों का नाम	सदस्यता
1	श्री रमाकांत तिवारी	पैट्रन मेम्बर
2	डॉ आर.डी.द्विवेदी	पैट्रन मेम्बर
3	श्री संजय प्रताप सिंह	पैट्रन मेम्बर
4	श्री मनोज प्रताप सिंह	पैट्रन मेम्बर
5	श्री अलोक कुमार अग्रवाल	पैट्रन मेम्बर
6	श्री राम पाठक	पैट्रन मेम्बर
7	श्री नागेन्द्र बहादुर सिंह	पैट्रन मेम्बर
8	डॉ डी.के.मिश्रा	पैट्रन मेम्बर
9	श्री प्रवीण शंकर प्रसाद	पैट्रन मेम्बर

10	श्री ताला गोपीचंद सागर	पैट्रन मेम्बर
11	श्री असीम कुमार डे	पैट्रन मेम्बर
12	श्री चंदना डे	पैट्रन मेम्बर
13	श्री राजीव गोयल	पैट्रन मेम्बर
14	श्री जीवेन्द्र सिंह चंदेल	पैट्रन मेम्बर
15	श्री एस.डी.सिंह	पैट्रन मेम्बर
16	डॉ ओ.पी.राय	पैट्रन मेम्बर

2. प्रबंध समिति

सेवाए समर्पण एवं नेतृत्व का सशक्त प्रतीक-

इंडियन रेडक्रॉस सोसायटी, जिला शाखा सिंगरौली की निरंतर प्रगति एवं सुदृढ़ता के आधार स्तंभ के रूप में इसकी प्रबंध समिति एक सशक्त, संवेदनशील एवं दूरदर्शी संरचना के रूप में प्रतिष्ठित है। यह समिति जिले के प्रतिष्ठित व्यक्तित्वों, समाजसेवियों तथा विविध क्षेत्रों के अनुभवी एवं समर्पित जनप्रतिनिधियों से सुसज्जित है, जिनकी निष्ठा एवं प्रतिबद्धता संस्था के उद्देश्यों को सार्थकता प्रदान करती है। प्रबंध समिति के सदस्यों द्वारा अपना अमूल्य समय-संपदा, ऊर्जा, अनुभव एवं बौद्धिक क्षमता का निःस्वार्थ समर्पण करते हुए संस्था की आधारशिला को निरंतर सुदृढ़ किया गया है। इनका योगदान केवल प्रशासनिक दायित्वों तक सीमित न होकर, मानवीय मूल्यों के संवर्धन एवं सेवा-संस्कृति के प्रसार में भी महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

यह समिति मात्र एक संगठनात्मक इकाई नहीं, अपितु एक जीवंत मानवीय चेतना का प्रतीक है, जिसने रेडक्रॉस के आदर्शों को जन-जन तक पहुँचाने का सतत एवं प्रभावी प्रयास किया है। इनके सामूहिक प्रयासों से संस्था ने समाज में संवेदना, करुणा एवं सहयोग की भावना को सुदृढ़ करते हुए एक प्रेरणास्रोत के रूप में अपनी विशिष्ट पहचान स्थापित की है।

समिति के सदस्य मार्गदर्शक दीपस्तंभ के समान हैं, जिनकी सतत सक्रियता, दूरदर्शिता एवं समर्पित नेतृत्व ने रेडक्रॉस सिंगरौली को जनसेवा, उत्कृष्टता एवं सामाजिक उत्तरदायित्व की नई ऊँचाइयों तक अग्रसर किया है। इनका योगदान सेवा-यात्रा में अनुशासन, पारदर्शिता, उत्तरदायित्व, सामुदायिक सहभागिता एवं सुसंगठित प्रबंधन का एक उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत करता है।

रेडक्रॉस सोसाइटी प्रबन्ध कार्यकारिणी समिति की बैठक

रेडक्रॉस सोसाइटी सिंगरौली के वर्तमान कार्यकारिणी प्रबंध समिति सदस्यों की सूची

क्र.	सदस्यों के नाम	पद / सदस्य
1	श्री गौरव बैनल (कलेक्टर)	अध्यक्ष
2	श्री मनोज प्रताप सिंह	उपाध्यक्ष
3	श्री एस डी सिंह	चेयरमैन
4	श्री गोविन्द प्रसाद पाण्डेय	वाईस चेयरमैन
5	डॉ ओ पी राय	सचिव
6	श्री ओ पी एन सिन्हा	कोषाध्यक्ष
7	डॉ डी.के.मिश्रा	सदस्य
8	डॉ आर डी द्विवेदी	सदस्य
9	श्री संजय प्रताप सिंह	सदस्य
10	श्री जी.पी. सिंह	सदस्य
11	श्री भूपेंद्र गर्ग	सदस्य
12	श्री सुरेश गिरी	सदस्य
13	डॉ ऑर डी पांडेय	सदस्य
14	श्री सत्य प्रकाश सिंह	सदस्य
15	श्री जितेंद्र सिंह	सदस्य
16	श्री राजाराम केसरी	सदस्य
17	श्री अभिलाष जैन	सदस्य
18	श्री विवेक कुमार त्रिपाठी	सदस्य
19	श्री सोमदेव सिंह ब्रह्म	सदस्य
20	श्रीमती बबिता जैन	सदस्य
21	श्रीमती मनोरमा शाहवाल	सदस्य
22	श्री ललित श्रीवास्तव	सदस्य
23	श्री राजेश प्रताप सिंह	सदस्य

पदेन सदस्य

क्र.	सदस्यों के नाम	पदेन
1.	मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जिला पंचायत, सिंगरौली	पदेन
2	मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, जिला सिंगरौली	पदेन
3	उपसंचालक, सामाजिक न्याय विभाग	पदेन
4	जिला शिक्षा अधिकारी	पदेन

5	महिला एवं बाल विकास अधिकारी	पदेन
6	अध्यक्ष बाल कल्याण समिति	पदेन

विभिन्न उप समितियाँ

क्र. सं.	विभिन्न उप-समितियों के नाम	उप-समिति के कन्वेनर का नाम
1	हेल्थ कमेटी	डॉ आर.डी.पाण्डेय
2	ब्लड सेंटर कमेटी	डॉ आर.डी.द्विवेदी
3.	खुला आश्रय गृह कमेटी	श्री एम.पी. सिंह
4.	डी.डी.आर.सी.कमेटी	श्री संजय प्रताप सिंह
5.	फाइनेन्स / परचेज कमेटी	श्री ओ.पी.एन.सिन्हा, कोषाध्यक्ष
6	मेम्बरशिप कमेटी	डॉ ओ.पी.राय, सचिव
7.	यूथ एवं जूनियर रेडक्रास कमेटी	श्री सत्य प्रकाश सिंह
8	स्टाफ कमेटी	डॉ ओ.पी.राय, सचिव
9	डिजास्टर मैनेजमेंट कमेटी	श्री गोविन्द प्रसाद पाण्डेय
10	विधिक सहायता कमेटी	श्री जी.पी.सिंह
11	आई.टी.सेल कमेटी	श्री सत्य प्रकाश सिंह

रेडक्रॉस सोसायटी के चार आधार स्तंभ - सेवा के व्यापक आयाम

1. मानव संसाधन संवर्धन (Human Resource Development): यह आयाम संस्था से संबद्ध स्वयंसेवकों, कर्मचारियों एवं सामाजिक सहभागियों के कौशल, प्रशिक्षण एवं क्षमता-विकास पर केंद्रित है। इसके माध्यम से उन्हें अधिक दक्ष, संवेदनशील एवं प्रभावी बनाते हुए रेडक्रॉस की सेवा-भावना को सुदृढ़ किया जाता है।

2. कार्यक्रम संचालन (Program Implementation): रेडक्रॉस द्वारा संचालित विविध सेवा उपक्रम—जैसे रक्तदान, प्राथमिक चिकित्सा, आपदा राहत एवं स्वास्थ्य सेवाएँ—इस आयाम के अंतर्गत व्यवस्थित रूप से संचालित किए जाते हैं। योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु सुविचारित रणनीतियों का निर्धारण एवं उनका अनुशासित पालन सुनिश्चित किया जाता है।

3. वित्तीय प्रबंधन (Financial Management): संस्था की आय-व्यय प्रणाली, अनुदान, संसाधनों का समुचित आवंटन एवं पारदर्शिता का निर्वहन इस खंड के अंतर्गत किया जाता है। वित्तीय अनुशासन, उत्तरदायित्व एवं संसाधनों के विवेकपूर्ण उपयोग के माध्यम से संस्था का स्थायित्व एवं विश्वसनीयता सुनिश्चित होती है।

4. प्रशासनिक प्रबंधन (Administrative Management): संस्था के सुचारु संचालन हेतु अभिलेखीकरण, बैठक-संचालन, निर्णय-निर्माण प्रक्रिया तथा नियमों के अनुपालन से संबंधित समस्त प्रशासनिक कार्य इस आयाम के अंतर्गत संपादित होते हैं। यह खंड संस्था की कार्यप्रणाली को सुव्यवस्थित, अनुशासित एवं प्रभावकारी बनाए रखने का आधार स्तंभ है।

केन्द्रीय कार्यालय की स्थापना से सुदृढ़ हुआ प्रशासकीय प्रबंधनः इंडियन रेडक्रॉस सोसायटी, जिला शाखा सिंगरौली

इंडियन रेडक्रॉस सोसायटी, जिला शाखा सिंगरौली द्वारा संस्थागत कार्यों के प्रभावी, पारदर्शी एवं सुव्यवस्थित संचालन के उद्देश्य से दिनांक 14 मई 2019 को केन्द्रीय कार्यालय की स्थापना की गई। इस कार्यालय की स्थापना संस्था के प्रशासनिक ढांचे को सुदृढ करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण एवं दूरदर्शी पहल सिद्ध हुई है। केन्द्रीय कार्यालय के संचालन में आने के पश्चात संस्था की समस्त गतिविधियों, योजनाओं एवं इकाइयों के कार्यों में उल्लेखनीय सुधार एवं समन्वय देखने को मिला है।

पूर्व में विभिन्न इकाइयों एवं शाखाओं के कार्य अलग-अलग स्तरों पर संचालित होते थे, जिससे समन्वय एवं निगरानी में कुछ चुनौतियाँ उत्पन्न होती थीं। किन्तु केन्द्रीय कार्यालय की स्थापना के पश्चात सभी कार्यों को एकीकृत एवं व्यवस्थित रूप से संचालित किया जाने लगा है। इसके माध्यम से संस्था की समस्त इकाइयों, शाखाओं एवं विभिन्न सेवामूलक गतिविधियों का प्रभावी संचालन, नियंत्रण एवं समय-समय पर समीक्षा सुनिश्चित की जा रही है। परिणामस्वरूप संस्था की कार्यप्रणाली अधिक सुदृढ, संगठित एवं परिणामोन्मुख बनी है।

केन्द्रीय कार्यालय, संस्था की प्रशासनिक धुरी के रूप में कार्य करते हुए सभी इकाइयों के कार्यालयीन कार्यों का समग्र संचालन करता है। संस्था द्वारा जारी किए जाने वाले सभी महत्वपूर्ण निर्देश, दिशा-निर्देश, सूचनाएं एवं परिपत्र (सर्कुलर) इसी कार्यालय के माध्यम से सभी संबंधित इकाइयों एवं विभागों तक पहुंचाए जाते हैं। इससे सूचना का प्रवाह तीव्र, स्पष्ट एवं एकरूप बना रहता है, जिससे कार्यों में पारदर्शिता एवं जवाबदेही सुनिश्चित होती है।

इसके अतिरिक्त, किसी भी विभाग में आवश्यक पत्राचार, सेवायुक्तों एवं कर्मचारियों के लिए दिशा-निर्देश जारी करना, वेतन संबंधी अभिलेखों का संधारण, विभिन्न प्रशासनिक फाइलों का रख-रखाव एवं अन्य आवश्यक कार्यालयीन प्रक्रियाएं केन्द्रीय कार्यालय द्वारा सुव्यवस्थित ढंग से संपादित की जाती हैं। यह कार्यालय संस्था के लिए एक नियंत्रण एवं समन्वय केंद्र के रूप में कार्य करता है, जो सभी गतिविधियों को एक सूत्र में बांधकर उनके प्रभावी क्रियान्वयन को सुनिश्चित करता है।

केन्द्रीय कार्यालय की सक्रिय भूमिका के कारण संस्था न केवल अपनी नियमित गतिविधियों का सफल संचालन कर पा रही है, बल्कि समय-समय पर आयोजित विभिन्न सामाजिक एवं मानवीय सेवा कार्यक्रमों—जैसे रक्तदान, स्वास्थ्य शिविर, प्राथमिक उपचार प्रशिक्षण, आपदा राहत एवं अन्य जनकल्याणकारी कार्यों—में भी उल्लेखनीय सफलता प्राप्त कर रही है।

अंततः यह कहा जा सकता है कि केन्द्रीय कार्यालय की स्थापना ने इंडियन रेडक्रॉस सोसायटी, सिंगरौली की प्रशासनिक क्षमता को नई दिशा एवं मजबूती प्रदान की है। यह कार्यालय संस्था के समग्र विकास, सुचारू संचालन एवं सेवा कार्यों के विस्तार में एक महत्वपूर्ण स्तंभ के रूप में निरंतर कार्यरत है, जो भविष्य में भी संस्था को और अधिक प्रभावी एवं सक्षम बनाने में सहायक सिद्ध होगा।

रेडक्रॉस ब्लड सेंटर, जिला सिंगरौली
जीवनरक्षा की सतत, समर्पित एवं वैज्ञानिक सेवा प्रणाली

इंडियन रेडक्रॉस सोसायटी, जिला शाखा सिंगरौली द्वारा संचालित रेडक्रॉस ब्लड सेंटर, दिनांक 31 अक्टूबर 2014 से जिले में निरंतर, सफल एवं प्रभावी रूप से कार्यरत है। यह केंद्र जिले की प्रमुख एन.टी.पी.सी. विन्ध्याचल, सिंगरौली, रिहंद के सहयोग से, उनके द्वारा उपलब्ध कराए गए अधोसंरचना एवं अत्याधुनिक उपकरणों के माध्यम से संचालित हो रहा है।

यह ब्लड सेंटर एन.टी.पी.सी लिमिटेड के चिकित्सालयों, जिला चिकित्सालय, शासकीय एवं निजी चिकित्सालयों, नर्सिंग होम्स तथा समीपवर्ती क्षेत्रों की स्वास्थ्य संस्थाओं हेतु जीवनरक्षक रक्त एवं रक्त अवयवों की सतत, सुलभ एवं विश्वसनीय आपूर्ति सुनिश्चित करता है। यह केंद्र 24×7 सक्रिय रहकर प्रत्येक जरूरतमंद मरीज को समयबद्ध एवं सुरक्षित रक्त सेवा प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है।

रेडक्रॉस ब्लड सेंटर में ब्लड कंपोनेंट सेपरेशन यूनिट का शुभारंभ

इंडियन रेडक्रॉस सोसायटी सिंगरौली द्वारा संचालित रेडक्रॉस ब्लड सेंटर में 09 जून 2025 से ब्लड कंपोनेंट सेपरेशन यूनिट संचालित हो रहा है। इस अत्याधुनिक सुविधा के शुरू होने से अब जिले के मरीजों को उनकी आवश्यकता के अनुरूप संपूर्ण रक्त के स्थान पर विशेष ब्लड कंपोनेंट – जैसे रेड ब्लड सेल, प्लेटलेट, प्लाज्मा आदि उपलब्ध कराए जा रहे हैं, जिससे उपचार अधिक प्रभावी, सुरक्षित हो गया है। इस तकनीक के माध्यम से एक ही रक्तदाता का रक्त तीन अलग-अलग मरीजों की जान बचाने में सहायक बन जाता है।

अब तक जिले में अधिकांश मामलों में होल ब्लड का उपयोग किया जाता था, जबकि वास्तव में मरीज को उसकी बीमारी के अनुसार केवल एक विशेष घटक की ही आवश्यकता होती थी। कंपोनेंट सेपरेशन यूनिट के शुरू होने से मरीज को सिर्फ वही कंपोनेंट मिलता है जिसकी उसे आवश्यकता है, जिससे अनावश्यक दुष्प्रभाव कम होते हैं।

रक्त का अधिकतम उपयोग संभव हो पाता है – एक यूनिट रक्त से तीन मरीज लाभान्वित।

ब्लड सेंटर कार्य प्रणाली का संक्षिप्त विवरण –

1. **रक्तदाता का पंजीकरण / डोनर काउंसलिंग** - ब्लड सेंटर में रक्तदान की प्रक्रिया सुव्यवस्थित एवं निर्धारित मानकों के अनुसार संपादित की जाती है। सर्वप्रथम रक्तदाता का पंजीकरण एवं डोनर काउंसलिंग की जाती है, जिसके अंतर्गत रक्तदाता से सहमति (डोनर कंसेंट) प्राप्त कर उनका नाम, आयु, पता, मोबाइल नंबर तथा अन्य आवश्यक विवरण संकलित किया जाता है एवं निर्धारित डोनर कंसेंट फॉर्म भरवाया जाता है।

   तत्पश्चात ब्लड सेंटर के चिकित्सक, तकनीशियन एवं स्टाफ नर्स द्वारा रक्तदाता का स्वास्थ्य परीक्षण किया जाता है, जिसमें सीबीसी मशीन के माध्यम से रक्त की जांच, रक्तचाप (ब्लड प्रेशर), नाड़ी (पल्स) एवं शरीर का तापमान (टेंपरेचर) की जांच सम्मिलित होती है। सभी परीक्षणों में निर्धारित मानकों के अनुरूप योग्य पाए जाने के उपरांत ही रक्तदाता को सुरक्षित रूप से रक्तदान करने की अनुमति प्रदान की जाती है।

2. **ब्लड कलेक्शन (रक्त संग्रहण)** - ब्लड सेंटर में रक्त संग्रहण की प्रक्रिया निर्धारित मानकों एवं सुरक्षा दिशा-निर्देशों के अनुरूप संपादित की जाती है। रक्तदाता के शारीरिक वजन एवं स्वास्थ्य मानकों के अनुसार ब्लड बैग (डिस्पोजेबल किट) में रक्त संग्रह किया जाता है। सामान्यतः रक्तदाता से 350 ml अथवा 450 ml रक्त संग्रहित किया जाता है।

   रक्तदान की प्रक्रिया पूर्ण होने के पश्चात ब्लड सेंटर द्वारा रक्तदाता को आवश्यक रिफ्रेशमेंट प्रदान किया जाता है तथा उन्हें कुछ समय विश्राम करने हेतु परामर्श दिया जाता है, जिससे रक्तदाता का स्वास्थ्य सुरक्षित एवं सामान्य बना रहे।

3. **रक्त परीक्षण(Blood Testing) :-** रक्तदान की प्रक्रिया पूर्ण होने के पश्चात संग्रहित रक्त का आवश्यक जाँच निर्धारित राष्ट्रीय मानकों एवं गुणवत्ता नियंत्रण दिशानिर्देशों के अनुसार किया जाता है। इन परीक्षणों का संचालन आधुनिक एलाईजा फोर्थ जनरेशन (ELISA 4th Generation) पद्धति से किया जाता है, जिससे रक्त की सुरक्षा एवं गुणवत्ता सुनिश्चित की जा सके। परीक्षण का विवरण निम्नानुसार है –

   a) **एच.आई.वी. (HIV) परीक्षण :-** इस परीक्षण के माध्यम से ह्यूमन इम्यूनो डिफिशिएंसी वायरस (HIV) संक्रमण की जांच 4th जेनरेशन एलिसा मेथर्ड से की जाती है, जिससे सुरक्षित रक्त उपलब्ध कराया जा सके।

   b) **हेपेटाइटिस बी एवं सी (Hepatitis B & C) परीक्षण :-** इस परीक्षण के द्वारा रक्त में हेपेटाइटिस बी एवं हेपेटाइटिस सी वायरस की उपस्थिति का पता लगाया जाता है, जो यकृत (लिवर) को प्रभावित करने वाले गंभीर संक्रमण हैं।

   c) **वी.डी.आर.एल. (VDRL) परीक्षण :-** इस परीक्षण द्वारा सिफिलिस (Syphilis) नामक संक्रमण की जांच की जाती है, जिससे संक्रमण मुक्त रक्त सुनिश्चित किया जा सके।

   d) **मलेरिया परीक्षण :-** इस जांच के माध्यम से रक्त में मलेरिया परजीवी की उपस्थिति का परीक्षण किया जाता है, जिससे मलेरिया संक्रमण के प्रसार को रोका जा सके।

   e) **ब्लड ग्रुपिंग (Blood Grouping) :-** इस प्रक्रिया में रक्तदाता के रक्त समूह (ABO एवं Rh फैक्टर) का निर्धारण किया जाता है, जिससे आवश्यकता अनुसार सही रक्त समूह का सुरक्षित रूप से उपयोग किया जा सके।

उपरोक्त सभी परीक्षणों में रक्त सुरक्षित एवं मानकों के अनुरूप पाए जाने के पश्चात ही उसे उपयोग हेतु स्वीकृत किया जाता है।

4. **कॉम्पोनेन्ट सेपरेशन (रक्त घटकों का पृथक्करण)** - ब्लड सेंटर में संग्रहित संपूर्ण रक्त (Whole Blood) का वैज्ञानिक पद्धति से पृथक्करण कर विभिन्न रक्त अवयव (Blood Components) तैयार किए जाते हैं। इस प्रक्रिया को कंपोनेंट सेपरेशन कहा जाता है। एक यूनिट संपूर्ण रक्त से सामान्यतः चार प्रकार के रक्त अवयव तैयार किए जाते हैं, जिससे आवश्यकता अनुसार विभिन्न रोगियों को उपयुक्त रक्त अवयव उपलब्ध कराया जा सके। इसका विवरण निम्नानुसार है –

    a) **पैक्ड रेड ब्लड सेल्स (PRBC) :-** इस अवयव में लाल रक्त कणिकाएँ (Red Blood Cells) संकेन्द्रित रूप में उपलब्ध रहती हैं। इसका उपयोग मुख्यतः रक्त की कमी (एनीमिया), शल्य क्रिया, दुर्घटना अथवा अत्यधिक रक्तस्राव की स्थिति में किया जाता है।

    b) **प्लेटलेट कंसंट्रेट / रेंडम डोनर प्लेटलेट (Platelet Concentrate / Random Donor Platelet) :-** इस अवयव में रक्त के प्लेटलेट्स संकेन्द्रित रूप में उपलब्ध रहते हैं। इसका उपयोग प्लेटलेट्स की कमी, डेंगू, कैंसर उपचार एवं अन्य गंभीर बीमारियों में किया जाता है, जहाँ रक्त का थक्का बनने की क्षमता प्रभावित होती है।

    c) **फ्रेश फ्रोजन प्लाजमा (Fresh Frozen Plasma – FFP) :-** इसमें रक्त का तरल भाग (प्लाजमा) होता है, जिसमें आवश्यक क्लॉटिंग फैक्टर्स एवं प्रोटीन मौजूद रहते हैं। इसका उपयोग रक्तस्राव संबंधी विकारों, लिवर रोग एवं अन्य चिकित्सीय स्थितियों में किया जाता है।

    d) **क्रायोप्रेसिपिटेट (Cryoprecipitate) :-** यह प्लाजमा से प्राप्त विशेष अवयव होता है, जिसमें फाइब्रिनोजन एवं अन्य क्लॉटिंग फैक्टर्स उच्च मात्रा में उपस्थित रहते हैं। इसका उपयोग रक्त के थक्का बनने से संबंधित विकारों के उपचार में किया जाता है।

    इस प्रकार कंपोनेंट सेपरेशन की प्रक्रिया के माध्यम से एक यूनिट संपूर्ण रक्त से अनेक रोगियों को आवश्यकता अनुसार जीवनरक्षक रक्त अवयव उपलब्ध कराए जाते हैं, जिससे रक्त का अधिकतम एवं प्रभावी उपयोग सुनिश्चित होता है।

5. **भण्डारण (स्टोरेज)-** ब्लड सेंटर में तैयार किए गए विभिन्न रक्त अवयवों का भंडारण निर्धारित तापमान एवं मानकों के अनुसार किया जाता है, जिससे उनकी गुणवत्ता, प्रभावशीलता एवं सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। रक्त अवयवों के भंडारण का विवरण निम्नानुसार है –

    a) **पैक्ड रेड ब्लड सेल्स (PRBC) :-** पी.आर.बी.सी. को 2 डिग्री सेंटीग्रेड से 6 डिग्री सेंटीग्रेड तापमान पर ब्लड सेंटर रेफ्रिजरेटर में सुरक्षित रूप से रखा जाता है। निर्धारित मानकों के अनुसार इसे अधिकतम 42 दिनों तक भंडारित किया जा सकता है।

    b) **प्लेटलेट (Platelet Concentrate) :-** प्लेटलेट्स को 20 डिग्री सेंटीग्रेड से 24 डिग्री सेंटीग्रेड तापमान पर विशेष प्लेटलेट एजीटेटर में सतत गति (Agitator) के साथ सुरक्षित रखा जाता है। इसे निर्धारित मानकों के अनुसार अधिकतम 5 दिनों तक भंडारित किया जा सकता है।

    c) **फ्रेश फ्रोजन प्लाजमा (Fresh Frozen Plasma – FFP) :-** एफ.एफ.पी. को माइनस 40 डिग्री सेंटीग्रेड से माइनस 80 डिग्री सेंटीग्रेड तापमान पर डीप फ्रीजर में सुरक्षित रखा जाता है। इस अवयव को निर्धारित मानकों के अनुसार अधिकतम 365 दिनों तक भंडारित किया जा सकता है।

    d) **क्रायोप्रेसिपिटेट (Cryoprecipitate) :-** क्रायोप्रेसिपिटेट को भी माइनस 40 डिग्री सेंटीग्रेड से माइनस 80 डिग्री

सेंटीग्रेड तापमान पर डीप फ्रीजर में सुरक्षित रखा जाता है। इसे निर्धारित मानकों के अनुसार अधिकतम 365 दिनों तक भंडारित किया जा सकता है।

उपरोक्त सभी रक्त अवयवों का भंडारण गुणवत्ता मानकों के अनुरूप किया जाता है, जिससे आवश्यकता पड़ने पर रोगियों को सुरक्षित एवं प्रभावी रक्त अवयव उपलब्ध कराए जा सकें।

6. **ब्लड इशू (रक्त निर्गमन):-** ब्लड सेंटर में रक्त एवं रक्त अवयवों का निर्गमन (Issue) एवं वितरण निर्धारित मानकों, सुरक्षा प्रोटोकॉल एवं चिकित्सीय आवश्यकता के अनुरूप किया जाता है। इसकी प्रक्रिया निम्नानुसार है –

   a) **ब्लड रिक्विजिशन एवं परीक्षण प्रक्रिया :-** जिले में संचालित विभिन्न चिकित्सालयों एवं नर्सिंग होम के चिकित्सकों द्वारा प्रेषित ब्लड रिक्विजिशन फॉर्म प्राप्त किया जाता है। उक्त फॉर्म के साथ मरीज का रक्त नमूना (ब्लड सैंपल) भी भेजा जाता है। ब्लड सेंटर द्वारा मरीज का नाम, पंजीयन क्रमांक एवं अन्य विवरणों का सावधानीपूर्वक मिलान किया जाता है। इसके पश्चात मरीज की चिकित्सीय आवश्यकता के अनुसार उपयुक्त रक्त अथवा रक्त अवयव का परीक्षण एवं चयन किया जाता है।

   b) **ब्लड क्रॉस मैचिंग (Cross Matching) :-** मरीज के रक्त नमूने एवं उपलब्ध रक्त अवयव के मध्य संगतता सुनिश्चित करने हेतु क्रॉस मैचिंग की प्रक्रिया की जाती है। यह परीक्षण जेल कार्ड विधि एवं उच्च तकनीकी, अत्यधिक संवेदनशील एवं गुणवत्ता युक्त उपकरणों के माध्यम से किया जाता है। इस प्रक्रिया में रक्त समूह की पुष्टि (Grouping) एवं क्रॉस मैचिंग का विस्तृत परीक्षण किया जाता है, जिसमें सामान्यतः लगभग एक घंटे का समय लगता है।

उक्त संपूर्ण प्रक्रिया पूर्ण होने के पश्चात ही यदि रक्त अवयव संगत (Compatible) पाया जाता है, तभी उसे निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार सुरक्षित रूप से निर्गत (Issue) किया जाता है, जिससे मरीज को सुरक्षित एवं प्रभावी उपचार उपलब्ध कराया जा सके |

7. **गुणवत्ता नियंत्रण, अभिलेख संधारण एवं जनजागरूकता गतिविधियाँ :-** ब्लड सेंटर में गुणवत्ता मानकों का पालन, अभिलेखों का सुव्यवस्थित संधारण तथा स्वैच्छिक रक्तदान को प्रोत्साहित करने हेतु विभिन्न गतिविधियाँ नियमित रूप से संचालित की जाती हैं। इनका विवरण निम्नानुसार है –

   a) **गुणवत्ता नियंत्रण:-** रेडक्रॉस ब्लड सेंटर द्वारा रक्त एवं रक्त अवयवों की जांच की गुणवत्ता सुनिश्चित करने हेतु विभिन्न राष्ट्रीय स्तर के गुणवत्ता नियंत्रण कार्यक्रमों में सक्रिय रूप से सहभागिता की जा रही है। लगभग 1½ वर्ष पूर्व रेडक्रॉस ब्लड सेंटर, मुंबई द्वारा देश के समस्त रेडक्रॉस ब्लड सेंटरों को गुणवत्ता नियंत्रण कार्यक्रम में भाग लेने हेतु सूचित किया गया था। उक्त कार्यक्रम में रेडक्रॉस ब्लड सेंटर, सिंगरौली प्रारंभ से ही नियमित रूप से सहभागिता कर रहा है।

   इस कार्यक्रम के अंतर्गत प्रत्येक चार माह के अंतराल पर रेडक्रॉस ब्लड सेंटर, मुंबई से लगभग 20 रक्त नमूने परीक्षण हेतु प्रेषित किए जाते हैं। प्राप्त नमूनों का ब्लड सेंटर में उपलबध सभी निर्धारित जांच प्रक्रियाओं के अनुसार परीक्षण किया जाता है तथा परीक्षण रिपोर्ट तैयार कर ऑनलाइन माध्यम से मुंबई प्रेषित की जाती है। इसके उपरांत संबंधित संस्थान द्वारा गुणवत्ता मूल्यांकन रिपोर्ट उपलब्ध कराई जाती है। यह उल्लेखनीय है कि रेडक्रॉस ब्लड सेंटर, सिंगरौली को प्रारंभ से लेकर वर्तमान तक प्रत्येक बार उत्कृष्ट (Excellent) गुणवत्ता मूल्यांकन रिपोर्ट प्राप्त हुई है।

   इसके अतिरिक्त, ब्लड सेंटर की स्थापना से ही एचआईवी/एड्स जांच से संबंधित गुणवत्ता नियंत्रण कार्यक्रम में भी संस्थान भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (ICMR), जबलपुर के साथ नियमित रूप से सहभागिता कर रहा है। इस कार्यक्रम के अंतर्गत भी ब्लड सेंटर द्वारा किए गए परीक्षणों की गुणवत्ता उच्च स्तर की पाई गई है तथा अब तक किसी भी जांच रिपोर्ट

में त्रुटि प्रमाणित नहीं हुई है।

उपरोक्त गुणवत्ता नियंत्रण कार्यक्रमों में निरंतर सहभागिता के माध्यम से रेडक्रॉस ब्लड सेंटर, सिंगरौली द्वारा सुरक्षित, विश्वसनीय एवं उच्च गुणवत्ता युक्त रक्त सेवा प्रदान करने की प्रतिबद्धता सुनिश्चित की जा रही है।

b) **उपकरणों का रखरखाव :-** ब्लड सेंटर में स्थापित सभी उपकरणों की कार्यक्षमता एवं सटीकता बनाए रखने हेतु उनकी नियमित सर्विसिंग एवं कैलिब्रेशन कराया जाता है। इसके लिए संबंधित फर्मों के साथ वार्षिक रखरखाव अनुबंध (Annual Maintenance Contract – AMC) किया जाता है, जिससे सभी मशीनें निर्धारित मानकों के अनुरूप सुचारु एवं गुणवत्तापूर्ण कार्य करती रहें तथा रक्त परीक्षण एवं भंडारण प्रक्रिया में उच्च गुणवत्ता सुनिश्चित की जा सके।

c) **तापमान निगरानी एवं अभिलेख संधारण :-** ब्लड सेंटर में रक्त एवं रक्त अवयवों के सुरक्षित भंडारण हेतु तापमान की सतत निगरानी की जाती है। इसके लिए टेंपरेचर डिस्प्ले एवं स्टॉक से संबंधित सभी विवरण निर्धारित रजिस्टरों में नियमित रूप से संधारित किए जाते हैं। साथ ही इन अभिलेखों का समय-समय पर निरीक्षण एवं ऑडिट भी किया जाता है, जिससे गुणवत्ता मानकों का पालन सुनिश्चित किया जा सके।

d) **रक्तदान शिविर एवं जनजागरूकता अभियान :-** स्वैच्छिक रक्तदान को बढ़ावा देने एवं समाज में जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से समय-समय पर रक्तदान शिविरों का आयोजन किया जाता है। इसके अतिरिक्त जनजागरूकता अभियानों के माध्यम से आमजन, शैक्षणिक संस्थानों, औद्योगिक प्रतिष्ठानों एवं विभिन्न सामाजिक संगठनों को रक्तदान के महत्व से अवगत कराया जाता है तथा उन्हें स्वैच्छिक रक्तदान के लिए प्रेरित किया जाता है।

उपरोक्त सभी गतिविधियों के माध्यम से ब्लड सेंटर द्वारा सुरक्षित, गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध रक्त सेवा उपलब्ध कराने के साथ-साथ समाज में स्वैच्छिक रक्तदान की भावना को प्रोत्साहित किया जाता है।

8) **सिंगल डोनर प्लेटलेट (Single Donor Platelet – SDP) :-** सिंगल डोनर प्लेटलेट (SDP) एक विशेष प्रकार का रक्त अवयव है, जिसे अत्याधुनिक अफेरेसिस (Apheresis) तकनीक के माध्यम से एक ही रक्तदाता से सीधे संग्रहित किया जाता है। यह प्रक्रिया सामान्य रक्तदान से भिन्न होती है तथा विशेष रूप से उन मरीजों के लिए उपयोगी होती है, जिन्हें उच्च गुणवत्ता एवं अधिक मात्रा में प्लेटलेट्स की आवश्यकता होती है।

a) **प्रक्रिया का विवरण :-** सिंगल डोनर प्लेटलेट संग्रहण हेतु स्वस्थ एवं योग्य रक्तदाता का चयन निर्धारित मानकों के अनुसार किया जाता है। इसके पश्चात अफेरेसिस मशीन की सहायता से रक्तदाता के शरीर से रक्त लिया जाता है, जिसमें से केवल प्लेटलेट्स को पृथक कर लिया जाता है तथा शेष रक्त अवयव पुनः रक्तदाता के शरीर में वापस प्रवाहित कर दिए जाते हैं। यह संपूर्ण प्रक्रिया पूर्णतः सुरक्षित होती है तथा सामान्यतः लगभग 60 से 90 मिनट का समय लेती है।

b) **उपयोगिता एवं चिकित्सीय महत्व :-**सिंगल डोनर प्लेटलेट विशेष रूप से उन मरीजों के लिए उपयोगी होती है, जिनमें प्लेटलेट्स की अत्यधिक कमी हो जाती है, जैसे – डेंगू एवं अन्य वायरल संक्रमण, कैंसर उपचार (कीमोथेरेपी / रेडियोथेरेपी),बोन मैरो से संबंधित रोग,गंभीर रक्तस्राव या शल्य चिकित्सा के दौरान, प्लेटलेट विकार से ग्रसित मरीज |

c) **विशेषताएँ एवं लाभ :-** सिंगल डोनर प्लेटलेट में प्लेटलेट्स की मात्रा सामान्य रेंडम डोनर प्लेटलेट की तुलना में अधिक होती है। एक ही रक्तदाता से प्लेटलेट प्राप्त होने के कारण संक्रमण के जोखिम में कमी आती है।मरीज को अपेक्षाकृत कम यूनिट की आवश्यकता होती है, जिससे उपचार अधिक प्रभावी होता है।

d) **सुरक्षा एवं गुणवत्ता नियंत्रण :-** सिंगल डोनर प्लेटलेट संग्रहण से पूर्व रक्तदाता की स्वास्थ्य जांच एवं आवश्यक रक्त परीक्षण निर्धारित मानकों के अनुसार किए जाते हैं। साथ ही प्लेटलेट्स का संग्रहण, परीक्षण एवं भंडारण राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय गुणवत्ता मानकों के अनुरूप किया जाता है, जिससे मरीजों को सुरक्षित एवं प्रभावी उपचार उपलब्ध कराया जा सके।

इस प्रकार सिंगल डोनर प्लेटलेट आधुनिक रक्त सेवा प्रणाली का एक महत्वपूर्ण एवं जीवनरक्षक घटक है, जो गंभीर रोगियों के उपचार में अत्यंत उपयोगी सिद्ध होता है।

एफेरेसिस यूनिट (सिंगल डोनर प्लेटलेट) के स्थापना दिनांक 15 नवम्बर 2022 से माह मार्च 2026 तक कुल 51 यूनिट प्लेटलेटस मरीज को प्रदान किया गया है |आलोच्य अवधि वर्ष 2025-26 में अब तक (माह मार्च 2026) कुल 6 यूनिट प्लेटलेट वितरण किया गया |

9) **ब्लड सेंटर प्रबंधन हेतु सेंट्रलाइज्ड ब्लड बैंक मैनेजमेंट सिस्टम :-** "ब्लड सेंटर के सुचारू, पारदर्शी एवं प्रभावी संचालन हेतु सेंट्रलाइज्ड ब्लड बैंक मैनेजमेंट सिस्टम (सॉफ्टवेयर) लागू किया गया है। इस प्रणाली के माध्यम से 'ई-रक्तकोष' सॉफ्टवेयर में रक्त भंडारण (ब्लड स्टॉक) की स्थिति का नियमित रूप से ऑनलाइन संधारण एवं अद्यतन किया जा रहा है, जिससे रक्त भंडार का प्रबंधन अधिक सुव्यवस्थित एवं पारदर्शी रूप से सुनिश्चित हो रहा है।

उक्त व्यवस्था के अंतर्गत कोई भी सदस्य अथवा आम नागरिक 'ई-रक्तकोष' मोबाइल एप्लीकेशन अथवा पोर्टल के माध्यम से ब्लड सेंटर में उपलब्ध विभिन्न रक्त समूहों एवं उनकी उपलब्ध मात्रा की जानकारी तात्कालिक रूप से प्राप्त कर सकता है, जिससे जरूरतमंद मरीजों को समय पर रक्त उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण सुविधा एवं सहायता प्राप्त हो रही है।"

ब्लड सेंटर की स्थापना (नवंबर 2014) से लेकर अब तक (माह मार्च 2026) कुल 44,561 यूनिट ब्लड कलेक्शन एवं कुल 42,271 यूनिट वितरण किया जा चुका है। आलोच्य अवधि वर्ष 2025-26 में अब तक (माह मार्च 2026) कुल 7134 यूनिट ब्लड कलेक्शन एवं 6858 यूनिट वितरण किया गया तथा इसी अवधि में कुल 35 स्वैच्छिक रक्तदान शिविर आयोजित हुये है जिसमे 1572 यूनिट रक्त का संग्रहण किया गया है | आदर्श स्थित में अधिकतम रक्त स्वेक्षिक रक्तदाताओं से ही संकलित करना अपेक्षित है, अतः ब्लड डोनेशन कैम्पों की संख्या अधिक से अधिक करने का प्रयास नियमित रूप से किया जाता रहा है |

सेवा दर्शन

यह ब्लड सेंटर केवल एक स्वास्थ्य सेवा इकाई नहीं, अपितु मानवता, करुणा एवं जीवन संरक्षण का सजीव केंद्र है, जहाँ प्रत्येक रक्त की बूंद एक जीवन को आशा प्रदान करती है और सेवा का प्रत्येक प्रयास मानवता के उच्चतम आदर्शों को चरितार्थ करता है।

रक्त संग्रहण एवं वितरण का विवरण

S. No.	FINANCIAL YEAR	TOTAL BLOOD COLLECTION	VOLUNTARY BLOOD COLLECTION	FFP Bleed/ Issue	PC Bleed/ Issue	REPLACE-MENT BLOOD COLLEC-TION	TOTAL DISTRI-BUTION	SDP Bleed/ ISSUE	THALES-SEMIA & SICKEL CELL ANEMIA
1	FY 2014-15	343	0	-	-	343	252	0	0
2	FY 2015-16	1097	113	-	-	984	1027	0	0
3	FY 2016-17	1554	200	-	-	1354	1466	0	0
4	FY 2017-18	1843	420	-	-	1423	1750	0	0
5	FY 2018-19	2098	1044	-	-	1054	1994	0	0
6	FY 2019-20	2579	725	-	-	1854	2489	0	0
7	FY 2020-21	3874	643	-	-	3231	3686	0	0
8	FY 2021-22	4849	799	-	-	4050	4633	0	0
9	FY 2022-23	5458	1220	-	-	4238	5216	0	399
10	FY 2023-24	6424	1409	-	-	5015	6116	22	513
11	FY 2024-25	7308	1652	-	-	5656	6784	23	465
12	FY 2025-26	7134	1572	4511/82	1262/534	5562	6858	6	573
Total units		**44,561**	**9,797**	**4511/82**	**1262/534**	**34,764**	**42,271**	**51**	**1,950**

स्वैच्छिक रक्तदान शिविर के माध्यम से रक्त संग्रहण का विवरण

S.No.	DATE	VENUE	NO. OF COLLECTED UNITS
1	04.05.2025	SANT NIRANKARI MANDAL,WAIDHAN	70
2	25.05.2025	BRAHMAN SAMAJ, SINGRAULI	51
3	21.06.2025	M.P. NATURAL RESOURCES PVT.LTD. UJJAINI	15
4	21.06.2025	SBI VINDHYANAGAR	05
5	22.06.2025	MAHAN ENERGEN LIMITED (PROJECT)ADANI BANDHAURA	64
6	23.06.2025	MAHAN ENERGEN LIMITED (PROJECT)ADANI BANDHAURA	101
7	23.06.2025	MEL, ADANI TOWNSHIP WAIDHAN	50
8	24.06.2025	MAHAN ENERGEN LIMITED (PROJECT)ADANI BANDHAURA	95
9	24.06.2025	ADANI MINING LIMITED, SULIYARI	105
10	06.07.2025	RELIANCE SASAN POWER LIMITED	29
11	08.07.2025	RELIANCE COAL MINES MUHER	28

S.No.	DATE	VENUE	NO. OF COLLECTED UNITS
12	01.08.2025	L & T (PRODUCT SUPPORT DIVISION) WAIDHAN	40
13	30.08.2026	IN HOUSE CAMP	17
14	14.08.2025	MAHAN HOSPITAL HINDALCO BARGAWAN	90
15	17.09.2025	DISTRICT HOSPITAL CUM TRAUMA CENTRE WAIDHAN	34
16	18.09.2025	BJP OFFICE, DHONTI, SINGRAULI	75
17	20.09.2025	AMELIA COAL MINING LIMITED(ADITYA BIRLA GROUP)	100
18	24.09.2025	NTPC VINDHYA CHIKITSALAY	29
19	25.09.2025	POWER GRID CORPORATION LTD. NTPC VINDHYACHAL	14
20	28.09.2025	BJP MANDAL SHAKTINAGAR	13
21	30.09.2025	CISF NTPC RIHAND	05
22	30.09.2026	IN HOUSE CAMP	18
23	08.11.2025	SRI SAI MANGLAM COLLEGE, SINGRAULI	47
24	26.11.2025	SINGRAULI AROGYA FOUNDATION , WAIDHAN (SINGRAULI HOSPITAL)	24
25	30.11.2026	IN HOUSE CAMP	12
26	05.12.2025	UNIVERSAL MEP PROJECT AND ENGINEERING SERVICES PVT.LTD. (VOLTAS LIMITED)	27
27	27.12.2025	RELIANCE SASAN POWER LIMITED	48
25	29.12.2025	RELIANCE COAL MINES, MUHER	55
26	03.01.2026	KITES RISE PUBLIC SCHOOL, WAIDHAN	15
28	09.01.2026	L & T GOND DEVSAR PROJECT SARAI	27
29	10.01.2026	SWAMI VIVEKANAND JAYANTI, ATAL SAMUDAYIK BHAWAN, WAIDHAN	102
30	18.01.2026	SHEMFORD SENIOR SECONDARY SCHOOL BARGAWAN	25
31	28.01.2026	NAVODAYA MISSION, VINDHYACHAL	17
32	30.01.2026	IN HOUSE CAMP	12
33	01.03.2026	HOTEL SATYA INTERNATIONAL	25
34	14.03.2026	MAHAN HOSPITAL HINDALCO BARGAWAN	72
35	31.03.2026	IN HOUSE CAMP	16
		TOTAL COLLECTION	**1572 UNITS**

रक्तदान शिविर एक नजर

हिंडाल्को महान बरगवां (महान हॉस्पिटल) के द्वारा स्वैच्छिक रक्तदान शिविर आयोजित कराया गया |

रिलायंस सासन पॉवर एवं कोल माइंस मुहेर के द्वारा स्वैच्छिक रक्तदान शिविर आयोजित किया गया |

अदानी प्रोजेक्ट बंधौरा द्वारा स्वैच्छिक रक्तदान आयोजित किया गया |

रक्तदान शिविर एक नजर

अमिलिया कोल माइनिंग लिमिटेड (ACML) एवं बंधा कोल माइंस डिवीजन (BCMD) के संयुक्त तत्वावधान में रक्तदान शिविर का सफल आयोजन किया गया।

एनटीपीसी विंध्याचल एवं सीआईएसएफ यूनिट के संयुक्त तत्वाधान में रक्तदान शिविर का सफल आयोजन

रक्तदान अमृतदान — दिनांक 03 नवम्बर 2025 को रेडक्रॉस के 11 वर्षों की सेवा यात्रा का गौरवपूर्ण उत्सव

रक्तदान शिविर एक नजर

होटल सत्या इंटरनेशनल बैढन द्वारा रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया

संत निरंकारी मिशन सिंगरौली द्वारा रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया

लायंस क्लब इंटरनेशनल एवं श्री साईं शैल मंगलम कॉलेज मोरवा सिंगरौली द्वारा स्वैच्छिक रक्तदान शिविर आयोजित

रक्तदान शिविर एक नजर

स्वामी विवेकानंद जयन्ती "युवा दिवस" के अवसर पर जिला कलेक्टर एवं पुलिस अधीक्षक द्वारा स्वैच्छिक रक्तदान किया गया

करणी सेना परिवार, सिंगरौली द्वारा रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया

काइट्स राइज पब्लिक स्कूल द्वारा रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया

रक्तदान शिविर एक नजर

स्वामी विवेकानंद जयन्ती "युवा दिवस" के अवसर पर स्वैच्छिक रक्तदान शिविर आयोजित

शेमफोर्ड सीनियर सेकेंडरी स्कूल, बरगवां में स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का सफल आयोजन किया गया

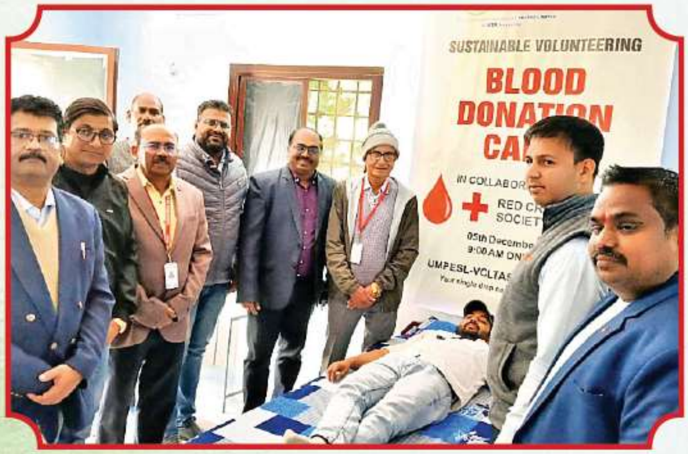

वोल्टास लिमिटेड, निगाही एवं लायंस क्लब सिंगरौली प्राइड के संयुक्त तत्वावधान में रक्तदान शिविर आयोजित

बालिका खुला आश्रय गृह, सिंगरौली
संरक्षण, संवर्धन एवं सशक्तिकरण की मानवीय पहल

इंडियन रेडक्रॉस सोसायटी, जिला शाखा सिंगरौली द्वारा संचालित "बालिका खुला आश्रय गृह" का शुभारंभ दिनांक 11 जुलाई 2016 को मध्यप्रदेश शासन के महिला एवं बाल विकास विभाग के सहयोग एवं वित्तीय समर्थन से किया गया। यह केंद्र समाज की उन वंचित, संकटग्रस्त एवं शोषित बालिकाओं के लिए समर्पित है, जिन्हें संरक्षण, मार्गदर्शन एवं पुनर्वास की अत्यंत आवश्यकता होती है।

यह आश्रय गृह केवल एक आवासीय सुविधा नहीं, बल्कि उन बालिकाओं के जीवन में नवप्रभात का आलोक है, जो विपरीत परिस्थितियों के अंधकार से निकलकर सुरक्षित, सम्मानजनक एवं आत्मनिर्भर भविष्य की ओर अग्रसर होती हैं।

लक्षित लाभार्थी (Target Beneficiaries)

इस आश्रय गृह में उन बालिकाओं को संरक्षण प्रदान किया जाता है, जो बाल श्रम, भिक्षावृत्ति या जोखिमपूर्ण गतिविधियों में संलग्न रही हों,शोषण,उपेक्षा अथवा हिंसा की शिकार रही हों,सामाजिक, पारिवारिक या आपराधिक परिस्थितियों से प्रभावित हों |

यह केंद्र 6 से 15 वर्ष आयु वर्ग की बालिकाओं को अस्थायी आश्रय, सुरक्षा एवं समग्र विकास की सुविधाएँ उपलब्ध कराता है।

सेवा के प्रमुख आयाम (Core Service Components)

1. **पहचान एवं अभिग्रहण (Identification & Intake)**
   - संकटग्रस्त बालिकाओं की पहचान एवं संरक्षण
   - अभिभावकों/परिजनों की काउंसलिंग
   - विधिक एवं प्रशासनिक प्रक्रिया के अनुरूप प्रवेश
2. **आवास एवं संरक्षण (Care & Protection)**
   - सुरक्षित, संवेदनशील एवं संरक्षित वातावरण
   - संतुलित पोषण एवं नियमित स्वास्थ्य परीक्षण
   - चिकित्सकीय देखभाल एवं परामर्श

3. **शिक्षा एवं पुनः एकीकरण (Education & Reintegration)**
   - आयु एवं क्षमता के अनुरूप शैक्षणिक एवं जागरूकता कार्यक्रम
   - बालिकाओं का विद्यालयों में नामांकन एवं शिक्षा की निरंतरता
   - शैक्षणिक सामग्री (ड्रेस, पुस्तकें, बैग आदि) की उपलब्धता

4. **कौशल विकास एवं आत्मनिर्भरता (Skill Development)**
   - सिलाई, हस्तकला, स्वच्छता, योग एवं जीवनोपयोगी प्रशिक्षण
   - व्यवहारिक एवं व्यावसायिक दक्षताओं का विकास
   - आत्मनिर्भर जीवन के लिए सशक्तिकरण

5. **पुनर्वास एवं फॉलो-अप (Rehabilitation & Follow-up)**
   - बालिकाओं का परिवार एवं समाज से पुनः संयोजन
   - पुनर्वास उपरांत सतत अनुश्रवण (Follow-up)
   - सामाजिक समायोजन एवं आत्मविश्वास का सुदृढ़ीकरण

उपलब्धियाँ एवं प्रभाव (Impact & Achievements)

- अब तक कुल 294 बालिकाओं को समाज की मुख्यधारा से सफलतापूर्वक जोड़ा गया |
- वर्तमान में लगभग 25 बालिकाएँ आश्रय गृह में नियमित रूप से लाभान्वित हो रही हैं |
- समस्त गतिविधियाँ राज्य शासन के मानकों एवं दिशा-निर्देशों के अनुरूप संचालित।
- अनाथ या माता-पिता विहीन बच्चे अपने रिश्तेदारों या दादा-दादी/नाना-नानी के साथ रह रहे बच्चे (2016 सेअबतक)- 11 बच्चे
- एकल अभिभावक वाले बच्चे (केवल माता या केवल पिता) - 43 बच्चे(2016 से अबतक)
- खुला आश्रय गृह के बच्चे जो विभिन्न निजी स्कूलों में प्रवेशित हैं - 25 बच्चे
- 10 अज्ञात बच्चों को, जिन्हें विभिन्न स्रोतों के माध्यम से आश्रय गृह में लाया गया था, उनकी कागजी कार्यवाही पूरी करके उनके भविष्य को सुरक्षित करने और बेहतर पुनर्वास हेतु मध्य प्रदेश के अन्य संप्रेक्षण गृहों में स्थानांतरित कर दिया गया।

यह केंद्र उन बालिकाओं के लिए आशा का द्वार है, जो कभी जीवन की कठिन परिस्थितियों में भटक रही थीं, और आज सुरक्षा, शिक्षा एवं आत्मसम्मान के साथ एक उज्ज्वल भविष्य की ओर अग्रसर हैं।

को - करिकुलर एक्टिविटी के जरिये बालिकाओं का प्रशिक्षण

समाज की मुख्य धारा से जोड़ने की पहल

हस्त निर्मित कला कृतियों की प्रदर्शनी तथा स्वावलम्बी बनने की ओर एक कदम

वृक्षारोपण एवं स्वच्छता गतिविधियों का आयोजन

विभिन्न संस्थाओं द्वारा निरिक्षण विजिट

विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन

सक्सेस स्टोरी

अपनी परिस्थितियों को अनुकूल बनाने के लिए आपको शिक्षा और अनुभव की भी ज़रूरत होती है। खुला आश्रय गृह की इस बालिका ने खुद की योग्यता को पहचाना और अपनी क्षमताओं के भरोसे अपनी परिस्थितियों को बदल डाला। 2024 बैच की याशमीन खातून आर्थिक स्थिति तथा पारिवारिक परिवेश के कारण पढ़ाई छूटने के बाद खुला आश्रय गृह के सहयोग से अपने जीवन शैली को बदला। बालिका की माता सिंगल मदर हैं। पारिवारिक परिस्थितियाँ अनुकूल न होने के कारण बालिका शिक्षा से वंचित थी। खुला आश्रय गृह में प्रशिक्षण प्राप्त कर स्वयं को इंग्लिश माध्यम के अनुरूप तैयार किया। सोसायटी के सहयोग से बालिका प्राइवेट विद्यालय में शिक्षा प्राप्त कर आज तीसरी कक्षा में तीसरी रैंक लेकर उत्तीर्ण हुई है। बालिका विपरीत परिस्थितियों में भी निरंतर मेहनत कर समाज में सफल होने की ओर अग्रसर है।

OPEN SHELTER HOME

चुनौतियाँ

1. बालिका को चिन्हित करना।
2 अभिभावक को समझाइश देना।
3 नियमित रूप से बालिका को आश्रय गृह तक लाना एवं ले जाना।
4 बालिका की काउंसलिंग कर शिक्षा एवं आत्मनिर्भरता का महत्व समझाना।
5 बालिका को प्रशिक्षण देना।

समाधान

1 आश्रय गृह के कर्मचारियों द्वारा नियमित रूप से बालिका एवं अभिभावक को समझाइश देना।
2 शिक्षा का महत्व समझाना।
3 कौशल विकास प्रशिक्षण देकर आत्मनिर्भर बनाना।

परिणाम

1 बालिका ने शिक्षा प्राप्त किया।
2 बालिका को शिष्टाचारी बनाया गया।
3 जागरूकता के बल पर बालिका को समाज की मुख्य धारा से जोड़ने की पहल।

खुला आश्रय गृह की बालिकाओं को माननीय मंत्री महोदया श्रीमती संपतिया उइके द्वारा मर्मस्पर्शी प्रस्तुति के लिए 11,000/- रुपये की प्रोत्साहन राशि से सम्मानित किया गया।

खुला आश्रय गृह की बालिका को जिला न्यायालय के विभिन्न विशेष न्यायधीश द्वारा DAV दुधिचुआ में बाल उत्पीड़न पर भावपूर्ण प्रस्तुति के लिए प्रोत्साहन पत्र प्रदान किए गए

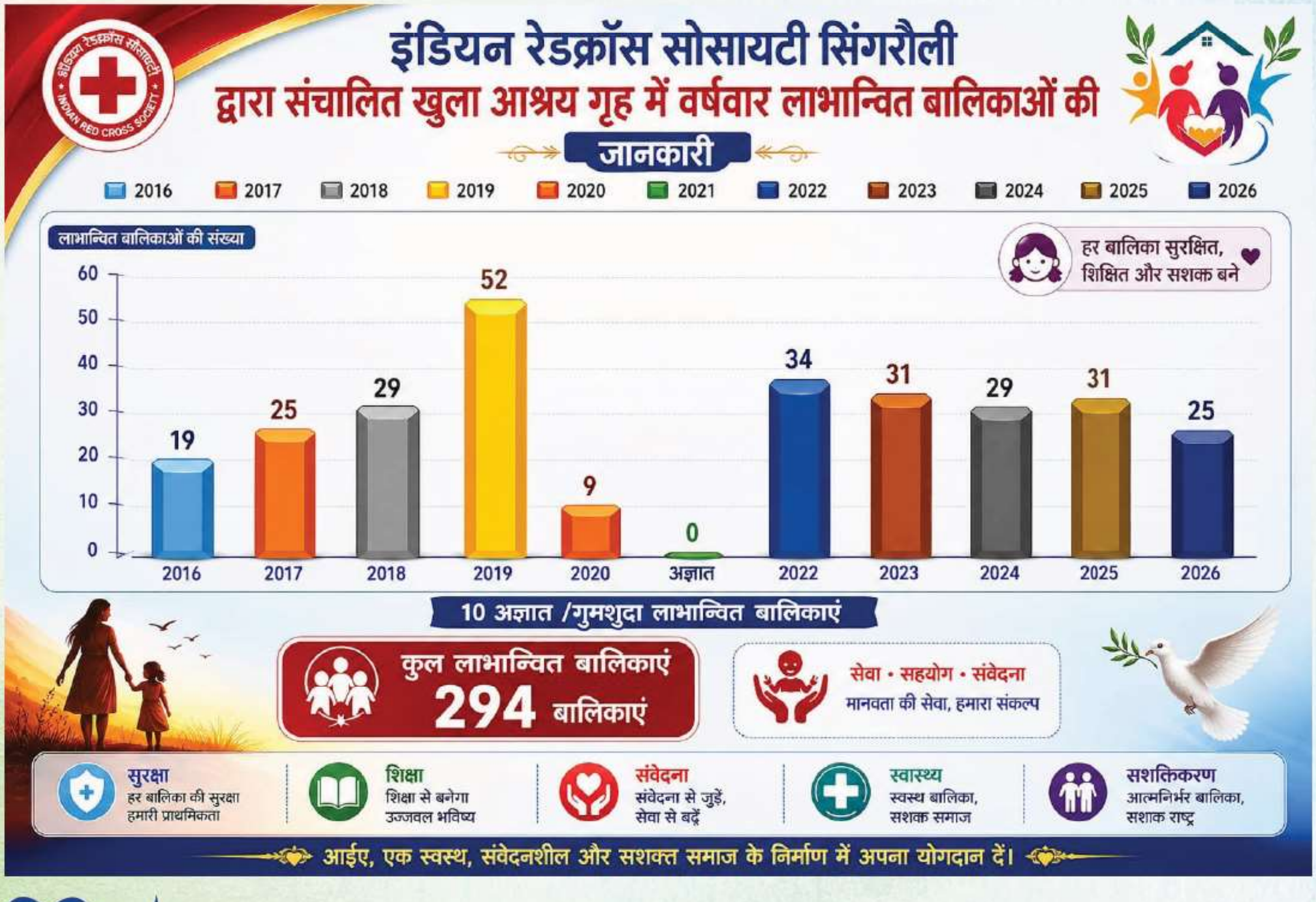

इंडियन रेडक्रॉस सोसाइटी, सिंगरौली द्वारा संचालित

जिला दिव्यांग पुनर्वास केंद्र (DDRC)

एक समग्र सशक्तिकरण की दिशा में बढ़ते कदम

भारत सरकार के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय की महत्त्वाकांक्षी पहल के अंतर्गत स्थापित जिला दिव्यांग पुनर्वास केंद्र (DDRC), सिंगरौली का संचालन इंडियन रेडक्रॉस सोसाइटी, जिला शाखा सिंगरौली द्वारा 07 जनवरी 2021 से नियमित रूप से किया जा रहा है। यह केंद्र सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग से संबद्ध होकर जिले के दिव्यांग नागरिकों को सशक्त, आत्मनिर्भर और समाज की मुख्यधारा से जोड़ने हेतु कार्यरत है।

इंडियन रेडक्रॉस सोसायटी, जिला शाखा सिंगरौली द्वारा संचालित जिला दिव्यांग पुनर्वास केंद्र (DDRC) समाज के दिव्यांगजन, विशेष आवश्यकता वाले बच्चों, वरिष्ठ नागरिकों तथा शारीरिक, श्रवण, वाणी एवं मानसिक चुनौतियों का सामना कर रहे व्यक्तियों के लिए एक अत्यंत महत्वपूर्ण सेवा संस्थान है। यह केंद्र मानव सेवा, पुनर्वास, चिकित्सा सहयोग, सामाजिक समावेशन एवं आत्मनिर्भरता की भावना से संचालित किया जा रहा है।

इस केंद्र का मुख्य उद्देश्य दिव्यांगजनों को उपचार, प्रशिक्षण, परामर्श, सहायक उपकरण, पुनर्वास सेवाएं तथा सम्मानपूर्ण जीवन के अवसर उपलब्ध कराना है, ताकि वे आत्मविश्वासपूर्वक समाज की मुख्यधारा से जुड़ सकें। केंद्र में आने वाले प्रत्येक लाभार्थी की आवश्यकता के अनुसार समग्र एवं व्यक्तिगत सेवाएं प्रदान की जाती हैं।

प्रमुख उद्देश्य एवं कार्यप्रणाली:

- जिले में दिव्यांगजनों की आवश्यकताओं का व्यापक सर्वेक्षण और मूल्यांकन
- आकलन शिविरों का आयोजन कर व्यक्तिगत आवश्यकताओं की पहचान
- दिव्यांगजनों को उनकी आवश्यकता अनुसार सहायक उपकरण, जैसे: कृत्रिम अंग एवं प्रत्यंग, श्रवण यंत्र (Hearing Aid), छड़ी, व्हीलचेयर, वॉकर आदि का वितरण, फिजियोथेरेपी, मनोवैज्ञानिक परामर्श, एवं पुनर्वास सेवाएं, दिव्यांगता प्रमाण पत्र, यूडीआईडी (UDID) कार्ड, पेंशन योजना जैसी शासकीय योजनाओं का लाभ दिलवाना, अनुसंधान एवं फॉलो-अप प्रणाली के माध्यम से निरंतर निगरानी और सुधार

पंजीयन, केस हिस्ट्री एवं प्रारंभिक मूल्यांकन

केंद्र में आने वाले प्रत्येक हितग्राही का सर्वप्रथम पंजीयन किया जाता है। इसके पश्चात प्रत्येक लाभार्थी के लिए पृथक केस हिस्ट्री फाइल तैयार की जाती है, जिसमें उसकी व्यक्तिगत जानकारी, दिव्यांगता का प्रकार, चिकित्सकीय इतिहास, परीक्षण रिपोर्ट, उपचार योजना, प्रदत्त सेवाएं, सहायक उपकरण एवं फॉलोअप विवरण सुरक्षित रखा जाता है। इसके आधार पर लाभार्थी को संबंधित विभाग में रेफर किया जाता है।

पुनर्वास केंद्र द्वारा संचालित विभिन्न विभाग एवं विस्तृत सेवाएं

1. पी एंड ओ विभाग (Prosthetic & Orthotic Department)

यह विभाग उन व्यक्तियों के लिए कार्य करता है जिनके हाथ, पैर या शरीर का कोई अंग दुर्घटना, बीमारी, जन्मजात कारण अथवा शारीरिक विकृति के कारण प्रभावित हो गया हो। इस विभाग का मुख्य उद्देश्य लाभार्थी को पुनः चलने-फिरने, खड़े होने तथा दैनिक जीवन के कार्यों हेतु सक्षम बनाना है।

यह विभाग तकनीकी रूप से अत्यंत महत्वपूर्ण है क्योंकि यहां कृत्रिम अंग एवं सहायक उपकरण व्यक्ति की शारीरिक स्थिति, आयु, वजन एवं उपयोगिता के अनुसार तैयार किए जाते हैं।

विभाग द्वारा प्रदत्त सेवाएं:

- कृत्रिम हाथ, कृत्रिम पैर एवं अन्य कृत्रिम अंगों का निर्माण
- माप अनुसार व्यक्तिगत फिटिंग
- कैलिपर (Caliper) निर्माण, विशेषकर पोलियो एवं पैरों की कमजोरी वाले व्यक्तियों हेतु
- ऑर्थोसिस (Orthosis) जैसे घुटना, टखना, कमर, गर्दन सपोर्ट
- रीढ़ की समस्या हेतु बेल्ट एवं सपोर्ट उपकरण
- विशेष जूते एवं ऑर्थोपेडिक फुटवियर
- चलने हेतु बैसाखी, वॉकर, ट्राइसाइकिल आदि हेतु परामर्श
- उपकरणों की मरम्मत, पुनःफिटिंग एवं समायोजन
- बच्चों के विकास अनुसार उपकरण परिवर्तन
- उपकरण उपयोग, सफाई एवं रखरखाव का प्रशिक्षण

लाभ:

- व्यक्ति पुनः गतिशील बनता है
- आत्मनिर्भरता बढ़ती है
- रोजगार एवं सामाजिक जीवन में सुविधा मिलती है

2. फिजियोथेरेपी विभाग

यह विभाग शरीर की गति, मांसपेशियों की शक्ति, संतुलन, लचीलापन एवं कार्यक्षमता सुधारने हेतु कार्य करता है। जिन व्यक्तियों को लकवा, स्ट्रोक, दुर्घटना, जोड़ों के दर्द, नसों की कमजोरी या चलने-फिरने में कठिनाई हो, उनके लिए यह विभाग अत्यंत लाभकारी है।

विभाग का उद्देश्य:

रोगी को पुनः सक्रिय जीवन की ओर लौटाना, दर्द कम करना तथा स्वतंत्र रूप से दैनिक कार्य करने योग्य बनाना।

विभाग द्वारा प्रदत्त सेवाएं:

- लकवा (Paralysis) रोगियों का पुनर्वास कार्यक्रम
- स्ट्रोक के बाद हाथ-पैर की कार्यक्षमता बहाल करना
- दुर्घटना के बाद चलने, बैठने, उठने का प्रशिक्षण
- कमर दर्द, गर्दन दर्द, घुटना दर्द एवं कंधा दर्द उपचार
- गठिया एवं जोड़ों की जकड़न में राहत हेतु व्यायाम
- मांसपेशियों की कमजोरी दूर करने हेतु शक्ति व्यायाम
- संतुलन सुधार प्रशिक्षण
- बुजुर्गों हेतु गिरने से बचाव प्रशिक्षण
- बच्चों की शारीरिक विकृतियों हेतु विशेष फिजियोथेरेपी
- मशीन आधारित दर्द निवारण उपचार
- घर पर किए जाने वाले व्यायाम का प्रशिक्षण
- फॉलोअप के माध्यम से प्रगति समीक्षा

लाभ:

- दर्द में कमी

- शरीर की शक्ति एवं गति में वृद्धि
- स्वतंत्र जीवन जीने की क्षमता विकसित होती है

3. ऑडियोमेट्री विभाग

यह विभाग श्रवण संबंधी समस्याओं से ग्रसित बच्चों एवं वयस्कों के लिए समर्पित है। समय पर श्रवण जांच होने से व्यक्ति को उचित उपचार, श्रवण यंत्र एवं भाषा विकास सहायता समय पर मिल सकती है।

विभाग का उद्देश्य:

सुनने की समस्या का सही निदान कर व्यक्ति को सामान्य संवाद एवं शिक्षा से जोड़ना।

विभाग द्वारा प्रदत्त सेवाएं:

- श्रवण क्षमता की वैज्ञानिक जांच (Hearing Assessment)
- बच्चों की सुनने की कमी का प्रारंभिक परीक्षण
- वयस्कों की श्रवण क्षमता मूल्यांकन
- श्रवण दोष की तीव्रता का निर्धारण
- हियरिंग एड की आवश्यकता का आकलन
- उपयुक्त श्रवण यंत्र चयन हेतु मार्गदर्शन
- श्रवण यंत्र लगाने एवं उपयोग का प्रशिक्षण
- श्रवण यंत्र की कार्यक्षमता जांच
- समय-समय पर पुनः परीक्षण
- भाषा विकास में श्रवण बाधा की पहचान

लाभ:

- व्यक्ति सुनने एवं समझने में सक्षम होता है
- बच्चों के शिक्षा स्तर में सुधार होता है
- सामाजिक संवाद बेहतर होता है

4. विशेष शिक्षा विभाग

यह विभाग विशेष आवश्यकता वाले बच्चों के लिए अत्यंत उपयोगी है, जिनमें बौद्धिक अक्षमता, ऑटिज़्म, सीखने में कठिनाई, ध्यान की कमी, व्यवहारिक समस्या अथवा विकास में विलंब पाया जाता है।

विभाग का उद्देश्य:

बच्चों की क्षमता अनुसार शिक्षा, व्यवहार सुधार, आत्मनिर्भरता एवं सामाजिक विकास सुनिश्चित करना।

विभाग द्वारा प्रदत्त सेवाएं:

- व्यक्तिगत शिक्षण योजना (IEP) तैयार करना
- पढ़ना, लिखना एवं प्रारंभिक गणना सिखाना
- ध्यान एवं स्मरण शक्ति बढ़ाने की गतिविधियां
- भाषा एवं संचार कौशल विकास
- व्यवहार सुधार एवं अनुशासन प्रशिक्षण
- दैनिक जीवन कौशल जैसे भोजन करना, कपड़े पहनना, स्वच्छता सिखाना
- सामाजिक व्यवहार एवं समूह सहभागिता प्रशिक्षण
- खेल एवं गतिविधि आधारित शिक्षण
- संवेदी विकास गतिविधियां
- अभिभावकों को घर पर प्रशिक्षण हेतु मार्गदर्शन
- नियमित प्रगति मूल्यांकन एवं परामर्श

लाभ:

- बच्चे में आत्मविश्वास बढ़ता है
- शिक्षा ग्रहण क्षमता विकसित होती है
- सामाजिक व्यवहार में सुधार आता है

5. स्पीच थेरेपी विभाग

यह विभाग उन बच्चों एवं वयस्कों के लिए कार्य करता है जिन्हें बोलने, भाषा समझने, शब्द उच्चारण करने या संवाद स्थापित करने में कठिनाई होती है।

विभाग का उद्देश्य:

व्यक्ति की वाणी, भाषा एवं संचार क्षमता को विकसित कर आत्मविश्वास बढ़ाना।

विभाग द्वारा प्रदत्त सेवाएं:

- बोलने में देरी वाले बच्चों का मूल्यांकन एवं उपचार
- हकलाहट (Stammering) सुधार कार्यक्रम
- तुतलाहट एवं अस्पष्ट उच्चारण सुधार
- शब्द पहचान एवं वाक्य निर्माण अभ्यास
- श्रवण बाधित बच्चों हेतु भाषा चिकित्सा

- ऑटिज़्म बच्चों हेतु संचार प्रशिक्षण
- बीमारी या स्ट्रोक के बाद बोलने की समस्या का उपचार
- मुख, जीभ एवं होंठ की मांसपेशियों का व्यायाम
- आवाज स्पष्ट करने हेतु प्रशिक्षण
- अभिभावकों को घरेलू अभ्यास योजना
- नियमित फॉलोअप एवं प्रगति परीक्षण

लाभ:

- स्पष्ट बोलने की क्षमता विकसित होती है
- संवाद कौशल बढ़ता है
- आत्मविश्वास एवं सामाजिक सहभागिता में वृद्धि होती है

अन्य प्रदत्त सुविधाएं एवं सहायक उपकरण

केंद्र द्वारा पात्र दिव्यांगजनों को आवश्यकता अनुसार विभिन्न सहायक उपकरण भी उपलब्ध कराए जाते हैं:

- वॉकिंग स्टिक
- व्हीलचेयर
- ट्राइसाइकिल
- बैसाखी
- मोटराइज्ड ट्राइसाइकिल
- वॉकर
- हियरिंग एड
- स्मार्टफोन
- स्मार्ट केन
- डेज़ी प्लेयर
- ब्रेल किट
- एम.आर. किट
- अन्य पुनर्वास सामग्री

निष्कर्ष

जिला दिव्यांग पुनर्वास केंद्र सिंगरौली केवल एक सेवा केंद्र नहीं, बल्कि दिव्यांगजनों के लिए आशा, आत्मनिर्भरता एवं सम्मानपूर्ण जीवन का सशक्त माध्यम है। यहां विभिन्न विशेषज्ञ विभागों के माध्यम से उपचार, प्रशिक्षण, शिक्षा, श्रवण सहायता, वाणी सुधार, सहायक उपकरण वितरण एवं पुनर्वास सेवाएं प्रदान की जाती हैं। यह केंद्र निस्संदेह मानव सेवा एवं सामाजिक उत्तरदायित्व का उत्कृष्ट उदाहरण है।

दिव्यांगजनों को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में एक कदम:
जिला दिव्यांग पुनर्वास केंद्र, सिंगरौली द्वारा आयोजित उपकरण वितरण कार्यक्रम

केंद्र द्वारा संचालित पुनर्वास सेवाएँ एवं गतिविधियाँ: एक झलक

कलेक्टर गौरव बैनल ने जिला दिव्यांगजन पुनर्वास केंद्र (डीडीआरसी) का निरीक्षण कर पी एण्ड ओ, फिजियोथेरेपी और विशेष शिक्षा जैसी विभिन्न इकाइयों की समीक्षा की तथा व्यवस्थाओं का अवलोकन किया।

माननीय प्रभारी मंत्री श्रीमती संपतिया उइके एवं विधायकों द्वारा बैटरी चालित ट्राईसाइकिल का वितरण

प्रभारी मंत्री एवं विधायकों द्वारा दिव्यांगजनों हेतु सहायक उपकरण एवं कृत्रिम अंगों का निरीक्षण

सहायक उपकरण एवं कृत्रिम अंग प्राप्त कर लाभान्वित दिव्यांगजन एवं आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ते कदम

सक्षम भविष्य की ओर कदम: डीडीआरसी में विशेषज्ञ द्वारा प्रदान की जा रही फिजियोथेरेपी सेवाएँ।

कलेक्टर गौरव बैनल द्वारा जिला दिव्यांगजन पुनर्वास केंद्र (DDRC) की श्रवण चिकित्सा एवं स्पीच थैरेपी विभाग में उपलब्ध संसाधनों एवं सुविधाओं का अवलोकन

एनसीएल कम्पनी के अधिकारियों द्वारा विभागीय निरीक्षण के दौरान
इम्पीडेंस ऑडियोमेट्री परीक्षण का अवलोकन एवं संचालन प्रक्रिया की जानकारी प्राप्त

विशेष शिक्षा एवं थेरेपी : गतिविधि-आधारित शिक्षण के माध्यम से बच्चों के विकासात्मक कौशल में प्रगति

एनसीएल के अधिकारियों द्वारा (DDRC) का भ्रमण एवं
दिव्यांगजनों को ट्राइसाइकिल एवं अन्य सहायक उपकरणों का वितरण।

देवसर विधायक श्री राजेन्द्र मेश्राम द्वारा डीडीआरसी का भ्रमण एवं
दिव्यांगजनों को आत्मनिर्भर बनाने हेतु ट्राइसाइकिल प्रदान करने की पहल।

रेडक्रॉस राज्य शाखा भोपाल (म.प्र.) के सचिव श्री रामेंद्र सिंह का सिंगरौली दौरा एवं
दिव्यांगजनों को सहायक उपकरण वितरण एवं सेवाओं का अवलोकन

'अंतर्राष्ट्रीय दिव्यांगजन दिवस' के अवसर पर आयोजित विशेष कार्यक्रम एवं
दिव्यांगजनों के लिए उपलब्ध उन्नत सहायक उपकरणों और नई तकनीकों का अवलोकन।

जिला दिव्यांग पुनर्वास केंद्र का प्रगति रिपोर्ट

Progress Report Indian Red Cross Society run and managed DDRC

क्र.	विवरण	अन्य विवरण	लाभान्वितों की संख्या
1	क्षेत्रीय भ्रमण	कैंप संख्या	41
		संपर्क किए गए ग्राम	369
		चिह्नित दिव्यांग	1405
2.	कृत्रिम अंग निर्माण विभाग	प्रदान कृत्रिम अंग (Prosthesis)	38
		प्रदान प्रत्यंग / कैलिपर (Orthosis)	1525
3.	फिजियोथेरपी विभाग	चयनित लाभार्थी	108
		चिकित्सा प्रदान	108
4.	श्रवण विभाग	ऑडियोमेट्री सेवाएं	635
		उपकरण प्रदान	586
5.	विशेष शिक्षा विभाग	लाभान्वित बच्चे	14
6.	सहायक उपकरण प्रदान	वाकिंग स्टिक	614
		व्हील चेयर	426
		ट्राईसाइकिल	30
		बैशाखी	192
		मोटोराइज्ड ट्राईसाइकिल	78
		हियरिंग ऐड	586
		स्मार्ट फोन	1
		एम्आर किट / MSIED KIT	7
		वाकर / रोलेटर	12
		गैटेर्स	0
		स्मार्ट केन	8
		ब्रेल किट	1
		कुल लाभान्वितों की संख्या	**6676**

प्राथमिक चिकित्सा प्रशिक्षण : आपातकालीन सुरक्षा का आधार

इंडियन रेडक्रॉस सोसायटी, जिला शाखा सिंगरौली द्वारा "सेंट जॉन एम्बुलेंस" के अंतर्गत प्राथमिक उपचार प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ दिनांक 09 मई 2019 को किया गया। इस प्रशिक्षण का मूल उद्देश्य समाज के प्रत्येक वर्ग को आपातकालीन परिस्थितियों में त्वरित एवं प्रभावी प्राथमिक उपचार प्रदान करने हेतु सक्षम बनाना है, जिससे दुर्घटना, आपदा अथवा आकस्मिक स्वास्थ्य संकट की स्थिति में जीवन रक्षा सुनिश्चित की जा सके।

प्रशिक्षण की आवश्यकता एवं पृष्ठभूमि

सिंगरौली जिला एक तीव्र गति से विकसित होता औद्योगिक क्षेत्र है, जहाँ कोयला खनन, विद्युत उत्पादन एवं भारी परिवहन गतिविधियाँ निरंतर संचालित होती रहती हैं। ऐसे परिवेश में औद्योगिक दुर्घटनाएँ, सड़क दुर्घटनाएँ एवं प्राकृतिक आपदाओं की संभावनाएँ अपेक्षाकृत अधिक रहती हैं।

इन परिस्थितियों में प्राथमिक उपचार का ज्ञान प्रत्येक नागरिक के लिए अत्यंत आवश्यक हो जाता है, क्योंकि संकट की घड़ी में तत्काल सहायता ही जीवन और मृत्यु के मध्य निर्णायक भूमिका निभाती है। इसी उद्देश्य से रेडक्रॉस द्वारा नागरिकों, विद्यार्थियों, औद्योगिक कर्मियों, पुलिस बल एवं ग्रामीण समुदाय को प्रशिक्षित करने की सार्थक पहल की गई।

प्रशिक्षण की प्रमुख विशेषताएँ

- राष्ट्रीय मानकों एवं दिशा-निर्देशों के अनुरूप प्रशिक्षण
- सैद्धांतिक (Theory) एवं व्यावहारिक (Practical) प्रशिक्षण का संतुलित समावेश
- प्रशिक्षित एवं अनुभवी विशेषज्ञों द्वारा मार्गदर्शन

प्रशिक्षण में शामिल प्रमुख विषयः

- CPR (हृदय-फेफड़ा पुनर्जीवन)
- रक्तस्राव नियंत्रण (Bleeding Control)
- जलने एवं घावों का उपचार
- हड्डी टूटने की स्थिति में प्राथमिक सहायता
- साँप काटने,करंट लगने एवं अन्य आपात स्थितियों में प्रबंधन
- प्रशिक्षण उपरांत प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र प्रदान किया जाता है

प्रशिक्षण का विस्तार एवं क्रियान्वयनः

यह प्रशिक्षण कार्यक्रम विभिन्न स्थानों पर नियमित रूप से आयोजित किया जाता है—

- विद्यालय एवं महाविद्यालय
- औद्योगिक प्रतिष्ठान
- पुलिस एवं प्रशासनिक संस्थान
- ग्राम पंचायत एवं ग्रामीण क्षेत्र

इस प्रकार यह पहल समाज के प्रत्येक वर्ग तक पहुँच सुनिश्चित करती है।

उपलब्धियाँ एवं प्रभाव

- अब तक कुल 2691 से अधिक व्यक्तियों को प्रशिक्षण प्रदान किया जा चुका है।
- ग्रामीण क्षेत्रों,पुलिस विभाग एवं रेडक्रॉस स्वयंसेवकों को प्रशिक्षण निःशुल्क प्रदान किया गया।
- यह प्रशिक्षण केवल स्वास्थ्य सुरक्षा तक सीमित नहीं है, बल्कि—
- सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना विकसित करता है
- मानवीय संवेदना एवं तत्परता को प्रोत्साहित करता है
- संकट की घड़ी में सहायता करने की प्रवृत्ति को सुदृढ़ करता है
- आज जिले में अनेक प्रशिक्षित नागरिक ऐसे हैं, जो आपातकालीन स्थितियों में प्रथम सहायक (First Responder) के रूप में सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं।

समाज पर व्यापक प्रभाव

- यह प्रशिक्षण कार्यक्रम सिंगरौली जिले में एक प्रभावी जन-आंदोलन का स्वरूप ग्रहण कर चुका है। इसके माध्यम से—
- जीवन रक्षा की संस्कृति को बढ़ावा मिला है
- नागरिकों में जागरूकता एवं आत्मविश्वास का संचार हुआ है
- सेवा एवं सहयोग की भावना को सुदृढ़ आधार प्राप्त हुआ है
- यह पहल केवल एक प्रशिक्षण कार्यक्रम नहीं, बल्कि "सेवा के माध्यम से जीवन रक्षा" के आदर्श को साकार करने का सशक्त माध्यम है।

प्राथमिक चिकित्सा प्रशिक्षण की गतिविधियों का दृश्यात्मक प्रस्तुतीकरण

एल एण्ड टी कम्पनी वैढ़न के अधिकारियों एवं कर्मचारियों का प्राथमिक चिकित्सा प्रशिक्षण प्रदान किया गया

अडानी प्रोजेक्ट में कर्मचारी कार्यशाला: जीवन रक्षक प्राथमिक चिकित्सा का दिया गया प्रशिक्षण।

दिल्ली पब्लिक स्कूल विंध्यनगर में इंडियन रेडक्रॉस सोसाइटी द्वारा आयोजित
'प्राथमिक चिकित्सा एवं CPR' प्रशिक्षण कार्यशाला

भारतीय रेडक्रॉस सोसायटी, जिला शाखा सिंगरौली
प्रधानमंत्री भारतीय जन औषधि केंद्र, बैढ़न

सस्ती एवं गुणवत्तापूर्ण दवाओं के माध्यम से जनस्वास्थ्य सुदृढ़ करने की अभिनव पहल

भारतीय रेडक्रॉस सोसायटी, जिला शाखा सिंगरौली द्वारा जनसामान्य को किफायती एवं गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से प्रधानमंत्री भारतीय जन औषधि केंद्र, बैढ़न की स्थापना दिनांक 17 सितम्बर 2024 को की गई। यह केंद्र भारत सरकार की महत्वाकांक्षी योजना "प्रधानमंत्री भारतीय जन औषधि परियोजना" के अंतर्गत संचालित है, जिसका मूल उद्देश्य समाज के प्रत्येक वर्ग तक सुलभ, सस्ती एवं उच्च गुणवत्ता वाली जेनेरिक दवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करना है ।

इस केंद्र का शुभारंभ प्रदेश के माननीय राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल एवं माननीय मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के करकमलों द्वारा वर्चुअल माध्यम से सम्पन्न हुआ। साथ ही स्थानीय स्तर पर सिंगरौली विधायक श्री रामनिवास शाह एवं जिला कलेक्टर श्री चन्द्रशेखर शुक्ला की गरिमामयी उपस्थिति में केंद्र का विधिवत संचालन प्रारंभ किया गया। यह पहल जिले के स्वास्थ्य क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि के रूप में स्थापित हुई है।

केंद्र की प्रमुख विशेषताएँ एवं सेवाएँ:

यह जन औषधि केंद्र आमजन को ब्रांडेड दवाओं की तुलना में लगभग 70% से 80% तक कम कीमत पर दवाएं उपलब्ध करा रहा है, जिससे आर्थिक रूप से कमजोर एवं मध्यम वर्गीय परिवारों को विशेष राहत मिल रही है। केंद्र में उपलब्ध सभी औषधियाँ गुणवत्ता मानकों के अनुरूप (WHO-GMP प्रमाणित) हैं, जिससे उनकी प्रभावशीलता एवं विश्वसनीयता सुनिश्चित होती है।

केंद्र न केवल दवाओं की उपलब्धता तक सीमित है, बल्कि यह आम नागरिकों को स्वास्थ्य सेवाओं तक सहज पहुंच प्रदान करने का सशक्त माध्यम भी बन रहा है। विशेष रूप से निम्न एवं मध्यम आय वर्ग के लोगों के लिए यह केंद्र अत्यंत उपयोगी सिद्ध हो रहा है।

जनसेवा में प्रभावशाली योगदान :

स्थापना के पश्चात मार्च 2026 तक लगभग 8500 से अधिक लाभार्थी इस केंद्र से दवाएं प्राप्त कर चुके हैं। परियोजना के मुख्य उद्देश्य:

- किफायती एवं गुणवत्तापूर्ण जेनेरिक दवाओं को आमजन तक सहज रूप से पहुंचाना।
- जनसामान्य में जेनेरिक दवाओं के प्रति जागरूकता का विस्तार करना।
- स्वास्थ्य सेवाओं को सेवा भाव से जोड़ते हुए मानवीय दृष्टिकोण को सुदृढ़ करना।
- स्वदेशी औषधि उत्पादन को बढ़ावा देना तथा आयात पर निर्भरता को कम करना।

प्रधानमंत्री भारतीय जन औषधि केंद्र, बैढ़न केवल एक औषधि विक्रय केंद्र न होकर एक व्यापक जनकल्याणकारी पहल के रूप में उभरकर सामने आया है। यह केंद्र स्वास्थ्य सेवाओं को आमजन के द्वार तक पहुंचाकर "स्वस्थ भारत – समर्थ भारत" के संकल्प को साकार करने की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। भारतीय रेडक्रॉस सोसायटी सिंगरौली की यह पहल सामाजिक सेवा, जनस्वास्थ्य संवर्धन एवं मानवता के प्रति समर्पण का उत्कृष्ट उदाहरण है।

कलेक्टर महोदय द्वारा प्रधानमंत्री जन औषधि योजना केंद्र का निरीक्षण करते हुए,
जहाँ आमजन को सस्ती दवाइयाँ उपलब्ध कराई जाती

रेडक्रॉस सिंगरौली — सेवा विस्तार की दिशा में मानवीय समर्पण की प्रेरक पहल

सिकल सेल एनीमिया एवं थैलेसीमिया पीड़ितों के लिए सतत सहयोग कार्यक्रम

भारतीय रेडक्रॉस सोसायटी, जिला शाखा सिंगरौली द्वारा मानव सेवा के अपने मूल उद्देश्य को साकार करते हुए सिकल सेल एनीमिया एवं थैलेसीमिया जैसे गंभीर रक्त संबंधी रोगों से पीड़ित मरीजों के लिए एक संवेदनशील एवं समर्पित पहल संचालित की जा रही है। यह कार्यक्रम उन रोगियों के लिए विशेष रूप से महत्वपूर्ण है, जिनके शरीर में रक्त का निर्माण सामान्य रूप से नहीं हो पाता अथवा रक्त कोशिकाएं अपेक्षित कार्यक्षमता के अनुरूप कार्य नहीं करतीं, जिसके कारण उन्हें नियमित अंतराल पर रक्त चढ़ाने की आवश्यकता होती है।

मरीजों के दीर्घकालिक सहयोग हेतु "गोद लेने की योजना"

रेडक्रॉस सिंगरौली द्वारा इन गंभीर बीमारियों से ग्रसित मरीजों के लिए "गोद लेने की योजना" के अंतर्गत अब तक (मार्च 2026) तक कुल 191 मरीजों को चिन्हित कर उन्हें नियमित रूप से निःशुल्क रक्त उपलब्ध कराया जा रहा है। इस व्यवस्था के अंतर्गत मरीजों को बिना किसी रिप्लेसमेंट डोनर की आवश्यकता के समय-समय पर रक्त उपलब्ध कराया जाता है। यह योजना न केवल मरीजों को चिकित्सकीय सहायता प्रदान करती है, बल्कि उनके परिवारों को मानसिक एवं सामाजिक संबल भी देती है।

निःशुल्क रक्तदान एवं वितरण (वर्ष 2025-26)

वर्ष 2025-26 के दौरान चिन्हित मरीजों को कुल 573 यूनिट रक्त निःशुल्क प्रदान किया गया। यह सेवा पूर्णतः मानवीय आधार पर संचालित है, जिसमें किसी प्रकार का शुल्क नहीं लिया जाता।

सिकल सेल एनीमिया और थैलेसीमिया पीड़ितों की सहायता के लिए रक्तदान करते जागरूक नागरिक।

रेडक्रॉस की यह पहल निरंतर रक्त आपूर्ति सुनिश्चित करते हुए जीवन रक्षा की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी निभा रही है।

सहयोगी संस्थाओं के माध्यम से उपचार सुविधा :

इस सेवा कार्य को प्रभावी बनाने हेतु विभिन्न चिकित्सीय संस्थानों के साथ समन्वय स्थापित किया गया है—

1) **जिला चिकित्सालय, सिंगरौली:** यहां गंभीर मरीजों के लिए नियमित ब्लड ट्रांसफ्यूजन की सुविधा उपलब्ध कराई जाती है, साथ ही रेडक्रॉस ब्लड सेंटर के समन्वय से समय पर रक्त की आपूर्ति सुनिश्चित की जाती है।

2) **मिश्रा पॉली क्लिनिक एवं नर्सिंग होम, बैढ़न:** इस संस्था द्वारा सेवा भाव के साथ सुरक्षित एवं सुविधायुक्त वातावरण में निःशुल्क रक्त चढ़ाने की व्यवस्था की जा रही है।

3) **एनटीपीसी विंध्याचल अस्पताल का विशेष सहयोग:** एनटीपीसी विंध्याचल अस्पताल के सहयोग से इन मरीजों को निःशुल्क उपलब्ध कराया गया है। यह सहयोग संस्थागत सामाजिक उत्तरदायित्व एवं मानवीय सहभागिता का उत्कृष्ट उदाहरण है।

सेवा की विशिष्टताएँ: रिप्लेसमेंट डोनर की अनिवार्यता समाप्त: मरीजों के परिजनों को अतिरिक्त रक्तदाता की व्यवस्था करने की आवश्यकता नहीं पड़ती।

समयबद्ध एवं निर्बाध आपूर्ति: आवश्यकता अनुसार समय पर रक्त उपलब्ध कराकर जीवन रक्षा सुनिश्चित की जाती है।

निःशुल्क सेवा: संपूर्ण प्रक्रिया पूर्णतः निःशुल्क एवं सेवा भावना पर आधारित है।

सामाजिक एवं मानवीय प्रभाव: इस पहल के माध्यम से न केवल मरीजों के स्वास्थ्य में सुधार हो रहा है, बल्कि उन्हें समाज में सुरक्षा, सम्मान एवं आत्मविश्वास की अनुभूति भी प्राप्त हो रही है। यह कार्यक्रम समाज में संवेदनशीलता, सहयोग एवं सेवा भावना को सुदृढ़ करने का कार्य कर रहा है।

भारतीय रेडक्रॉस सोसायटी, सिंगरौली की यह पहल केवल चिकित्सा सहायता तक सीमित नहीं है, बल्कि यह मानवीय मूल्यों, करुणा एवं समर्पण का जीवंत उदाहरण है। सिकल सेल एनीमिया एवं थैलेसीमिया पीड़ितों के लिए यह सतत सहयोग कार्यक्रम समाज के लिए प्रेरणास्रोत बनकर उभर रहा है, जो यह संदेश देता है कि सच्ची सेवा वही है, जो निस्वार्थ भाव से जरूरतमंदों के जीवन को संबल प्रदान करे।

तत्काल आर्थिक सहायता : संवेदनशीलता, सेवा एवं प्रशासनिक समन्वय का सशक्त उदाहरण

भारतीय रेडक्रॉस सोसायटी, जिला शाखा सिंगरौली द्वारा अपने सेवा दायित्वों का निर्वहन करते हुए न केवल स्वास्थ्य, पुनर्वास एवं जनकल्याण से संबंधित योजनाओं का संचालन किया जा रहा है, बल्कि आकस्मिक एवं विषम परिस्थितियों में आर्थिक रूप से असहाय व्यक्तियों को त्वरित राहत प्रदान करने हेतु "तत्काल आर्थिक सहायता" योजना का भी प्रभावी क्रियान्वयन किया जा रहा है। यह पहल संकट की घड़ी में जरूरतमंद परिवारों के लिए सहारा बनकर उन्हें समय पर सहयोग उपलब्ध कराने का एक मानवीय प्रयास है।

यह योजना विशेष रूप से उन व्यक्तियों एवं परिवारों के लिए उपयोगी सिद्ध हो रही है, जो बीमारी, दुर्घटना, सामाजिक दायित्वों (जैसे विवाह) अथवा अन्य आपात परिस्थितियों के कारण अचानक आर्थिक संकट का सामना करते हैं और जिन्हें तत्काल सहायता की आवश्यकता होती है। रेडक्रॉस सिंगरौली द्वारा ऐसे मामलों में त्वरित संज्ञान लेते हुए आवश्यक आर्थिक सहयोग प्रदान किया जाता है, जिससे प्रभावित व्यक्तियों को राहत मिल सके।

प्रशासन एवं रेडक्रॉस का प्रभावी समन्वय

वर्ष 2025-26 के दौरान इस योजना के अंतर्गत कुल 109 जरूरतमंद नागरिकों को 33,42,430 रूपये की तात्कालिक आर्थिक सहायता प्रदान की गई। इस संपूर्ण प्रक्रिया में जिला

प्रशासन का सराहनीय सहयोग प्राप्त हुआ, विशेषकर जिला कलेक्टर श्री चन्द्रशेखर शुक्ला के मार्गदर्शन में सहायता वितरण को पारदर्शिता, संवेदनशीलता एवं निष्पक्षता के साथ संपन्न किया गया। यह सुनिश्चित किया गया कि सहायता राशि वास्तविक एवं पात्र हितग्राहियों तक शीघ्रता से पहुंचे।

प्रमुख लाभार्थी वर्ग

इसके अंतर्गत निम्नलिखित वर्गों को प्राथमिकता के आधार पर सहायता प्रदान की गई—

- गंभीर बीमारियों से पीड़ित आर्थिक रूप से कमजोर मरीज
- निर्धन एवं जरूरतमंद परिवारों की विवाह योग्य कन्याएँ
- आर्थिक अभाव के कारण शिक्षा से वंचित हो रहे विद्यार्थी
- दुर्घटनाओं एवं आपदाओं से प्रभावित परिवार, जिन्हें तत्काल सहायता की आवश्यकता होती है

विशेषताएं :

त्वरित सहायता प्रावधान: आवश्यकता के अनुरूप बिना विलंब के आर्थिक सहयोग उपलब्ध कराया जाता है।

पारदर्शी प्रक्रिया: पात्रता के निष्पक्ष मूल्यांकन के आधार पर सहायता का वितरण सुनिश्चित किया जाता है।

मानवीय दृष्टिकोण: यह योजना केवल आर्थिक सहयोग तक सीमित नहीं है, बल्कि पीड़ित परिवारों को मानसिक संबल एवं सामाजिक सुरक्षा की अनुभूति भी कराती है।

सामाजिक प्रभाव एवं महत्व

"तत्काल आर्थिक सहायता" योजना ने जिले में मानवीय सहयोग की एक सशक्त मिसाल स्थापित की है। यह पहल केवल सहायता प्रदान करने का माध्यम नहीं, बल्कि समाज में विश्वास, सहानुभूति एवं एकजुटता की भावना को सुदृढ़ करने का कार्य भी कर रही है। इस योजना के माध्यम से जरूरतमंद व्यक्तियों को यह विश्वास मिलता है कि संकट की घड़ी में वे अकेले नहीं हैं, बल्कि रेडक्रॉस एवं समाज उनके साथ खड़ा है।

भारतीय रेडक्रॉस सोसायटी, सिंगरौली की यह पहल सेवा, संवेदना एवं प्रशासनिक समन्वय का उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत करती है। "तत्काल आर्थिक सहायता" योजना ने न केवल जरूरतमंदों को समय पर राहत प्रदान की है, बल्कि समाज में सहयोग एवं मानवीय मूल्यों को भी सुदृढ़ किया है। यह कार्यक्रम भविष्य में भी इसी प्रकार जनसेवा के नए आयाम स्थापित करता रहेगा और समाज के कमजोर वर्गों के लिए आशा का केंद्र बना रहेगा।

कलेक्टर श्री गौरव बैनल के मार्गदर्शन और रेडक्रॉस द्वारा पात्र हितग्राहियों को तत्काल आर्थिक सहायता एवं खेल सामग्री का वितरण

विश्व रेडक्रॉस दिवस : सेवा, संवेदना और सम्मान का प्रेरणादायी उत्सव

प्रत्येक वर्ष 8 मई को संपूर्ण विश्व में विश्व रेडक्रॉस दिवस मनाया जाता है। यह दिवस रेडक्रॉस आंदोलन के संस्थापक जीन हेनरी ड्यूनेन्ट की जयंती के उपलक्ष्य में आयोजित किया जाता है। यह केवल एक औपचारिक आयोजन नहीं, बल्कि मानवता, निष्पक्षता, करुणा एवं सेवा के उच्च आदर्शों के प्रति हमारी प्रतिबद्धता का सशक्त प्रतीक है।

वर्ष 2025 में भारतीय रेडक्रॉस सोसायटी, जिला शाखा सिंगरौली द्वारा इस अवसर पर एक गरिमामयी कार्यक्रम का आयोजन जिला दिव्यांग पुनर्वास केंद्र, सिंगरौली परिसर में किया गया। इस आयोजन का उद्देश्य रेडक्रॉस के मूल सिद्धांतों का प्रसार करना तथा समाज में सेवा भावना को और अधिक सुदृढ़ करना था।

संस्थापक को नमन – सेवा मूल्यों का संकल्प

कार्यक्रम का प्रारंभ रेडक्रॉस के संस्थापक जीन हेनरी ड्यूनेन्ट के चित्र पर माल्यार्पण एवं श्रद्धांजलि अर्पित कर किया गया। उपस्थित सभी गणमान्यजनों एवं प्रतिभागियों ने उनके द्वारा प्रतिपादित मानव सेवा के सिद्धांतों को आत्मसात करने एवं समाज में प्रसारित करने का संकल्प लिया। यह क्षण सेवा के प्रति समर्पण एवं प्रेरणा का प्रतीक बना।

सम्मान समारोह – सहयोगियों के प्रति कृतज्ञता

इस अवसर पर जिले के विभिन्न सामाजिक, औद्योगिक एवं स्वयंसेवी संगठनों, रक्तदाता समूहों एवं सहयोगी संस्थाओं का सम्मान किया गया। इन संस्थाओं ने समय-समय पर रेडक्रॉस के विभिन्न सेवा कार्यों—विशेषकर रक्तदान, स्वास्थ्य शिविर एवं जनकल्याणकारी गतिविधियों—में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। सम्मान स्वरूप उन्हें प्रशस्ति पत्र एवं स्मृति चिन्ह प्रदान कर उनके योगदान के प्रति आभार व्यक्त किया गया।

सम्मानित संस्थाओं की सहभागिता

कार्यक्रम में जिले की अनेक प्रतिष्ठित संस्थाओं एवं संगठनों की सक्रिय भागीदारी रही, जिनमें औद्योगिक प्रतिष्ठान, चिकित्सीय संस्थान, सामाजिक संगठन एवं शैक्षणिक संस्थाएं प्रमुख रहीं। इन सभी के सहयोग से रेडक्रॉस की गतिविधियों को निरंतर गति एवं व्यापकता प्राप्त हो रही है। यह सहभागिता सामाजिक उत्तरदायित्व एवं सामूहिक प्रयास का उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत करती है।

कार्यक्रम का महत्व एवं सामाजिक संदेश

विश्व रेडक्रॉस दिवस का यह आयोजन न केवल सेवा कार्यों की सराहना का मंच बना, बल्कि समाज में सहयोग, समर्पण एवं एकजुटता की भावना को भी सुदृढ़ करने में सहायक सिद्ध हुआ। इस अवसर पर यह संदेश दिया गया कि जब समाज, प्रशासन एवं संस्थाएं मिलकर कार्य करती हैं, तब जनकल्याण के लक्ष्य अधिक प्रभावी ढंग से प्राप्त किए जा सकते हैं।

निष्कर्ष – एकता एवं सेवा का सशक्त प्रतीक

वर्ष 2025 का यह आयोजन रेडक्रॉस सिंगरौली के लिए अत्यंत प्रेरणादायक रहा। यह कार्यक्रम न केवल मानवता के मूल्यों को सुदृढ़ करने का माध्यम बना, बल्कि समाज के विभिन्न वर्गों के बीच सहयोग एवं समन्वय की भावना को भी प्रोत्साहित करने में सफल रहा।

भारतीय रेडक्रॉस सोसायटी, सिंगरौली की यह पहल यह सिद्ध करती है कि निस्वार्थ सेवा, सामूहिक प्रयास एवं मानवीय संवेदनाएं ही एक सशक्त एवं समृद्ध समाज के निर्माण की आधारशिला हैं।

रेडक्रॉस के सेवा कार्यों में निरंतर सहयोग करने वाली संस्थाओं को स्मृति चिन्ह प्रदान करते अतिथि

अंतर्राष्ट्रीय वृद्धजन दिवस : सम्मान, संवेदना एवं संस्कारों का प्रेरक आयोजन

भारतीय रेडक्रॉस सोसायटी, सिंगरौली द्वारा संचालित जिला दिव्यांग पुनर्वास केंद्र एवं सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग के संयुक्त तत्वावधान में दिनांक 1 अक्टूबर 2025 को जिला पंचायत सभागार, सिंगरौली में अंतर्राष्ट्रीय वृद्धजन दिवस के अवसर पर एक गरिमामय समारोह का आयोजन किया गया। इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य वरिष्ठजनों के प्रति सम्मान व्यक्त करना तथा समाज में उनके अनुभव, मार्गदर्शन एवं योगदान के महत्व को स्थापित करना था।

कार्यक्रम का संक्षिप्त विवरण एवं उद्बोधन:

समारोह का शुभारंभ रेडक्रॉस सोसायटी सिंगरौली के सचिव डॉ. ओ.पी. राय द्वारा अतिथियों के स्वागत के साथ किया गया। इस अवसर पर अध्यक्षता कर रही जिला पंचायत अध्यक्ष सुश्री सोनम सिंह एवं सिंगरौली विधायक श्री रामनिवास शाह सहित उपस्थित गणमान्यजनों ने अपने उद्बोधन में एक स्वर में यह व्यक्त किया कि वरिष्ठजन समाज की अमूल्य धरोहर हैं, जिनके अनुभव, जीवन मूल्यों एवं संस्कारों से ही समाज की नींव सुदृढ़ होती है। उन्होंने कहा कि वरिष्ठजनों का मार्गदर्शन नई पीढ़ी के लिए प्रेरणास्रोत है तथा उनके संरक्षण एवं सम्मान के प्रति समाज का दायित्व सर्वोपरि है। वक्ताओं ने यह भी रेखांकित किया कि वरिष्ठजनों को सुरक्षित, सम्मानजनक एवं गरिमापूर्ण जीवन उपलब्ध कराना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है।

सम्मान समारोह:

कार्यक्रम के अंतर्गत उपस्थित सभी वरिष्ठजनों को शाल एवं श्रीफल भेंट कर सम्मानित किया गया। यह क्षण अत्यंत भावनात्मक एवं गरिमापूर्ण रहा, जिसने पूरे सभागार में आदर एवं कृतज्ञता का वातावरण निर्मित किया।

सांस्कृतिक सहभागिता एवं समापन:

कार्यक्रम के दौरान वरिष्ठजनों द्वारा सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ दी गईं एवं अपने जीवन के अनुभव साझा किए गए, जो सभी के लिए प्रेरणादायक रहे। कार्यक्रम का संचालन सुश्री देवयानी शुक्ला द्वारा किया गया तथा अंत में रेडक्रॉस प्रतिनिधि द्वारा आभार प्रदर्शन किया गया।

अंतर्राष्ट्रीय वृद्धजन दिवस का यह आयोजन समाज में वरिष्ठजनों के प्रति सम्मान, संवेदनशीलता एवं कर्तव्यबोध को सुदृढ़ करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल सिद्ध हुआ। यह कार्यक्रम इस बात का सशक्त संदेश देता है कि वरिष्ठजन हमारे अनुभवों की अमूल्य धरोहर हैं, जिनके आशीर्वाद एवं मार्गदर्शन से ही समाज का भविष्य सुदृढ़ एवं समृद्ध बनता है।

जिला पंचायत सभागार में अतिथियों द्वारा बुजुर्गों को शाल और श्रीफल भेंट कर सम्मानित किया गया

निःशुल्क प्याऊ सेवा : मानवीय संवेदना एवं जीवन रक्षा का सार्थक प्रयास

भारतीय रेडक्रॉस सोसायटी, जिला शाखा सिंगरौली द्वारा भीषण ग्रीष्म ऋतु के दौरान आमजन को राहत प्रदान करने के उद्देश्य से निःशुल्क प्याऊ सेवा का नियमित संचालन किया जाता है। यह सेवा विशेष रूप से उन परिस्थितियों में अत्यंत महत्वपूर्ण सिद्ध होती है, जब तेज धूप और उच्च तापमान के कारण राहगीरों, श्रमिकों, विद्यार्थियों एवं आम नागरिकों को पेयजल की आवश्यकता अधिक होती है।

रेडक्रॉस सिंगरौली द्वारा संचालित यह सेवा "मानव सेवा ही सर्वोच्च सेवा है" के मूल सिद्धांत को आत्मसात करते हुए समाज के प्रत्येक वर्ग तक राहत पहुँचाने का कार्य कर रही है। ग्रीष्मकाल के दौरान जिले के प्रमुख सार्वजनिक स्थलों एवं भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों में प्याऊ केंद्र स्थापित किए जाते हैं, जहाँ स्वच्छ, शीतल एवं सुरक्षित पेयजल की सतत व्यवस्था सुनिश्चित की जाती है।

सेवा की विशेषताएँ एवं उद्देश्य

इस पहल का मुख्य उद्देश्य गर्मी के प्रभाव से उत्पन्न स्वास्थ्य जोखिमों को कम करना तथा आम नागरिकों को सहज रूप से पेयजल उपलब्ध कराना है। विशेष रूप से दैनिक मजदूर, राहगीर एवं आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के लोग इस सेवा से लाभान्वित होते हैं। यह सेवा न केवल प्यास बुझाने का माध्यम है, बल्कि मानवीय संवेदनाओं एवं सामाजिक दायित्व के निर्वहन का भी प्रतीक है।

सामाजिक प्रभाव

निःशुल्क प्याऊ सेवा के माध्यम से रेडक्रॉस सिंगरौली ने समाज में सहयोग, करुणा एवं सेवा भावना का उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत किया है। इस सेवा से प्रतिदिन बड़ी संख्या में नागरिक लाभान्वित होते हैं, जिससे उन्हें भीषण गर्मी में राहत एवं सुरक्षा का अनुभव होता है।

भारतीय रेडक्रॉस सोसायटी, सिंगरौली की यह पहल केवल एक सेवा कार्यक्रम नहीं, बल्कि मानवता के प्रति समर्पण का जीवंत उदाहरण है। निःशुल्क प्याऊ सेवा के माध्यम से यह संस्था समाज के प्रत्येक व्यक्ति तक राहत पहुँचाने के अपने उद्देश्य को सफलतापूर्वक साकार कर रही है तथा जनकल्याण के क्षेत्र में निरंतर महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है।

भीषण गर्मी में आमजन को राहत पहुंचाने के लिए रेडक्रॉस सोसायटी सिंगरौली की एक मानवीय पहल

राष्ट्रीय पर्वों पर राष्ट्रभक्ति एवं जनजागरण कार्यक्रमों का आयोजन

इंडियन रेडक्रॉस सोसायटी, जिला शाखा सिंगरौली द्वारा प्रतिवर्ष राष्ट्रीय पर्वों—स्वतंत्रता दिवस (15 अगस्त) एवं गणतंत्र दिवस (26 जनवरी)—को अत्यंत गरिमामय, उत्साहपूर्ण एवं प्रेरणादायी वातावरण में मनाया जाता है। इन पावन अवसरों पर राष्ट्रीय ध्वज फहराकर राष्ट्रगान के साथ कार्यक्रमों का शुभारंभ किया जाता है तथा देश की स्वतंत्रता, लोकतांत्रिक मूल्यों एवं संविधान के प्रति सम्मान व्यक्त किया जाता है।

रेडक्रॉस संस्था इन आयोजनों को केवल औपचारिक समारोह तक सीमित न रखकर सामाजिक चेतना, राष्ट्रीय एकता एवं जनसेवा के संदेश से जोड़ती है। कार्यक्रमों के अंतर्गत देशभक्ति गीत, भाषण, निबंध, कविता पाठ, सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ, समूह गान, प्रेरक संवाद एवं जनजागरण गतिविधियों का आयोजन किया जाता है, जिनमें छात्र-छात्राएँ, युवा वर्ग, स्वयंसेवक एवं आमजन उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हैं।

इन अवसरों पर विशेष रूप से बालिका खुला आश्रय गृह की बालिकाओं, युवाओं एवं विभिन्न सामाजिक संस्थाओं को भी जोड़ा जाता है, जिससे उनमें आत्मविश्वास, अनुशासन, राष्ट्रप्रेम एवं सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना विकसित हो सके। सांस्कृतिक कार्यक्रमों के माध्यम से भारत की समृद्ध परंपरा, विविधता में एकता तथा सामाजिक समरसता का संदेश प्रभावी रूप से प्रसारित किया जाता है।

कार्यक्रमों में स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों, राष्ट्रनिर्माताओं एवं महान विभूतियों के त्याग, संघर्ष और आदर्शों का स्मरण कर नई पीढ़ी को प्रेरित किया जाता है। साथ ही स्वच्छता, स्वास्थ्य जागरूकता, रक्तदान, मानव सेवा, पर्यावरण संरक्षण एवं आपदा प्रबंधन जैसे विषयों पर भी उपयोगी संदेश प्रदान किए जाते हैं।

इंडियन रेडक्रॉस सोसायटी सिंगरौली का यह सतत प्रयास रहता है कि राष्ट्रीय पर्व केवल उत्सव न होकर नागरिक कर्तव्यों, सामाजिक सहभागिता एवं मानवीय मूल्यों के संवर्धन का माध्यम बनें। संस्था इन आयोजनों के द्वारा समाज में सेवा, सद्भाव, अनुशासन, जिम्मेदारी एवं राष्ट्रहित की भावना को निरंतर सुदृढ़ करने का कार्य कर रही है।

इंडियन रेडक्रॉस सोसायटी सिंगरौली द्वारा आयोजित जनजागरण और देशभक्ति कार्यक्रम की एक झलक

विश्व मजदूर दिवस पर 222 श्रमिकों का निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण एवं दवा वितरण

इंडियन रेडक्रॉस सोसायटी, जिला शाखा सिंगरौली द्वारा 01 मई विश्व मजदूर दिवस के अवसर पर रामलीला मैदान के समीप अंबेडकर चौक पर निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण एवं दवा वितरण शिविर का आयोजन किया गया। यह शिविर श्रमिकों, उनके परिवारजनों, महिलाओं एवं बच्चों के लिए आयोजित किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में लोगों ने सहभागिता कर लाभ प्राप्त किया।

कार्यक्रम में श्रमिकों के योगदान को सम्मान देते हुए उनके स्वास्थ्य संरक्षण एवं सामाजिक सुरक्षा पर विशेष बल दिया गया। साथ ही शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी भी प्रदान की गई।

शिविर में कुल 222 महिला एवं पुरुष श्रमिकों का निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। इसमें ब्लड प्रेशर, ब्लड शुगर, हीमोग्लोबिन एवं रक्त समूह की जांच की गई। परीक्षण उपरांत चिकित्सकीय परामर्श दिया गया तथा जरूरतमंदों को निःशुल्क दवाइयों का वितरण किया गया।

इसके अतिरिक्त जिला दिव्यांग पुनर्वास केंद्र द्वारा सहायक उपकरण, कृत्रिम अंग, श्रवण जांच एवं फिजियोथेरेपी संबंधी सेवाओं की जानकारी भी उपलब्ध कराई गई। यह आयोजन रेडक्रॉस सोसायटी की सेवा, संवेदना एवं जनकल्याण के प्रति सतत प्रतिबद्धता का प्रेरणादायी उदाहरण रहा।

विश्व मजदूर दिवस के अवसर पर रेडक्रॉस सोसायटी द्वारा आयोजित निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण एवं दवा वितरण शिविर

राष्ट्रीय क्षय एवं कुष्ठ रोग उन्मूलन हेतु गोद लिए गए मरीजों को पोषण सहायता वितरण

इंडियन रेडक्रॉस सोसायटी, जिला शाखा सिंगरौली द्वारा जनस्वास्थ्य संवर्धन एवं मानवीय सेवा के संकल्प के अंतर्गत राष्ट्रीय क्षय रोग उन्मूलन कार्यक्रम तथा कुष्ठ रोग नियंत्रण अभियान में सक्रिय सहभागिता निभाई जा रही है। इसी क्रम में संस्था द्वारा क्षय रोग एवं कुष्ठ रोग से पीड़ित चिन्हित 25 मरीजों को गोद लेकर उनके उपचार काल में आवश्यक पोषण सहायता उपलब्ध कराई जा रही है, जिससे उनके स्वास्थ्य में शीघ्र सुधार हो सके तथा उपचार प्रक्रिया प्रभावी रूप से पूर्ण हो सके।

स्वास्थ्य विभाग के सहयोग से संचालित इस जनहितकारी पहल के अंतर्गत जिले के विभिन्न क्षेत्रों से चयनित मरीजों को नियमित रूप से पोषण सामग्री प्रदान की जाती है। संस्था का उद्देश्य केवल आर्थिक सहयोग देना नहीं, बल्कि रोगियों में आत्मविश्वास जगाना, उपचार के प्रति जागरूक करना तथा समाज में सकारात्मक संदेश प्रसारित करना है।

क्षय रोग एवं कुष्ठ रोग जैसे रोगों में औषधीय उपचार के साथ संतुलित एवं पौष्टिक आहार का विशेष महत्व होता है। इसी तथ्य

को ध्यान में रखते हुए रेडक्रॉस सोसायटी द्वारा गोद लिए गए मरीजों को प्रतिमाह पोषण किट वितरित की जाती है। इस किट में प्रोटीन एवं पोषक तत्वों से युक्त खाद्य सामग्री जैसे दाल, चना, मूंगफली, सोयाबीन, गुड़ तथा अन्य आवश्यक सामग्री सम्मिलित की जाती है, जिससे रोगियों की रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़े और स्वास्थ्य लाभ में सहायता मिले।

संस्था द्वारा रोगियों को उपचार के दौरान नियमित दवा सेवन, चिकित्सकीय परामर्श का पालन, स्वच्छता, संतुलित भोजन एवं समय-समय पर स्वास्थ्य परीक्षण कराने के लिए भी प्रेरित किया जाता है। साथ ही समाज में फैली भ्रांतियों को दूर करने एवं इन रोगों के प्रति जागरूकता बढ़ाने हेतु भी सतत प्रयास किए जाते हैं।

इंडियन रेडक्रॉस सोसायटी सिंगरौली का यह मानवीय प्रयास समाज के कमजोर एवं जरूरतमंद वर्गों के प्रति संस्था की संवेदनशीलता और सेवा भावना का उत्कृष्ट उदाहरण है। संस्था निरंतर स्वास्थ्य, पोषण, पुनर्वास एवं जनकल्याण से जुड़े कार्यों के माध्यम से मानव सेवा के अपने उद्देश्य को सार्थक रूप प्रदान कर रही है।

सेवा पखवाड़े के अंतर्गत क्षय रोग जागरूकता अभियान एवं फूड बास्केट वितरण कार्यक्रम सम्पन्न |क्षय रोग जागरूकता कार्यक्रम एवं पोषण किट आहार वितरण

अंतरराष्ट्रीय सांकेतिक भाषा दिवस (Sign language Day) पर विशेष कार्यक्रम आयोजित

इंडियन रेडक्रॉस सोसायटी, जिला शाखा सिंगरौली द्वारा संचालित जिला दिव्यांग पुनर्वास केंद्र (डीडीआरसी) में सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग के सहयोग से अंतरराष्ट्रीय सांकेतिक भाषा दिवस गरिमामय वातावरण में आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य श्रवण बाधित एवं मूक-बधिर दिव्यांगजनों के लिए सांकेतिक भाषा के महत्व तथा उनके अधिकारों के प्रति जागरूकता बढ़ाना था।

कार्यक्रम में बताया गया कि सांकेतिक भाषा केवल संवाद का माध्यम नहीं, बल्कि श्रवण बाधित दिव्यांगजनों के शिक्षा, आत्मविश्वास, व्यक्तित्व विकास एवं सामाजिक सहभागिता का सशक्त आधार है। द्विभाषिय के माध्यम से दिव्यांगजनों की समस्याओं एवं आवश्यकताओं को सुनकर समाधान हेतु आवश्यक पहल पर चर्चा की गई।

इस अवसर पर आत्मनिर्भरता, कौशल विकास, रोजगार के अवसर एवं शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी प्रदान की गई। साथ ही समावेशी समाज के निर्माण तथा दिव्यांगजनों को मुख्यधारा से जोड़ने पर विशेष बल दिया गया।

यह आयोजन रेडक्रॉस सोसायटी सिंगरौली की दिव्यांगजन कल्याण एवं मानव सेवा के प्रति प्रतिबद्धता का प्रेरणादायी उदाहरण रहा।

अंतरराष्ट्रीय सांकेतिक भाषा दिवस पर श्रवण बाधित दिव्यांगजनों के विकास पर केंद्रित हुआ विशेष आयोजन

विश्व दिव्यांग दिवस

दिनांक 03 दिसंबर को विश्व दिव्यांग दिवस के अवसर पर जिला प्रशासन एवं इंडियन रेडक्रॉस सोसायटी, सिंगरौली के संयुक्त तत्वावधान में चून कुमारी स्टेडियम, बैढन में विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य दिव्यांगजनों के अधिकारों, सम्मान एवं सशक्तिकरण के प्रति जागरूकता बढ़ाना था।

कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। इस अवसर पर दिव्यांग बच्चों एवं युवाओं द्वारा गीत, नृत्य, खेलकूद प्रतियोगिताएँ तथा सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ दी गई। विभिन्न संस्थाओं से आए प्रतिभागियों ने कला एवं खेल गतिविधियों में उत्साहपूर्वक भाग लेकर अपनी प्रतिभा का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया।

रेडक्रॉस सोसायटी द्वारा संचालित जिला दिव्यांग पुनर्वास केंद्र (डीडीआरसी) के माध्यम से कृत्रिम उपकरण, श्रवण परीक्षण, फिजियोथेरेपी एवं पुनर्वास सेवाओं से संबंधित जागरूकता स्टॉल लगाए गए। साथ ही दिव्यांगजनों का पंजीयन कर आवश्यकतानुसार श्रवण यंत्र, बैसाखी, छड़ी, व्हीलचेयर एवं अन्य सहायक उपकरण निःशुल्क प्रदान किए गए।

कार्यक्रम में सभी उपस्थित दिव्यांगजनों के लिए भोजन एवं कंबल वितरण की व्यवस्था भी की गई। यह आयोजन दिव्यांगजन सशक्तिकरण, समावेशी समाज एवं मानव सेवा के प्रति रेडक्रॉस सोसायटी की प्रतिबद्धता का प्रेरणादायी उदाहरण रहा।

अंतरराष्ट्रीय दिव्यांगजन दिवस के अवसर पर राजमाता चूनकुमारी स्टेडियम, बैढन में आयोजित जिला स्तरीय समारोह का एक दृश्य।

जिला जेल बैढ़न में रेडक्रॉस की मानवीय पहल

रेडक्रॉस सिंगरौली एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा जिला जेल बैढ़न में सराहनीय कार्यक्रम आयोजित किया गया। मुख्य अतिथि जिला न्यायाधीश श्री अतुल कुमार खण्डेलवाल की उपस्थिति में बंदियों को वाद्य यंत्र एवं बच्चों को खेल सामग्री व शॉल वितरित किए गए। इसका उद्देश्य बंदियों एवं उनके परिजनों को मानसिक-सामाजिक संबल प्रदान करना है।

माननीय जिला एवं सत्र न्यायाधीश श्री अतुल कुमार खण्डेलवाल बंदियों को म्यूजिकल इंस्ट्रूमेंट प्रदान करते हुए

सांसद डॉ. राजेश मिश्रा ने दिलाई नशा मुक्ति की शपथ

सांसद डॉ. राजेश मिश्रा द्वारा नशा मुक्त अभियान के अंतर्गत इंडियन रेडक्रॉस सोसायटी के सदस्यों को नशा मुक्ति की शपथ दिलाई गई। उन्होंने अपने उद्बोधन में कहा कि नशामुक्त समाज का निर्माण स्वस्थ एवं सशक्त राष्ट्र की आधारशिला है। इस अवसर पर रेडक्रॉस के सदस्यों ने पूर्ण निष्ठा के साथ नशे से दूर रहने तथा समाज में जनजागरूकता फैलाने का संकल्प लिया।

सांसद डॉ. राजेश मिश्रा की उपस्थिति में नशा मुक्ति की शपथ लेते इंडियन रेडक्रॉस सोसायटी के सदस्य

सेवा पखवाड़ा अंतर्गत मातृत्व एवं शिशु कल्याण कार्यक्रम

सेवा पखवाड़ा के अंतर्गत रेडक्रॉस सोसायटी, सिंगरौली द्वारा गर्भवती एवं धात्री महिलाओं को पोषण आहार किट वितरित की गई। साथ ही शिशुओं के स्वास्थ्य परीक्षण कर निःशुल्क दवाओं का वितरण किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य को सुदृढ करना रहा।

सेवा पखवाड़ा के अंतर्गत मातृ-शिशु कल्याण एवं पोषण आहार वितरण कार्यक्रम।

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर महिला सम्मान समारोह आयोजित

दिनांक 08 मार्च को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर इंडियन रेडक्रॉस सोसायटी, सिंगरौली द्वारा केंद्रीय कार्यालय परिसर में महिला सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य महिलाओं के सम्मान, अधिकारों, समान अवसर एवं सशक्तिकरण के प्रति जागरूकता बढ़ाना था।

इस अवसर पर विभिन्न क्षेत्रों में योगदान देने वाली महिलाओं का सम्मान किया गया तथा उनके सामाजिक एवं पारिवारिक योगदान को सराहा गया। वक्ताओं ने कहा कि नारी समाज और राष्ट्र निर्माण की आधारशिला है तथा महिलाओं का सम्मान ही प्रगतिशील समाज की पहचान है।

कार्यक्रम में महिलाओं की शिक्षा, स्वास्थ्य, आत्मनिर्भरता, सुरक्षा एवं समान भागीदारी जैसे विषयों पर विचार व्यक्त किए गए। वर्ष 2025 की थीम "एक्सिलरेट एक्शन" के अनुरूप महिलाओं के अधिकारों को बढ़ावा देने एवं जागरूकता बढ़ाने का संदेश दिया गया।

यह आयोजन महिला सम्मान, समानता एवं सशक्त समाज निर्माण के प्रति रेडक्रॉस सोसायटी की प्रतिबद्धता का प्रेरणादायी उदाहरण रहा।

इंडियन रेडक्रॉस सोसायटी सिंगरौली द्वारा आयोजित महिला सम्मान एवं सशक्तिकरण समारोह की झलकियां

स्वामी विवेकानंद जयंती सेवा सप्ताह के अंतर्गत 36 मोतियाबिंद मरीजों का सफल नेत्र ऑपरेशन एवं कंबल वितरण

स्वामी विवेकानंद जयंती सेवा सप्ताह के अवसर पर इंडियन रेडक्रॉस सोसायटी, जिला शाखा सिंगरौली द्वारा मानव सेवा एवं जनस्वास्थ्य कल्याण की भावना से विशेष नेत्र चिकित्सा सेवा कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम के अन्तर्गत दो चरण में कुल 36 जरूरतमंद मोतियाबिंद मरीजों को उपचार हेतु बैढ़न स्थित चिकित्सालय में लाकर उनका सफल ऑपरेशन कराया गया तथा आवश्यकतानुसार लैंस प्रत्यारोपण की प्रक्रिया पूर्ण की गई।

यह सेवा अभियान विशेष रूप से उन मरीजों के लिए संचालित किया गया, जो आर्थिक अथवा अन्य कारणों से समय पर उपचार प्राप्त नहीं कर पा रहे थे। नेत्र विशेषज्ञों की देखरेख में सभी मरीजों का सुरक्षित एवं सफल ऑपरेशन संपन्न हुआ, जिससे उन्हें दृष्टि सुधार का लाभ प्राप्त हुआ और उनके जीवन में नई आशा का संचार हुआ।

शीत ऋतु को ध्यान में रखते हुए सभी लाभार्थी मरीजों को रेडक्रॉस सोसायटी द्वारा कंबल वितरित किए गए। इस सहयोग से संस्था ने चिकित्सा सेवा के साथ-साथ मानवीय संवेदना का भी उत्कृष्ट परिचय दिया। मरीजों एवं उनके परिजनों ने इस पहल के प्रति हर्ष व्यक्त करते हुए संस्था का आभार प्रकट किया।

रेडक्रॉस सोसायटी सिंगरौली द्वारा यह संकल्प व्यक्त किया गया कि सेवा सप्ताह के अंतर्गत तथा आगामी समय में भी इसी

प्रकार के नेत्र उपचार, स्वास्थ्य परीक्षण एवं जनहितकारी चिकित्सा शिविर निरंतर आयोजित किए जाएंगे, ताकि अधिक से अधिक जरूरतमंद नागरिकों को स्वास्थ्य सुविधाओं का लाभ मिल सके।

कार्यक्रम में रेडक्रॉस पदाधिकारीगण, चिकित्सकगण, स्वयंसेवक, सामाजिक कार्यकर्ता एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे तथा सभी ने सेवा कार्य में सक्रिय सहयोग प्रदान किया। यह आयोजन इंडियन रेडक्रॉस सोसायटी सिंगरौली की जनसेवा, स्वास्थ्य संरक्षण एवं मानवता के प्रति समर्पित भावना का प्रेरणादायी उदाहरण रहा। संस्था निरंतर समाज के कमजोर एवं जरूरतमंद वर्गों तक राहत और उपचार पहुँचाने के लिए प्रतिबद्ध है।

इंडियन रेडक्रॉस सोसायटी सिंगरौली द्वारा आयोजित नि:शुल्क मोतियाबिंद ऑपरेशन एवं कंबल वितरण शिविर

जनसहभागिता से सशक्त सेवा अभियान : रेडक्रॉस सिंगरौली की जनकल्याणकारी पहल

इंडियन रेडक्रॉस सोसायटी, जिला शाखा सिंगरौली ने बीते वर्षों में जनसहयोग, सामाजिक सहभागिता एवं संस्थागत समन्वय के माध्यम से सेवा कार्यों का एक सशक्त मॉडल स्थापित किया है। संस्था का मूल उद्देश्य जरूरतमंद, असहाय, वंचित एवं संकटग्रस्त नागरिकों तक समय पर राहत, सहायता एवं आवश्यक सेवाएँ पहुँचाना है। इसी संकल्प के साथ रेडक्रॉस सिंगरौली ने स्वास्थ्य, पोषण, शिक्षा, पुनर्वास, आपदा राहत एवं सामाजिक जागरूकता के विविध क्षेत्रों में उल्लेखनीय कार्य संपादित किए हैं।

संस्था की विशेषता यह रही है कि इसके कार्य केवल चिकित्सा सहायता तक सीमित नहीं रहे, बल्कि समाज के सर्वांगीण विकास को केंद्र में रखकर योजनाबद्ध रूप से संचालित किए गए। स्वास्थ्य शिविर, रक्तदान अभियान, नि:शुल्क दवा वितरण, दिव्यांगजन पुनर्वास, पोषण सहायता, प्राथमिक उपचार प्रशिक्षण, जनजागरूकता कार्यक्रम, स्वच्छता अभियान एवं राहत सेवाओं के माध्यम से हजारों लोगों को प्रत्यक्ष लाभ प्रदान किया गया।

रेडक्रॉस सिंगरौली ने जिला प्रशासन, स्वास्थ्य विभाग, पुलिस प्रशासन, नगर निगम, पंचायत विभाग तथा अन्य शासकीय संस्थाओं के साथ समन्वय स्थापित कर अनेक जनहितकारी कार्यक्रम सफलतापूर्वक संचालित किए। आपदा अथवा आपातकालीन परिस्थितियों में संस्था ने त्वरित राहत पहुँचाकर मानव सेवा के अपने दायित्व का उत्कृष्ट निर्वहन किया।

औद्योगिक प्रतिष्ठानों, व्यापारिक संस्थानों, बैंकिंग क्षेत्र, चिकित्सालयों एवं सामाजिक संगठनों ने भी समय-समय पर रेडक्रॉस की गतिविधियों को सहयोग प्रदान किया। कॉर्पोरेट

सामाजिक उत्तरदायित्व (CSR) के अंतर्गत अनेक संस्थाओं द्वारा चिकित्सा उपकरण, स्वास्थ्य सेवाएँ, पोषण सामग्री, प्रशिक्षण सहयोग एवं जनहित कार्यक्रमों में सहभागिता दी गई, जिससे संस्था की सेवाओं का दायरा और अधिक विस्तृत हुआ।

सामाजिक एवं धार्मिक संगठनों, स्वयंसेवी संस्थाओं तथा स्थानीय नागरिकों के सहयोग से जरूरतमंदों तक भोजन, वस्त्र, कंबल, औषधि एवं राहत सामग्री पहुँचाने का कार्य भी निरंतर किया गया। इससे समाज में सहयोग, संवेदना एवं मानवीय एकता की भावना को बल मिला।

रेडक्रॉस सिंगरौली द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं में विशेष रूप से रक्तदान शिविर, दिव्यांगजन सहायता शिविर, श्रमिक स्वास्थ्य परीक्षण, महिला सशक्तिकरण कार्यक्रम, बाल कल्याण गतिविधियाँ, वरिष्ठ नागरिक सहयोग, प्राथमिक चिकित्सा प्रशिक्षण तथा स्वास्थ्य जागरूकता अभियानों को व्यापक सराहना प्राप्त हुई।

संस्था का सतत प्रयास रहा है कि समाज के प्रत्येक वर्ग तक सेवाओं की पहुँच सुनिश्चित हो तथा किसी भी जरूरतमंद व्यक्ति को सहायता के अभाव में कठिनाई का सामना न करना पड़े। इसी उद्देश्य से स्वयंसेवकों का सशक्त नेटवर्क विकसित किया गया, जो सेवा कार्यों में सक्रिय भूमिका निभाता है।

इंडियन रेडक्रॉस सोसायटी, सिंगरौली जनविश्वास, समर्पण और सेवा भावना का प्रतीक बन चुकी है। जनसहभागिता से संचालित यह संस्था भविष्य में भी अधिक प्रभावी, व्यापक एवं संवेदनशील सेवाओं के माध्यम से मानवता की सेवा हेतु निरंतर अग्रसर रहने के लिए संकल्पित है ।

निगमित सामाजिक उत्तरदायित्व (CSR) के अंतर्गत सहयोगी संस्थाएं

- NTPC VSTPS
- NTPC SSTPS
- NTPC RSTPS
- NORTHERN COALFIELDS LIMITED
- CMPDI JAYANT
- HINDALCO MAHAN, BARGAWAN
- ADANI FOUNDATION
- MEIL POWER ANPARA
- RELIANCE SASAN POWER & COAL MINES
- SUHASHINI SEVA SANGH
- POWER GRID CORPORATION OF INDIA LTD. VINDHYACHAL

सुहासिनी संघ द्वारा जिला दिव्यांग पुनर्वास केंद्र में आयोजित कल्याणकारी गतिविधि की एक झलक

रेडक्रॉस ब्लड बैंक | एनटीपीसी विंध्याचल परियोजना के ईडी ने किया शुभारंभ, दोनों ब्लड सेपरेशन मशीनों में आई खराबी, इंजीनियर दुरुस्त करने में जुटे

अब 1 यूनिट रक्त से निकाल सकेंगे 4 कंपोनेंट, 4 मरीजों को होगा लाभ

विशेष संवाददाता | सिंगरौली (वैढ़न)

सार्वजनिक क्षेत्र की विभिन्न कंपनियों के वित्तीय सहयोग और रेडक्रॉस ब्लड बैंक के माध्यम से शनिवार को सिंगरौली में एक और महत्वपूर्ण चिकित्सा सुविधा की शुरुआत हुई है। जिससे एक यूनिट रक्त के चारों कंपोनेंट आरबीसी, प्लेटलेट्स, प्लाज्मा व क्रॉयोप्रेसिपिटेट को आसानी से अलग कर चार जरूरतमंद मरीजों की जरूरत पूरी की जा सकेगी। अभी किसी मरीज को इन चारों कंपोनेंट में से किसी की जरूरत होती थी तो जिले के बाहर से मंगाना या फिर मरीज को ही ले जाना पड़ता था। एनटीपीसी विंध्याचल परियोजना के कार्यकारी निदेशक ई. सत्य फणि कुमार ने पूजा-अर्चना कर ब्लड कंपोनेंट सेपरेशन यूनिट का शुभारंभ किया। इस यूनिट में स्थापित सभी नवीन उपकरणों का अवलोकन करने के साथ ही उन्होंने उनकी कार्यप्रणाली के बारे में जाना। वहीं इंडियन रेडक्रॉस सोसायटी सिंगरौली के सचिव डॉ. डीके मिश्रा ने स्वैच्छिक रक्तदान से इस मौके को यादगार बनाते हुए इसे चिकित्सा क्षेत्र में मील का पत्थर बताया। हालांकि, शुभारंभ से पहले जांच करने के उद्देश्य से कंपोनेंट को अलग-अलग निकालने के लिए दोनों मशीनों में ब्लड लगाया गया तो तकनीकी खराबी के कारण सेपरेशन की प्रक्रिया नहीं हुई। शुक्रवार को आधी रात तक इंजीनियर उसे दुरुस्त करने में जुटे रहे। बताया जा रहा है कि मशीनें शनिवार को भी दुरुस्त नहीं हो पाई थीं। उन्हें ठीक करने के लिए कंपनी की ओर से बाहर से इंजीनियर भेजे जाने की बात कही जा रही है। इस एक गतिरोध के बाद भी यूनिट का शुभारंभ किया गया। कहा जा रहा है कि बाहर से इंजीनियर के आने के बाद जो भी खराबी है वह दूर कर ली जाएगी।

ब्लड सेंटर की संग्रहण क्षमता 900 यूनिट

रेडक्रॉस सोसायटी सिंगरौली के चेयरमैन एसडी सिंह ने बताया कि ब्लड सेंटर की संग्रहण क्षमता 900 यूनिट है, जबकि प्रतिदिन औसतन 22 यूनिट रक्त की खपत होती है। अब ब्लड कंपोनेंट यूनिट के माध्यम से डेंगू, मलेरिया, गंभीर चोट सहित जलने की घटनाओं, सर्जरी आदि में मरीजों को उनकी जरूरत का ब्लड कंपोनेंट उपलब्ध कराना आसान हो जाएगा। ब्लड सेंटर द्वारा सिंगरौली और आसपास के अन्य जिलों के थैलेसीमिया एवं सिकल सेल मरीजों को निःशुल्क रक्त उपलब्ध कराया जाता है। इसमें इन सभी मरीजों को होल ब्लड दिया जाता है, लेकिन अब कंपोनेंट सेपरेशन यूनिट के संचालित होने से उनकी जरूरत अनुसार पीआरबीसी रक्त दिया जा सकेगा, इससे उनके जीवन की प्रत्याशा और बढ़ जाएगी। ज्यादातर मरीजों को होल ब्लड की नहीं, बल्कि उन्हें कंपोनेंट की आवश्यकता होती है।

उपकरणों के लिए इन कंपनियों ने दिया सहयोग

ब्लड कंपोनेंट यूनिट में करीब 52 लाख की मशीनें स्थापित की गई हैं। जिसमें पावर ग्रिड ऑफ इंडिया लिमिटेड विंध्याचल ने ब्लड कंपोनेंट अलग करने की दो मशीनें दी हैं। वहीं हिंडालको बरगवां ने डीप फ्रीजर दिया है, जिसमें माइनस 86 डिग्री तापमान में प्लाज्मा सुरक्षित रखा जाएगा। एनटीपीसी विंध्याचल ने भी कुछ मशीनों के लिए वित्तीय मदद सहित भवन व विद्युत आपूर्ति की व्यवस्था की है।

कम दाम में उपलब्ध होगा प्लेटलेट्स

एक मशीन में कंपोनेंट निकालने के लिए 12 ब्लड बैग लगाए जा सकेंगे तो दूसरी में आठ बैग। इसमें तीन मुख्य पार्ट हैं। पैक्ड आरबीसी, प्लेटलेट्स और प्लाज्मा। ज्यादातर को खून की कमी के लिए आरबीसी की जरूरत होती है। डेंगू या अन्य बुखार में घटने पर प्लेटलेट्स चाहिए और आग से जलने के केसेज में मुख्यतः प्लाज्मा की जरूरत होती है। अभी हमारे पास जो मशीन है उससे जो प्लेटलेट निकलता है वह 11 हजार रुपये में पड़ता है और उसे निकालने में एक घंटे लगते हैं, मगर अब कम समय और कम दाम में यह उपलब्ध हो सकेगा। वैसे भी कई राज्यों ने होल ब्लड देने पर रोक लगा दी है। मरीज को जिस कंपोनेंट की जरूरत होती है वही दिया जाता है। अब होल ब्लड की जगह अलग-अलग कंपोनेंट का लाइसेंस ही दिया जाता है। होल ब्लड में प्लाज्मा भी रहता है, उसमें तमाम तरह की एंटीबॉडी होती है। जो शरीर में जाने के बाद रिएक्शन के कारण नुकसान पहुंचाती है। वह कई तरह के एंटीबॉडी बनने का कारण भी बनती है।
– डॉ. आरडी द्विवेदी, मेडिकल डायरेक्टर, रेडक्रॉस ब्लड बैंक

शुभारंभ के अवसर पर इनकी रही उपस्थिति ▪ इस मौके पर एनटीपीसी के कॉरपोरेट मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. बिमलेश चंद्र चतुर्वेदी, महाप्रबंधक एनआर राकेश अरोड़ा, महाप्रबंधक पावर ग्रिड एलबी दुबे, रेडक्रॉस सोसायटी के चेयरमैन एसडी सिंह, वाइस चेयरमैन गोविंद प्रसाद पांडेय, ब्लड बैंक के मेडिकल डायरेक्टर डॉ. आरडी द्विवेदी, जोपी सिंह राजाराम केशरी प्रबंध समिति सदस्य सहित कई लोग मौजूद रहे। ब्लड सेंटर के समर्पित सेवायुक्त हरिशंकर गुप्ता, जय प्रकाश दुबे, सुनीता शाह, राजेश रजक, सूरज प्रकाश सेन, शिवानी सिंह, कृष्ण कुमार शाह, निभा द्विवेदी, राकेश प्रजापति, प्रगति शाह, खातून, प्रियंका दुबे, रेशम आदि की सहभागिता से यह कार्यक्रम संपन्न हुआ।

75 साल की आयु में बने हैं चिकित्सा क्षेत्र में सेवा के सिपाही

डॉक्टर्स डे पर विशेष: सिंगरौली में ब्लड बैंक और कंपोनेंट सेपरेशन यूनिट की स्थापना के सूत्रधार बने डॉ. आरडी द्विवेदी

विशेष संवाददाता | सिंगरौली (वैढ़न)

आपने बहुत कम चिकित्सकों को मरीजों के लिए रक्तदान करते देखा होगा। ऐसे ही गिनती के चिकित्सकों में डॉ. आरडी द्विवेदी भी हैं। इस वर्ष जिला अस्पताल में भर्ती महिला के लिए उन्होंने ए पॉजिटिव रक्तदान किया था। आज से 12 वर्ष पहले 31 जनवरी 2013 को एनसीएल के नेहरू चिकित्सालय से पैथालॉजिस्ट पद से सेवानिवृत्त हुए 75 वर्षीय डॉ. आरडी द्विवेदी का विचार एक ऐसा अस्पताल बनाने का था, जहां ब्लड बैंक संग अत्यंत कम शुल्क में जांच व उपचार की व्यवस्था होती। सेवानिवृत्ति के बाद एनटीपीसी ने उनसे संपर्क किया। इसी बीच सिंगरौली में होने वाली दुर्घटनाओं में घायलों व एनीमिया रोगियों की रक्त की कमी से होने वाली मौतों से चिंतित तत्कालीन कलेक्टर एम. सेलवेंद्रन को उनके बारे में पता चला तो मिलने के लिए बुलाया। एम. सेलवेंद्रन ने उनसे ब्लड बैंक स्थापना की प्रक्रिया पूछी और इसका नेतृत्व करने का अनुरोध किया। अगले दिन कलेक्टर डॉ. आरडी द्विवेदी को लेकर एनटीपीसी [illegible] के अस्पताल गए। तीन कक्षों की मांग के साथ उपकरणों और मैनपॉवर की लिस्ट एनटीपीसी को दी गई।

रेडक्रॉस का पंजीयन कराया, सदस्य भी बनाए

रेनोवेशन के बाद जुलाई 2014 में कक्ष और कुछ उपकरण हैंडओवर हुए। इसके बाद कलेक्टर डॉ. एम. सेलवेंद्रन ने डॉ. द्विवेदी को अपने नाम से लाइसेंस लेने की प्रक्रिया शुरू करने कहा तो उन्होंने यह कहते हुए मना कर दिया कि उनके जाने या न रहने पर लाइसेंस समाप्त हो जाएगा। ऐसे में उन्होंने रेडक्रॉस के नाम लाइसेंस [illegible] करने के लिए कहा। इसके बाद रेडक्रॉस सिंगरौली के पंजीयन से लेकर शुरुआती 100 सदस्य बनाने का जिम्मा उठाने के साथ डॉ. द्विवेदी ने 22 जुलाई 2014 को ब्लड बैंक लाइसेंस पाने के लिए आवेदन किया।

गत दिनों शुरू हुई ब्लड कंपोनेंट सेपरेशन यूनिट

आवेदन के तीन माह बाद 30 अक्टूबर 2013 को रेडक्रॉस सिंगरौली को ब्लड बैंक का लाइसेंस मिला। इस बीच डॉ. आरडी द्विवेदी ने जबलपुर जाकर 1 लाख रुपये के जरूरी सामग्री उधार में क्रय कर ले आए। फिर 3 नवंबर 2014 को ब्लड बैंक का शुभारंभ हुआ। इसके उपरांत एनटीपीसी के सहयोग से प्लेटलेट अलग करने की एफरेसिस मशीन की व्यवस्था कराने के बाद ब्लड कंपोनेंट सेपरेशन यूनिट स्थापना के प्रयास में जुटे। डॉ. आरडी द्विवेदी के दस साल के प्रयास के बाद गत दिनों रेडक्रॉस ब्लड बैंक एनटीपीसी अस्पताल में यह यूनिट भी शुरू हो गई। हालांकि, इसमें एनटीपीसी, पावर ग्रिड व हिंडालको के योगदान को सराहते [illegible] रखते हैं। वे कहते हैं कि यदि इनका साथ न होता तो कुछ न कर पाते।

22 दिव्यांगजनों के लिए एनसीएल ने दिये सहयोगी उपकरण

एनसीएल ने सीएसआर से दिया सहयोग, दिव्यांगजनों को सशक्त बनाने में ये होंगे उपयोगी

निज संवाददाता | सिंगरौली (वैढ़न)

जिला मुख्यालय वैढ़न स्थित जिला दिव्यांग पुनर्वास केन्द्र (डीडीआरसी) में बुधवार को कार्यक्रम दौरान 22 दिव्यांगों में आवश्यक सहयोगी उपकरण वितरित किये गये। ये उपकरण पाकर दिव्यांगजनों के भी चेहरे खुशी से खिल उठे। दरअसल, यहां दिव्यांगजनों को उनकी आवश्यकता के मुताबिक उपकरणों की उपलब्धता कोल इंडिया की सहयोगी कंपनी मिनीरत्न एनसीएल ने सीएसआर के तहत कराई। इसमें 22 दिव्यांगजनों में वितरित किये गये सहयोगी उपकरणों में 8 मोटराइज्ड ट्राइसाइकिल, 3 व्हील चेयर, 7 हियरिंग एड और 4 कृत्रिम अंग शामिल हैं। इन उपकरणों से दिव्यांगजन सशक्त एवं आत्मनिर्भर जीवन की ओर अग्रसर हो सकेंगे।

उपकरण पाने वाले दिव्यांगजन संग रेडक्रॉस-डीडीआरसी के पदाधिकारी, एनसीएल प्रतिनिधि।

वितरण के दौरान एनसीएल से ये रहे उपस्थित

इस अवसर पर एनसीएल की ओर से महाप्रबंधक सीएसआर राजीव रंजन, महाप्रबंधक वित्त गुलशन कुमार नारंग एवं उप प्रबंधक सीएसआर साजिद नसीम के साथ रेडक्रॉस के प्रतिनिधि भी उपस्थित रहे। बता दें कि एनसीएल ने अपने निगमित सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) के अंतर्गत जिले में सामाजिक सरोकारों से जुड़ी दो महत्वपूर्ण गतिविधियों का आयोजन किया। इन पहलों का उद्देश्य दिव्यांगजनों के जीवन स्तर में सुधार एवं बच्चों में स्वास्थ्य एवं स्वच्छता के प्रति जागरूकता बढ़ाना रहा।

खड़िया बस्ती में 306 बच्चों में सेफ्टी मेडिकल किट वितरित

इसके अलावा एनसीएल के खड़िया क्षेत्र के द्वारा अंबेडकर नगर एवं खड़िया बस्ती में 306 बच्चों में सेफ्टी मेडिकल किट का वितरण किया गया। साथ ही बच्चों को यह संदेश दिया गया कि जैसे अपने शरीर की स्वच्छता आवश्यक है, वैसे ही आसपास के वातावरण की स्वच्छता भी उतनी ही जरूरी है। कार्यक्रम के दौरान बच्चों में उत्साह एवं उल्लास का वातावरण देखने को मिला। एनसीएल सदैव अपने सीएसआर प्रयासों के माध्यम से क्षेत्रीय समुदायों के सर्वांगीण विकास एवं सामाजिक उत्थान हेतु प्रतिबद्ध रहा है और आगे भी ऐसी जनहितैषी पहलों को निरंतर जारी रखेगा। गौरतलब है कि एनसीएल ने कोयला उत्पादन के साथ साथ सीएसआर के तहत पिछले वित्तीय वर्ष 2024-25 में स्थानीय समुदाय के सर्वांगीण विकास पर 192 करोड़ की धनराशि खर्च की है।

विधायक राजेन्द्र मेश्राम ने दिव्यांग उपकरणों का किया वितरण

नवभारत न्यूज

सिंगरौली 28 नवम्बर। इंडियन रेडक्रॉस सोसाइटी सिंगरौली द्वारा संचालित जिला दिव्यांग पुनर्वास केंद्र डीडीआरसी में एनसीएल की सीएसआर पहल के तहत नि:शुल्क कृत्रिम सहायक उपकरण वितरण शिविर का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में देवसर विधायक राजेन्द्र मेश्राम ने मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित होकर दिव्यांगजन भाइयों-बहनों को आवश्यक उपकरण वितरित किए। विधायक ने कहा कि रेडक्रॉस सोसायटी द्वारा इन सहायक उपकरणों के माध्यम से दिव्यांगजन के जीवन में सुविधा, आत्मनिर्भरता और आत्मविश्वास बढ़ाने का सार्थक प्रयास किया गया है। उन्होंने कहा कि दिव्यांगजन हमारे समाज का अभिन्न हिस्सा हैं। उनकी चुनौतियाँ भले अलग हों, लेकिन उनके सपने और क्षमताएँ किसी भी तरह कम नहीं हैं। कार्यक्रम में रेडक्रॉस सोसायटी के चेयरमैन एसडी सिंह, सचिव डॉ. ओपी राय, ब्लड बैंक प्रभारी डॉ. आरडी द्विवेदी, प्रबंध समिति सदस्य डॉ. डीके मिश्रा, राजाराम केसरी, सीए मनोरमा शाहवाल सहित अन्य मौजूद रहे।

सेवा पखवाड़े के अंतर्गत एनटीपीसी विंध्याचल में स्वैच्छिक रक्तदान शिविर सम्पन्न

एनटीपीसी विंध्याचल एवं सीआईएसएफ यूनिट के संयुक्त तत्वाधान में 29 यूनिट रक्त संग्रहण

धानी न्यूज, सिंगरौली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस के उपलक्ष्य में 17 सितम्बर से 2 अक्टूबर 2025 तक सेवा पखवाड़ा मनाया जा रहा है।

यह कार्यक्रम रेडक्रॉस सोसायटी के प्रेसिडेंट सह कलेक्टर चंद्रशेखर शुक्ला के मार्गदर्शन में, चेयरमैन एस. डी. सिंह के निर्देशन तथा सचिव डॉ. ओ. पी. राय के नेतृत्व में आयोजित किया गया। इसी क्रम में इंडियन रेडक्रॉस सोसायटी, सिंगरौली द्वारा संचालित ब्लड सेंटर एवं एनटीपीसी विंध्याचल तथा सीआईएसएफ यूनिट के संयुक्त तत्वावधान में विंध्य चिकित्सालय, विंध्याचल में स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन 24 सितम्बर 2025 को प्रातः 10:00 बजे से अपराह्न 2:30 बजे तक किया गया।

इस शिविर में कुल 29 यूनिट रक्त का संग्रहण किया गया

रक्तदाताओं ने मानव सेवा की भावना से बढ़-चढ़कर भागीदारी निभाई और रक्तदान के महत्व को अपने कर्म से सार्थक किया। कार्यक्रम में एनटीपीसी विंध्याचल के मुख्य महाप्रबंधक एवं परियोजना प्रमुख संजीव कुमार साहा मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। इसके साथ ही डॉ. बी. के. भगली (सीएमओ, एनटीपीसी विंध्य चिकित्सालय), डॉ. प्रतिमा [illegible], डॉ. राजपाल सिंह, डॉ. अलोक कुमार, मानव संसाधन विभाग प्रमुख मुरलन सिंह, अखिल सिंह सहित अन्य गणमान्य नागरिकों ने अपनी गरिमामयी उपस्थिति दर्ज कराई।

रेडक्रॉस ब्लड सेंटर की ओर से इस शिविर में रेडक्रॉस सोसायटी सिंगरौली के सचिव डॉ. ओ. पी. राय, अतिरिक्त संचालक ब्लड सेंटर डॉ. एन. के. जैन, रेडक्रॉस सदस्य डॉ. सुशील सिंह चंदेल एवं अन्य सक्रिय सदस्यों की सहभागिता रही। साथ ही रेडक्रॉस ब्लड सेंटर के सेवायुक्तों द्वारा अथक प्रयास का कार्यक्रम को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

रक्तदान के महत्व को रेखांकित करते हुए वक्ताओं ने कहा कि एक यूनिट रक्त तीन अलग-अलग व्यक्तियों का जीवन बचा सकता है। नियमित स्वैच्छिक रक्तदान से न केवल जरूरतमंद मरीजों को जीवन मिलता है बल्कि यह दाता के स्वास्थ्य के लिए भी लाभकारी है। इस अवसर पर युवाओं को रक्तदान को जीवन का महत्वपूर्ण हिस्सा बनाने के लिए प्रेरित किया गया।

यह रक्तदान शिविर सेवा पखवाड़े की भावना को साकार करता है और समाज में मानवता एवं सहयोग की भावना को प्रोत्साहित करने की दिशा में एक सराहनीय प्रयास साबित हुआ।

व्हीलचेयर पाकर मुस्कुराई दिव्यांग दिल कुमारी

सिंगरौली रेडक्रॉस की मानवीय पहल से आत्मनिर्भरता की उम्मीद

भास्कर न्यूज | सिंगरौली (वैढ़न)

इंडियन रेडक्रॉस सोसायटी द्वारा संचालित जिला दिव्यांग पुनर्वास केंद्र में शुक्रवार को मानवता, संवेदना और सेवा का एक प्रेरणादायी उदाहरण देखने को मिला। ग्राम पंचायत बरहपान अंतर्गत ग्राम मुड़वनिया की निवासी लगभग 8 वर्षीय बालिका दिल कुमारी पिता छोहन लाल को उनके पिता द्वारा परीक्षण हेतु जिला दिव्यांग पुनर्वास केंद्र लाया गया। दिल कुमारी शासकीय विद्यालय में कक्षा तीन की छात्रा है।

वह जन्म से ही दिव्यांग है, जिसके कारण वह चलने-फिरने में पूर्णतः असमर्थ है। केंद्र केपी एंड ओ (प्रोस्थेटिक एवं ऑर्थोटिक) विभाग में कार्यरत विशेषज्ञ मुकुल किशोर एवं उनकी टीम द्वारा बच्ची का सूक्ष्म परीक्षण किया गया। परीक्षण उपरांत विशेषज्ञों द्वारा बताया गया कि यह सीटीईवी का प्रकरण है तथा उचित सर्जिकल उपचार के पश्चात बच्ची के चलने में सक्षम होने की पूर्ण संभावना है। कलेक्टर सह अध्यक्ष इंडियन रेडक्रॉस सोसाइटी गौरव बैनल के निर्देशन, रेडक्रॉस सोसायटी चेयरमैन एसडी सिंह के मार्गदर्शन एवं रेडक्रॉस सचिव डॉ. ओपी राय के नेतृत्व में बच्ची की वर्तमान आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए उसे तत्काल व्हीलचेयर सहायक उपकरण प्रदान किया गया। साथ ही बालिका को गरम कपड़े, स्कूल बस्ता एवं पानी की बोतल भी भेंट की गई।

दिल कुमारी को व्हील चेयर प्रदान करते रेडक्रॉस सोसायटी के चेयरमैन।

आत्मनिर्भरता की राह में बाधा बनी दिव्यांगता

व्हीलचेयर प्राप्त करते ही बालिका के चेहरे पर खुशी और आत्मविश्वास की झलक स्पष्ट दिखाई दी। बच्ची ने स्वयं व्हीलचेयर चलाकर यह संदेश दिया कि उचित सहयोग, संवेदनशीलता और समय पर सहायता से दिव्यांगता भी आत्मनिर्भरता की राह में बाधा नहीं बन सकती। इस अवसर पर अरविंद डामोर उप संचालक सामाजिक न्याय विभाग तथा दीपक सोनी समग्र विस्तार अधिकारी की गरिमामयी उपस्थिति रही। इस बच्ची को जिला दिव्यांग पुनर्वास केंद्र तक पहुंचाने में मीडिया प्रभारी का महत्वपूर्ण योगदान सराहनीय रहा। यह मानवीय सहायता संभव हो सकी।

सेवा पखवाड़े के अंतर्गत डीपीएस विंध्यनगर में सीपीआर प्रशिक्षण कार्यशाला सम्पन्न

रेडक्रॉस सोसायटी सिंगरौली द्वारा छात्रों को जीवन रक्षक तकनीक की जानकारी

जनसम्पर्क एक्सप्रेस ● सिंगरौली।

भारत के यशस्वी प्रधानमंत्री माननीय नरेंद्र मोदी जी के जन्मदिवस के उपलक्ष्य में 17 सितम्बर से 02 अक्टूबर 2025 तक सेवा पखवाड़ा मनाया जा रहा है। इसी क्रम में इंडियन रेडक्रॉस सोसायटी, सिंगरौली द्वारा दिल्ली पब्लिक स्कूल (डीपीएस) विंध्यनगर में प्राथमिक चिकित्सा प्रशिक्षण अंतर्गत सीपीआर (कार्डियो पल्मोनरी रिससिटेशन) पर कार्यशाला का आयोजन किया गया।

कार्यशाला का संचालन रेडक्रॉस सोसायटी सिंगरौली के फर्स्ट एड ट्रेनर डॉ. सुशील सिंह चंदेल ने किया। उन्होंने छात्रों को बताया कि सीपीआर एक

हर छात्र बनेगा जीवन रक्षक - सीपीआर का ज्ञान है सबसे बड़ा वरदान

आपातकालीन जीवन रक्षक तकनीक है, जो हृदयगति रुकने (Cardiac Arrest), डूबने, बिजली का झटका लगने, दम घुटने, जहरीली गैस के प्रभाव अथवा श्वसन रुक जाने जैसी परिस्थितियों में व्यक्ति को जीवनदान दे सकती है।

डॉ. चंदेल ने बताया कि जब किसी व्यक्ति की साँस या धड़कन अचानक बंद हो जाए, तब तुरंत सी पी आर देना चाहिए।उसके सीने 100-120 बार प्रति मिनट दबाव (Chest Compression) देना और बीच-बीच में कृत्रिम श्वसन (Mouth-to-Mouth Breathing) देना आवश्यक होता है। इस प्रक्रिया से मस्तिष्क और हृदय तक ऑक्सीजन की आपूर्ति बनी रहती है और व्यक्ति के जीवन बचने की संभावना कई गुना बढ़ जाती है।

प्रशिक्षण के दौरान सभी छात्रों को डमी (मॉडल) पर सीपीआर का व्यावहारिक अभ्यास भी कराया गया, जिससे उन्होंने छाती पर दबाव देने की सही गति और गहराई सीखी। छात्रों में इस प्रशिक्षण को लेकर विशेष उत्साह देखा गया।

इस अवसर पर डीपीएस विंध्यनगर के प्रिंसिपल डॉ जनार्दन पांडेय जी,श्रीमती रितु श्रीवास्तव, श्रीमती स्वाति जायसवाल एवं रेडक्रॉस सोसायटी के सचिव डॉ. ओ. पी. राय एवं रेडक्रॉस कोऑर्डिनेटर जय प्रकाश दुबे तथा स्कूल के छात्र, छात्राओं एवं स्कूल के टीचर्स के की गरिमामयी उपस्थिति रही। कार्यक्रम के दौरान लगभग 900 विद्यार्थियों की उपस्थिति रही । रेडक्रॉस सोसायटी का यह प्रयास छात्रों के लिए न केवल ज्ञानवर्धक रहा बल्कि उन्हें समाज के प्रति जिम्मेदारी और जीवन रक्षा कौशल सीखने का अवसर भी प्रदान किया।

बालिकाओं को समाज की मुख्य धारा से जोड़ना सराहनीय कदम : सविता

इंडियन रेडक्रॉस सोसायटी में हर्षोल्लास के साथ मना बाल दिवस

नवभारत न्यूज

सिंगरौली 14 नवम्बर । जिला मुख्यालय स्थित इंडियन रेडक्रॉस सोसायटी सिंगरौली द्वारा आज बाल दिवस का आयोजन डीडीआरसी भवन में हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुआ ।

यह दिवस भारत के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू के जन्मदिवस को स्मरण करते हुए बच्चों के महत्व और उनके भविष्य निर्माण को समर्पित है। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में ननि आयुक्त सविता प्रधान एवं रेडक्रॉस सोसायटी सिंगरौली के चेयरमैन एसडी सिंह मौजूद रहे। रेडक्रॉस सोसायटी के चेयरमैन एसडी सिंह ने विस्तार से जानकारी दी। वहीं मुख्य अतिथि ने अपने उद्बोधन में बालिकाओं को शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि रेडक्रॉस द्वारा बालिकाओं को समाज की मुख्य धारा से जोड़ने और कौशल प्रशिक्षण उपलब्ध कराने का प्रयास अत्यंत सराहनीय है, जो उनके उज्ज्वल भविष्य का मार्ग प्रशस्त करता है।

आपातकाल में जीवन रक्षक बना फर्स्ट एड, रेडक्रॉस का प्रशिक्षण कार्यक्रम संपन्न

विन्ध्य चेतना,सिंगरौली। इंडियन रेडक्रॉस सोसायटी सिंगरौली से संबद्ध सेंट जॉन एम्बुलेंस इंडिया द्वारा प्राथमिक चिकित्सा (फर्स्ट एड) प्रशिक्षण कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य आम नागरिकों, कर्मचारियों एवं युवाओं को आपातकालीन परिस्थितियों में त्वरित और प्रभावी सहायता प्रदान करने के लिए प्रशिक्षित करना रहा। आयोजन रेडक्रॉस चेयरमैन श्री एस.डी. सिंह के निर्देशन एवं सचिव डॉ. ओ.पी. राय के मार्गदर्शन में सम्पन्न हुआ। प्रशिक्षण फर्स्ट एड ट्रेनिंग ऑफिसर डॉ. सुशील सिंह चंदेल द्वारा दिया गया।

प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को सड़क दुर्घटना, हृदयाघात, अचानक बेहोशी, आग से जलने, सर्पदंश एवं कीट काटने जैसी आपात स्थितियों में प्राथमिक उपचार की जानकारी दी गई। साथ ही सीपीआर, श्वसन नली अवरुद्ध होने (चोकिंग) की स्थिति में जीवन रक्षक उपाय, अधिक रक्तस्राव रोकने की तकनीक और घायल व्यक्ति को सुरक्षित रूप से स्थानांतरित करने के व्यावहारिक अभ्यास कराए गए।

डॉ. सुशील सिंह चंदेल ने कहा कि चिकित्सकीय सहायता से पहले दिया गया सही फर्स्ट एड कई जिंदगियों को बचा सकता है। उन्होंने इसे हर व्यक्ति के लिए आवश्यक जीवन रक्षक ज्ञान बताया। प्रतिभागियों ने प्रशिक्षण को अत्यंत उपयोगी और व्यवहारिक बताया।कार्यक्रम के अंत में सभी प्रतिभागियों को सहभागिता प्रमाण पत्र प्रदान किए गए। आयोजन को सफल बनाने में श्री जय प्रकाश दुबे का विशेष योगदान रहा।

सेवा पखवाड़े के अंतर्गत सीपीआर प्रशिक्षण एवं सिकल सेल जागरूकता कार्यक्रम सम्पन्न

काल चिंतन कार्यालय

बैढ़न,सिंगरौली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस के उपलक्ष्य में 17 सितम्बर से 2 अक्टूबर तक मनाए जा रहे सेवा पखवाड़े के तहत इंडियन रेडक्रॉस सोसायटी, सिंगरौली द्वारा सोमवार, 22 सितम्बर को शासकीय अग्रणी महाविद्यालय बैढ़न में सीपीआर प्रशिक्षण एवं सिकल सेल जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया।

यह कार्यक्रम रेडक्रॉस सोसायटी के प्रेसिडेंट सह कलेक्टर चंद्रशेखर शुक्ला के मार्गदर्शन, चेयरमैन एस.डी. सिंह के निर्देशन तथा सचिव डॉ. ओ.पी. राय के नेतृत्व में सम्पन्न हुआ।

रेडक्रॉस फर्स्ट एड ट्रेनर डॉ. सुशील सिंह चंदेल ने सीपीआर तकनीक का प्रदर्शन करते हुए बताया कि हृदयगति या श्वास रुकने की स्थिति में तुरंत सीपीआर देने से जीवन बचाया जा सकता है। इसके बाद सिकल सेल एनीमिया पर जागरूकता व्याख्यान में पूर्व सचिव डॉ. डी.के. मिश्रा ने समय पर जांच और परामर्श को आवश्यक बताया।

कार्यक्रम में कॉलेज प्राचार्य डॉ. एम.यू. सिद्दीकी, प्रोफेसरगण, छात्र-छात्राएँ तथा रेडक्रॉस के अधिकारी व पदाधिकारी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। अंत में सिकल सेल पर आधारित शैक्षणिक वीडियो का प्रदर्शन भी किया गया।

यह आयोजन सेवा पखवाड़े की भावना को सार्थक करते हुए समाज में जीवन रक्षक तकनीकों और गंभीर बीमारियों के प्रति जागरूकता फैलाने का महत्वपूर्ण प्रयास सिद्ध हुआ।

इंडियन रेडक्रॉस सोसायटी, सिंगरौली

मानवता की सेवा में सदैव समर्पित

जिला दिव्यांग पुनर्वास केंद्र (DDRC), सिंगरौली

एक समय सशक्तिकरण की दिशा में बढ़ते कदम

भारत सरकार के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय की महत्वपूर्ण पहल के अंतर्गत स्थापित

जिला दिव्यांग पुनर्वास केंद्र (DDRC), सिंगरौली

का संचालन इंडियन रेडक्रॉस सोसायटी, जिला शाखा सिंगरौली द्वारा जनवरी 2021 से नियमित रूप से किया जा रहा है। यह केंद्र सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग से संबद्ध होकर जिले के दिव्यांग नागरिकों को सशक्त, आत्मनिर्भर और समाज की मुख्यधारा से जोड़ने हेतु कार्यरत है।

निःशुल्क सेवाएँ

कृत्रिम अंग

आधुनिक तकनीक से निर्मित उच्च गुणवत्ता वाले कृत्रिम अंग निःशुल्क प्रदान किए जाते हैं।

फिजियोथेरेपी

प्रशिक्षित विशेषज्ञों द्वारा निःशुल्क फिजियोथेरेपी सेवा उपलब्ध।

कान की मशीन

श्रवण बाधित व्यक्तियों को निःशुल्क कान की मशीन उपलब्ध कराई जाती है।

परामर्श एवं मार्गदर्शन

दिव्यांगजनों एवं उनके परिवारों को परामर्श, मार्गदर्शन एवं आवश्यक सहयोग प्रदान किया जाता है।

अन्य सहायक उपकरण

व्हील चेयर

मोटराइज्ड ट्राइसाइकिल

ट्राइसाइकिल

बैसाखी

वॉकिंग स्टिक

स्मार्ट फोन

ब्रेल किट

एम आर किट

इसके अतिरिक्त अन्य आवश्यक उपकरण भी पात्र दिव्यांगजनों को प्रदान किए जाते हैं।

हमारा संकल्प

दिव्यांगजनों का सशक्तिकरण,

ट्रामा सेंटर के पास, बिलौंजी, बैढ़न, सिंगरौली (म.प्र.) – 486886

दूरभाष : 07805-359697, 07805-352516

ईमेल : ircs.singrauli@gmali.com

वेबसाइट : www.indianredcrosssingrauli.org

/redcrosssingrauli

मानवता की सेवा ही हमारा धर्म है।

- संवेदना से जुड़ें, सेवा से बढ़ें।
- रक्तदान करें, जीवनदान करें।
- स्वस्थ रहें, सुरक्षित रहें, दूसरों को भी प्रेरित करें।
- छोटा प्रयास, बड़ा परिवर्तन।
- मानवता ही हमारी पहचान है।

"सेवा, सहयोग और संवेदना से ही बनता है सशक्त समाज"

जन औषधि केंद्र

ट्रॉमा सेंटर के परिसर में स्थित

प्रधानमंत्री भारतीय जन औषधि परियोजना

भारत सरकार की प्रधानमंत्री भारतीय जन औषधि परियोजना (PMBJP) के अंतर्गत संचालित यह केंद्र आम नागरिकों को किफायती दरों पर उच्च गुणवत्ता वाली जेनेरिक दवाइयाँ उपलब्ध कराता है।

50% से 90% तक की छूट पर दवाइयाँ उपलब्ध	2000+ से अधिक गुणवत्तायुक्त जेनेरिक दवाइयाँ	300+ प्रकार के सर्जिकल एवं मेडिकल उत्पाद	सभी आवश्यक दवाइयाँ एक ही स्थान पर उपलब्ध

जन औषधि केंद्र के लाभ

- ब्रांडेड दवाइयों की तुलना में 50% से 90% तक सस्ती।
- WHO-GMP प्रमाणित कंपनियों की गुणवत्तायुक्त दवाइयाँ।
- आवश्यक सभी प्रकार की दवाइयाँ एक ही स्थान पर उपलब्ध।
- दिल, डायबिटीज, रक्तचाप, अस्थमा, कैंसर, एंटीबायोटिक, दर्द निवारक, विटामिन एवं अन्य सभी प्रकार की दवाइयाँ।
- सर्जिकल, चिकित्सा उपकरण एवं उपभोग्य सामग्री भी उपलब्ध।
- योग्य एवं प्रशिक्षित फार्मासिस्ट द्वारा परामर्श की सुविधा।
- स्वास्थ्य सुरक्षा की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम।

उपलब्ध प्रमुख उत्पाद

- हृदय संबंधी दवाइयाँ
- डायबिटीज दवाइयाँ
- रक्तचाप नियंत्रक दवाइयाँ
- एंटीबायोटिक दवाइयाँ
- दर्द निवारक दवाइयाँ
- विटामिन एवं मिनरल्स
- श्वसन संबंधी दवाइयाँ
- आयुर्वेदिक एवं हर्बल उत्पाद
- महिला स्वास्थ्य दवाइयाँ
- बाल स्वास्थ्य दवाइयाँ
- त्वचा एवं सौंदर्य उत्पाद
- सर्जिकल उपकरण
- मेडिकल डिस्पोजेबल
- अन्य सभी आवश्यक दवाइयाँ

हमारा उद्देश्य

आमजन को सस्ती एवं सुलभ स्वास्थ्य सेवाएँ प्रदान करना और प्रत्येक व्यक्ति तक आवश्यक दवाइयाँ पहुंचाना।

रेडक्रॉस की प्रतिबद्धता

मानवता की सेवा ही हमारा धर्म है। निःस्वार्थ सेवा एवं समर्पण के साथ हम समाज के कमजोर एवं जरूरतमंद वर्ग को प्राथमिकता देते हैं।

कार्यालय पता

भारतीय रेडक्रॉस सोसाइटी, केंद्रीय कार्यालय,
डी.डी.आर.सी. भवन, ट्रॉमा सेंटर के पास,
बिलोंजी, बैढ़न, सिंगरौली, म.प्र. - 486886

07805-359697
07805-352516
ircs.singrauli@gmail.com
www.indianredcrosssingrauli.org

ESTD. SERVING HUMANITY SINCE 1920

आइए, एक स्वस्थ, संवेदनशील और सशक्त समाज के निर्माण में अपना योगदान दें।

मानवता की सेवा, सबसे बड़ी सेवा